हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 26.11.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 124 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू, सदन में बोले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

मुट्ठी भर लोग 'हुड़दंगबाजी' से संसद को नियंत्रित करने का कर रहे प्रयास

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्हें लोगों ने 80-90 बार खारिज कर दिया है, वे अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए 'हुड़दंगबाजी' का सहारा लेकर संसद को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से सत्र के दौरान स्वस्थ चर्चा का आह्वान भी किया। मोदी ने कहा कि ऐसे मुट्ठीभर लोग अपने इरादों में कामयाब नहीं हो सके और देश के लोगों ने उनके कार्यों को देखा और उचित समय पर उन्हें दंडित भी किया।

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन की शानदार जीत के कुछ दिनों बाद आई है। 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा गठबंधन ने 235 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की वहीं विपक्षी महा विकास अघाडी महज 49 सीटों पर सिमट गई।

इससे पहले, भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में आश्चर्यजनक रूप से लगातार तीसरी जीत दर्ज की थी और कांग्रेस को पराजित किया था।

मोदी ने कहा, हमारे संविधान की महत्वपूर्ण इकाई हैं - संसद और हमारे सांसद। संसद में स्वस्थ चर्चा हो, ज्यादा से ज्यादा लोग चर्चा में अपना योगदान दें।

उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए... मुट्ठी भर लोग... हुड़दंगबाजी से संसद को नियंत्रित करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनका अपना मकसद तो सफल नहीं होता, लेकिन देश की जनता उनके सारे व्यवहार को बारीकी से देखती है और जब समय आता है तो उन्हें सजा भी देती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह बार-बार विपक्ष के साथियों से आग्रह करते रहे हैं और कुछ विपक्षी साथी भी चाहते हैं कि सदन में सुचारू रूप से काम हो। उन्होंने कहा, लेकिन जिनको जनता ने लगातार नकारा है, वे अपने साथियों की बात को भी नकार देते हैं और उनकी एवं लोकतंत्र की भावनाओं का अनादर करते हैं।

मोदी ने कहा कि आज विश्व भारत की तरफ बहुत आशा भरी नजर से देख रहा है, इसलिए संसद के समय का उपयोग वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़े हुए सम्मान को बल प्रदान करने में भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद का यह सत्र अनेक प्रकार से विशेष है और सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे संविधान की यात्रा का 75वें साल में प्रवेश अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है।

संसद का यह शीतकालीन सत्र 26 दिनों तक प्रस्तावित है और इस दौरान 19 बैठकें होंगी। हालांकि, संविधान दिवस समारोह के मद्देनजर 26 नवंबर को संसद की बैठक नहीं होगी। संविधान दिवस पर मुख्य कार्यक्रम संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित किया गया है। संसद के दोनों सदनों के सदस्य इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। संसद के इसी केंद्रीय कक्ष में 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकार किया गया था।

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

नयी दिल्ली : संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार को शीतकालीन सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गयी। दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गयी है। अडानी रिश्वत और मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग उठा रहे विपक्ष ने सरकार को इस मुद्दे पर घेरने की कोशिश की। हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को पहले 12 बजे और बाद में दिनभर तक के लिए स्थगित कर दिया गया। ऐसी ही स्थिति राज्यसभा की भी रही और कार्यवाही को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। कार्यवाही पहले 11.45 और बाद में दिनभर तक के लिए स्थगित कर दी गई। कल संविधान दिवस मनाया जाएगा। अब लोकसभा और राजसभा की कार्यवाही बुधवार, 27 नवंबर को शुरू होगी।

'संविधान दिवस' पर संसद के दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करेंगी राष्ट्रपति

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मंगलवार को 'संविधान दिवस' के अवसर पर संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में संसद के दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करेंगी। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केन्द्रीय मंत्री, संसद सदस्य, दिल्ली स्थित मिशनों के प्रमुख और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति भी दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला स्वागत भाषण देंगे। इस अवसर पर भारतीय संविधान की महिमा, इसके निर्माण और इसकी ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाते हुए एक लघु फिल्म दिखाई जाएगी।

मोरहाबादी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां शुरू, अधिकारियों ने लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और मंत्रिपरिषद के सदस्यों के 28 नवंबर को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर सोमवार को रांची के उपायुक्त वरुण रंजन और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने मोरहाबादी स्थित मैदान का जायजा लिया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिये।

मौके पर उपायुक्त ने बताया कि 28 नवंबर को नये सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होना प्रस्तावित है। इसको लेकर सभी तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। कार्यक्रम में सभी विधायकों के अलावा अन्य जिलों से लोग आयेंगे। इसके मद्देनजर ट्रैफिक की अलग व्यवस्था की जायेगी। मुख्य सचिव की ओर से निर्देश दिये गये हैं। साथ ही कैबिनेट डिपार्टमेंट के साथ समन्वय बनाकर काम करने को कहा गया है। बड़ी संख्या में लोग आयेंगे। हालांकि, इसकी संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। शपथ ग्रहण समारोह के लिए टेंट लगाने सहित अन्य काम शुरू कर दिए गए हैं।

उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी तैयारियां तय समय पर पूरा करें , जिससे किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की जायेगी।

कार्यक्रम की कैसी रहेगी व्यवस्था

शपथ ग्रहण समारोह में आने-जाने के लिए सुगम यातायात की व्यवस्था, खान-पान की व्यवस्था, दूसरे राज्यों से आने वाले मेहमानों के आवासन एवं उनके पारंपरिक तरीके से स्वागत, पार्किंग, वीवीआईपी मूवमेंट, रुटलाइनिंग, कंट्रोल रूम, पेयजल, मोबाइल टॉयलेट, अग्निशमन एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक शहर राजकुमार मेहता, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुमित अग्रवाल, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार एवं सम्बंधित सभी पुलिस उपाधीक्षक उपस्थित थे।

उपायुक्त ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों पर की चर्चा, दिए निर्देश

रांची : राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में 28 नवंबर को राज्य के मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के सदस्यों का शपथ ग्रहण होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट व्यक्तियों के अलावा बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थित होगी। इसके मद्देनजर उपायुक्त ने समारोह स्थल पर विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए सम्बंधित पदाधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। साथ ही सभी सम्बंधित अधिकारियों को प्रतिनियुक्त कराने को लेकर निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि कार्यक्रम सम्बंधित सभी व्यवस्थाएं तय समय में पूरा करा लें। इसमें यातायात, खान-पान, दूसरे राज्यों से आने वाले मेहमानों के आवासन, पार्किंग, यातायात, वीवीआईपी गाड़ियों के मूवमेंट, कंट्रोल रूम, पेयजल, मोबाइल टॉयलेट, अग्निशमन एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह स्थल मोरहाबादी में हो तैयारियों का जायजा भी लिया। साथ ही सम्बंधित सभी पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी तैयारियां तय समय में पूरा कर ले।

एक नजर

मिस्र में पर्यटकों से भरी नाव डूबी, 45 लोग लापता

मिस्र : मिस्र के लाल सागर में 31 पर्यटकों को ले जा रही एक नाव के डूबने के बाद बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार सुबह मार्सा आलम के पास शाब सतायाह के इलाके में रसी स्टोरीश नामक जहाज लापता हो गया, जिसमें कुल 45 लोग सवार थे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, नाव के रडार से गायब होने और संपर्क टूटने से पहले चालक दल के एक सदस्य ने सुबह करीब 5.30 बजे संकट के संकेत भेजे थे। नाव रविवार को पोर्टो गालिब से रवाना हुई थी और उसे 29 नवंबर को हर्गहाडा मरीना वापस लौटना था। अब बचाव टीम लापता लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

एक भी सीट न जीतने वाले राज ठाकरे की पार्टी से छिन सकता है चुनाव चिह्न

एजेंसी

नयी दिल्ली : महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में एक भी सीट न जीत पाने और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल का दर्जा और अपना चुनाव चिन्ह 'रेल इंजन' गंवा देने का खतरा मंडरा रहा है। पार्टी से ये चुनाव चिह्न वापस भी लिया जा सकता है। हालांकि इस बारे में चुनाव आयोग का निर्णय आना अभी बाकी है। बता दें कि राज ठाकरे के नेतृत्व वाली मनसे ने 125 सीट पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन एक भी उम्मीदवार जीत हासिल नहीं कर सका। इनमें ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे भी

शामिल हैं।

राजठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) राज्य विधानसभा चुनाव में प्रभाव छोड़ने में विफल रही, क्योंकि रुझानों में सत्तारूढ़ 'महायुति' को भारी जीत पहले से तय मानी जा रही था। वहीं, समाजवादी पार्टी और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) जैसी पार्टियां थोड़ी बेहतर स्थिति में रहीं। मनसे ने जहां 125 उम्मीदवार उतारे थे, वहीं वीबीए के 200 उम्मीदवार मैदान में थे।

बता दें कि भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन ने शनिवार को महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रखी। महायुति की इस प्रचंड जीत में भाजपा ने जहां 132 सीटों पर जीत दर्ज कीं। वहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पहला विधानसभा चुनाव लड़ रही शिवसेना ने 55 सीटें जीतीं। इसके साथ ही चाचा शरद पवार की छाया से बाहर अजित पवार की एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत दर्ज की।

संभल विवाद में अब तक 25 गिरफ्तार, सात प्राथमिकी दर्ज

एजेंसी

संभल : उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर रविवार को हुए पथराव एवं आगजनी को लेकर प्रशासन बड़े स्तर पर कार्रवाई कर रहा है। इस मामले में संभल कोतवाली में समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर्रहमान और विधायक नवाब इकबाल के बेटे सुहेल इकबाल के खिलाफ उपद्रव की साजिश रचने का मुकदमा दर्ज हुआ है। इस मामले में अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और दो थानों में सात प्राथमिकी दर्ज की गयी हैं।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने मीडियाकर्मियों बताया कि संभल हिंसा मामले में दो थानों में 07 प्राथमिकी दर्ज की गयी हैं। इसमें सांसद जियाउर्रहमान बर्क.और सपा विधायक नवाब इकबाल महमूद के बेटे नवाब सुहैल इकबाल को भी आरोपी बनाया गया है। उन पर दंगाई को भड़काने का आरोप है। उन्होंने बताया कि उपद्रवियों के हमले में घायल एकता चौकी के प्रभारी दीपक राठी ने 800 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। जिया उर्रहमान बर्क और सोहेल इकबाल नामजद अभियुक्त हैं। बर्क को पहले भी नोटिस दिया गया था। उन्होंने पहले भी भड़काऊ भाषण दिए थे और उन्हें ऐसा करने के लिए मना किया गया था। भाषण के दौरान उन्हें पहले भी कहा गया था कि आप इस तरह के भाषण न दें लेकिन उन्होंने इसके बाद भी भीड़ को उकसाने और जामा मस्जिद की हिफाजत के लिए लोगों को उकसाने का काम किया। इस दौरान जब सर्वे का काम चल रहा था तो एकाएक भीड़ ने पथराव कर दिया। पत्थर चलाने वाले सभी रुमाल से मुहं बांधे हुए थे। पत्थरबाजी में 15 पुलिसकर्मी और चार अधिकारी घायल हुए थे।

एसडीएम रमेश बाबू के पैर में फैक्चर हो गया था। सीओ संभल के पैर में गोली लगी थी। जिलाधिकारी ने कमेटी का गठन किया था, जिसमें एसडीएम संभल, सीओ और अन्य अधिकारी शामिल थे। इन पर सर्वे को पूरा कराने की जिम्मेदारी थी। रविवार को जब सर्वे कराया जा रहा था तो इन अधिकारियों ने भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ ने पथराव और फायरिंग शुरू कर दी। इसमें सीओ के पैर में गोली लगी। संजीव कुमार नाम के एक व्यक्ति ने भी लूट का मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक जब वे और डीएम इलाके में गश्त कर रहे थे तो महिलाओं ने ईंट से प्रहार किया गया। फायर भी किए, जिसमें पीआरओ भी घायल हुए थे। उनकी तरफ से भी 150 अज्ञात के खिलाफ थाना नखासा में मुकदमा दर्ज कराया गया है। वर्तमान में कोतवाली क्षेत्र से 22 और थाना नखासा क्षेत्र से तीन लोग गिरफ्तार किए गये हैं। कुल 25 लोग गिरफ्तार हुए हैं।

भारत ने पर्थ में रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से रौंदा

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024 के पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। पर्थ में खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने कंगारुओं को 295 रनों से धूल चटाई। ऑस्ट्रेलिया को पर्थ में हराने वाली पहली भारतीय टीम बनी है।

पर्थ टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रनों का टारगेट मिला है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज भारतीय तेज गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाए और दूसरी पारी मे 238 रन बनाकर सिमट गयी। बता दें कि लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट तीसरे दिन के तीसरे सत्र में ही गिर गए थे। चौथे दिन की शुरूआत में ही मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा को पंत के हाथ कैच आउट कराकर एक बड़ा झटका दिया। ख्वाजा ने इस पारी में 4 रनों का योगदान दिया।

इसके बाद मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने एक साझेदारी बनाने की कोशिश की और दोनों ने टीम का स्कोर 79 तक पहुंचाया। लंच से पहले भारत को एक और बड़ी सफलता तक मिली जब सिराज ने पंत के ही हाथों कैच आउट कराकर इस स्मिथ की 17 रनों की पारी का अंत कर दिया। स्टीव स्मिथ ने आउट होने से पहले 60 गेंदों का सामना किया और एक भी बाउंड्री नहीं लगाई।

ट्रेविस हेड ने अपना बढ़िया अर्धशतक जमाया और आखिरकार वो भी अपना धैर्य खो बैठे और बुमराह की गेंद पर पंत द्वारा कैच आउट हो गये। मिचल मार्श ने भी कुछ हाथ दिखाए और उन्होंने 47 रन की पारी खेली और नीतिश कुमार रेड्डी की गेंद पर बोल्ड आउट हो गये। इसके बाद अंतिम बल्लेबाज के रूप में ऐलेक्स कैरी भी 36 रन बनाकर हर्षित राणा की गेंद पर बोल्ड आउट हो गये।

बता दें कि भारतीय गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में 500 प्लस के मनोवैज्ञानिक टारगेट और नई गेंद का बखूबी फायदा उठाया है। कप्तान जसप्रीत बुमराह ने दो खिलाड़ियों को आउट किया है। जबकि मोहम्मद सिराज ने तीन विकेट हासिल किए हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे मोहम्मद सिराज के लिए पर्थ टेस्ट काफी बेहतर साबित हुआ है, जहां वह न केवल विकेट ले रहे हैं, बल्कि महत्वपूर्ण मौके पर विकेट चटकाने में भी कामयाब रहे हैं।

भारत की ओर से गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने 3-3 विकेट चटकाए, जबकि नीतिश कुमार रेड्डी ने दो विकेट लिए। हर्षित राणा ने भी दो विकेट लिए। इससे पहले भारत की दूसरी पारी यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शतक के बीच 6 विकेट पर 487 रनों के स्कोर पर घोषित हुई थी। विराट कोहली ने अपने करियर का तीसरा टेस्ट शतक लगाते हुए नाबाद 100 रनों का योगदान दिया था। यशस्वी जायसवाल ने भी 297 गेंदों पर 161 बनाए थे। इसके अलावा केएल राहुल ने 77 रनों की पारी खेली थी। पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का यह पहला टेस्ट मैच है जो भारत के पक्ष में गया। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने के लिए भारत को यह सीरीज जीतनी बेहद आवश्यक है। मैच की समाप्ति के बाद भारत के कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कहा मैं बहुत खुश हूं। पहली पारी में हम पर दबाव डाला गया, लेकिन जिस तरह से हमने जवाब दिया वह शानदार था।

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ पश्चिम बंगाल विस में प्रस्ताव लाएगी ममता सरकार

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके लिए अभी तारीख तय नहीं की गई है।

चट्टोपाध्याय ने वक्फ संशोधन विधेयक को "विभाजनकारी" बताते हुए दावा किया कि यह अल्पसंख्यकों को हाशिए पर धकेल सकता है और उनके अधिकारों का उल्लंघन कर सकता है। उन्होंने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि प्रस्ताव पेश करने की तारीख अभी तय नहीं की गई है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इस विधेयक का पहले भी विरोध किया है। केंद्र सरकार के एनडीए ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान विचार के लिए वक्फ संशोधन विधेयक समेत 16 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 का उद्देश्य वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन करना है ताकि वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन में सुधार हो सके। यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के नियमन और प्रबंधन में आने वाली समस्याओं को हल करने की दिशा में लाया गया है।

इस बीच, पश्चिम बंगाल के मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने कहा कि तृणमूल का अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ इस विधेयक के विरोध में 30 नवंबर को कोलकाता में रैली आयोजित करेगा।

हकीम ने विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान बताया कि इस रैली में टीएमसी के ज्वॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के सदस्य और श्रीरामपुर से सांसद कल्याण बनर्जी मुख्य वक्ता होंगे। यह रैली रानी रासमणि एवेन्यू पर आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, तृणमूल के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अन्य प्रमुख नेता और फिरहाद हकीम भी इस सभा को संबोधित करेंगे।

एक नजर

स्वास्थ्य सहिया की गला काटकर हत्या

तरहसी (पलामू) : तरहसी थाना क्षेत्र के पारपाइन गांव में स्वास्थ्य सहिया की गला काटकर हत्या कर दी गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है और पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतक अंजू देवी के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अंजू देवी पारपाइन गांव में स्वास्थ्य सहिया के पद पर तैनात थी। बताया जा रहा है कि वह अपने पति अनूप कुमार के साथ रांची में रहती थी। दो दिन पहले अंजू अपने गांव वापस लौटी थी। जहां रविवार की देर रात घर के किचन में अंजू देवी की गला काटकर हत्या कर दी गई। अंजू देवी की जेठानी ने सबसे पहले उसके शव को देखा और शोर मचाने लगी। शोर के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और देखा कि अंजू देवी का शव पड़ा हुआ है। ग्रामीण तत्काल इसकी जानकारी तरहसी थाना को दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद तरहसी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन शुरू किया। शव देखने के बाद अंजू की जेठानी बेहोस हो गई है। पुलिस उनकी जेठानी को भी साथ ले गई है। जिस वक्त घटना हुई है, उस समय घर में कोई नहीं था। मृतक के पति एवं दोनों बच्चे रांची में ही थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं परिजन मौके पर पहुंच गए। लेस्लीगंज एसडीपीओ मनोज कुमार झा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची है। पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

हम पार्टी सेक्युलर की पलामू जिला कमेटी ने मनाया जश्न

मेदिनीनगर(पलामू) : सोमवार को स्थानीय रेड़मा स्थित जिला कार्यालय में हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा सेक्युलर पलामू के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें गया जिला के इमामगंज विधानसभा सीट पर हम पार्टी के नेता व एनडीए प्रत्याशी दीपा मांझी के विजयी होने पर जश्न मनाया गया तथा सभी लोग के बीच मिठाईयां बांटी गई। इस अवसर पर सभी लोगों ने एक-दूसरे को अबीर गुलाल लगाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष आशुतोष कुमार तिवारी ने कहा कि इमामगंज विधानसभा सीट पर दीपा मांझी जी की शानदार जीत हुई है और यह दशार्ता है कि हमारे सर्वोच्च नेता जीतन राम मांझी जी ने विकास की गंगा क्षेत्र में बहाई है उसी का ईनाम क्षेत्र की जनता ने बहुमत से जीत दिलाकर दिया है। हम पार्टी सेक्युलर के सभी नेता व कार्यकर्ता इसके लिए बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आशुतोष कुमार तिवारी, एससी एसटी प्रकोष्ठ अध्यक्ष चंदन कुमार भुईयां, महासचिव भरत द्विवेदी, समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा के लिए पलामू से चलेगी स्पेशल ट्रेन

मेदिनीनगर (पलामू) : रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए पलामू से बिलासपुर के लिए स्पेशल ट्रेन भी चलाया जा रहा है। इस स्पेशल ट्रेन का नंबर 03696 और 03695 है। यह ट्रेन गढ़वा रोड से 24 और 27 नवंबर को गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन से सुबह 6 बजे खुलेगी, जो डाल्टनगंज, बरवाडीह, लातेहार, टोरी, खलारी, पतरातू, बरकाकाना, मूरी, टाटा, चक्रधरपुर, राउरकेला और झारसुगुड़ा होते हुए बिलासपुर तक जाएगी। ट्रेन जिस दिन गढ़वा रोड से खुलेगी, उसी दिन रात के 11 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। वहीं, वापसी में ट्रेन 25 और 29 नवंबर को रात 8 बजे बिलासपुर से खुलेगी, जो सुबह 11:30 बजे गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

शंकरपुर में सड़क दुर्घटना में मां-बेटे की मौत विधायक ने परिजनों को दिलाया न्याय का भरोसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शंकरपुर में सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 8 वर्षीय अमन कुमार और उनकी मां लीला की मौत हो गई। यह हृदय विदारक घटना तब हुई जब लीला देवी डीपीएस स्कूल से अपने बेटे अमन, जो कक्षा 4 का छात्र था, को लेकर स्कूटी से घर लौट रही थीं। स्कूल से महज 200 गज की दूरी पर एक तेज रफ्तार हाईवे ने उन्हें कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका लीलावती के पति कोडरमा में सरकारी विभाग में कार्यरत हैं। इस दुर्घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए और प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ विरोध करने लगे। घटना की सूचना मिलते ही सदर विधायक प्रदीप प्रसाद घटनास्थल पर पहुंचे। वहां मौजूद आक्रोशित लोगों को समझाते हुए उन्होंने कहा यह घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। मै इस मामले में पीड़ित परिवार के साथ खड़े हूं इस मार्ग पर जल्द ही ट्रकों एवं हाईवे के लिए नो एंट्री की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो। स्थानीय लोग प्रशासनिक व्यवस्था और सड़क पर ट्रकों की तेज रफ्तार को लेकर नाराज थे। उन्होंने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सदर विधायक ने प्रदर्शनकारियों से शांत रहने की अपील की और प्रशासनिक अधिकारियों को तुरंत मौके पर बुलाकर लोगों की समस्याओं का समाधान निकालने का आश्वासन दिया। सदर विधायक ने कहा आपका गुस्सा जायज है, लेकिन हमें मिलकर इस समस्या का समाधान निकालना होगा। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर मैं सुनिश्चित करूंगा कि इस सड़क पर ट्रकों की नो एंट्री का सख्ती से पालन हो। इसके साथ ही, दोषी वाहन चालक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आक्रोशित लोगों को शांत करने के बाद विधायक ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने परिवार को सांत्वना देते हुए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीड़ित परिवार को तुरंत उचित मुआवजा प्रदान किया जाए और सभी जरूरी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। प्रशासन से की प्रमुख मांगें- विधायक ने अधिकारियों से आग्रह किया कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही को रोकने के लिए तुरंत प्रभावी कदम उठाए जाएं। स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेत दुर्घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में स्पीड ब्रेकर और स्पष्ट चेतावनी संकेत लगाने की मांग की।

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस मार्ग पर पुलिस गश्ती बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल है। परिजनों ने बताया कि लीलावती अपने बेटे अमन को लेकर उसके उज्ज्वल भविष्य के सपने देख रही थीं, लेकिन यह हादसा उनके सपनों को भी छीन ले गया। जनप्रतिनिधि ने इस दुखद घड़ी में परिजनों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा की अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही को उजागर किया है।

संक्षिप्त खबरें

बड़कागांव के समाजसेवी सोनू इराकी मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मिले

बड़कागांव : झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में झारखंड अलग राज्य बनने के बाद चौथी बार प्रचंड जीत के साथ सरकार बना रहे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास में जाकर बुके देकर अभिनंदन करते हुए जीत की बधाई दिया साथ ही बड़कागांव विधानसभा की समस्या एवं विकास पर चर्चा किया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा की बड़कागांव की जनता की समस्या का समाधान होगा तथा खुशहाली आएगी।

सड़क से सटी दुकान खुद हटा लें अन्यथा प्रशासनिक तरीके से होगी कार्रवाई : सीओ

चौपारण : चौपारण अंचलाधिकारी संजय यादव ने बसरिया बाजार पहुंचकर अतिक्रमणकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा की जल्द ही सभी बसरिया बाजार को अतिक्रमण मुक्त स्वयं कर ले अन्यथा बल पूर्वक हटा दिया जाएगा और जेसीबी का खर्च भी अतिक्रमणकारीयों से वसूला जाएगा और कानूनी कार्रवाई भी किया जाएगा। तिक्रमणकारियों ने बसरिया बाजार के चारो तरफ घोर अतिक्रमण कर रखा है। जिससे हर वर्ग के लोगो को परेशानी हो रही है। बता दें की कुछ माह पूर्व ही बसरिया बाजार मे रोड एक्सीडेंट मे एक व्यक्ति की मौत हो गया था। उसके बाद से ही ग्रामीणों ने बसरिया बाजार को अतिक्रमण मुक्त करने मांग किया था। सीओ संजय यादव ने कहा की अतिक्रमण करना दंडनीय अपराध है और इसकी सजा अतिक्रमणकारियों को भुगतना पड़ेगा। अंचल क्षेत्र मे जहां-जहां भी अतिक्रमण करने का लिखित शिकायत मिलेगी उसपर कार्रवाई होगी और अतिक्रमणकारीयों को वहां से हटा दिया जाएगा। बताते चले की सबसे ज्यादा अतिक्रमण चतरा मोड़ से पाण्डेयबारा तक है उसपर भी अंचलाधिकारी को ध्यान देने की जरुरत है।

पलामू एसपी के आदेश से सघन जांच अभियान चलाया गया

मेदिनीनगर(पलामू) : मेदिनीनगर के छः मुहान पर चार पहिया वाहन एवं दोपहिया तथा टेंपो टेंपो एवं ई-रिक्शा सवारी गाड़ी की जाँच ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद के नेतृत्व मे चलाया गया। जिसमें दो पहिया वाहन के कुछ चालक बगैर हेलमेट एवं ट्रिपल लोड तथा बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाते पकड़े गये उनके वाहन को जब्त कर लिया गया है। जिसमें 13मोटरसाइकिल वाहन को चालान फाइन हेतु व्यवहार न्यायालय पलामू भेजा गया है। तथा 11 ई रिक्शा टेंपो सवारी गाड़ी को जिला परिवहन कार्यालय पलामू में फाइन हेतु भेजा गया है। आज दिनांक 25/11/24 को जिला परिवहन कार्यालय पलामू से 23 दो पहिया वाहन का चालान फाइन 38300 हजार रुपया तथा 02 ई रिक्शा टेंपो सवारी गाड़ी का चालान फाइन राशि 3300 रुपया चालान फाइन आया है। आज 25/11/2024 को टोटल चालान फाइन राशि 41600 रुपये प्राप्त हुये।

दुर्घटना में एक की हुई मौत

पंड़वा (पलामू) : पंड़वा थाना क्षेत्र के लोहड़ा गांव निवासी दीपक मिश्रा उर्फ टिंकू मिश्रा की दुर्घटना में रविवार की शाम मौत हो गई। वे 40 वर्ष के थे। दुर्घटना शाम 7 बजे हुई। आनन -फानन में मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। समाचार के अनुसार वे शाम 6 बजे चियांकी स्थित अपने निमार्णाधीन भवन का कार्य कराने के बाद वापस लोहड़ा गांव अपने घर लौट रहे थे। वे अपने गांव लोहड़ा से ठीक एक किलोमीटर पीछे गाड़ी खास गांव में दुर्घटना के शिकार हो गए। सड़क पर लगी हाईवा डंफर से उनकी टक्कर हो गई। वे उड़ीसा के झारसुगुड़ा एनटीपीसी जीई पावर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड में अकाउंट सीनियर मैनेजर पद पर कार्यरत थे। वे शनिवार की रात अपने गांव पहुंचे थे। वे अपने पीछे बेवा मां, पत्नी व 8 वर्षीय पुत्र को छोड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही लोहड़ा गांव के पूरे परिजन अस्पताल पहुंच गए। घर वालों व गांव के परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल है।

एमके डीएवी के तीन छात्रों का राष्ट्रीय स्तर पर हुआ चयन

मेदिनीनगर(पलामू) : एम.के. डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल डालटेनगंज के तीन छात्र रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता जो रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में 2 नवंबर 2024 को खेल गांव रांची में आयोजित थी। इस 14वीं झारखंड रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में प्रान्त के सभी जिलों के अनेक विद्यालयों के 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें इस विद्यालय के 10वीं ब के छात्र शिवम कुमार ने 17 वर्ष आयु वर्ग में 100 मीटर एवं 500 मीटर में रजत तथा 1000 मीटर में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कक्षा तीसरी अ के छात्र अद्वैत रंजन ने 9 वर्ष आयु वर्ग में एवं 100 मीटर तथा एवं 200 मीटर में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, तथा कक्षा चौथी अ के छात्र रचित राज ने 11 वर्ष आयु वर्ग में 100 मीटर में कांस्य पदक प्राप्त किया। अद्वैत रंजन एवं शिवम कुमार का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ है, जो 5 से 15 दिसंबर तक मैसूर में संपन्न होगा। 25 नवंबर 2024 को विद्यालय की प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में विजेता खिलाड़ियों को डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल्स झारखंड क्षेत्र आई के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी सह प्राचार्य एमके डी.ए.वी.पब्लिक स्कूल डालटेनगंज डॉक्टर जी.एन. खान ने वरिष्ठ सहयोगियों के साथ मेडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। छात्रों को संबोधित करते हुए डॉक्टर खान ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इन छात्रों ने डी.ए.वी के मुकुट में नगीना जड़कर इसकी चमक बढ़ाने का काम किया है। इसमें प्रांतीय स्तर पर डी.ए.वी.का यह प्रदर्शन गर्व का विषय है । डी.ए.वी. संस्थाएं खेलों को बढ़ावा देने एवं प्रधानमंत्री के खेलो इंडिया को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। हमारे कई पूर्व छात्रों जैसे साक्षी मलिक्, नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, अभिनव बिंद्रा इत्यादि ने ओलंपिक में भारत माता के मस्तक को ऊंचा करने का काम किया है ।

ट्रेलर ने पिकअप को मारी टक्कर ड्यूटी पर तैनात जवान की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण के चोरदाहा चेक पोस्ट पर सोमवार को एक अप्रिय घटना घटी। जिसमें ड्यूटी पर तैनात एक हवलदार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई एवं दो घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार चोरदाहा चेक पोस्ट पर पशु से लदे एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पीछे से ट्रेलर गाड़ी को जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे पशु (बकरी) लोड पिकअप वैन सड़क पर ही पलट गई। वही ट्रेलर गाड़ी एक टेम्पो को क्षतिग्रस्त करते हुए चोरदाहा निवासी सुरेन्द्र यादव के घर में जा घुसा। इस बीच ड्यूटी पर तैनात हवलदार अरुण कुमार दुबे, जिला औरंगाबाद बिहार की मौके पर ही मौत हो गई एवं जैप 7 के दो जवान घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक अस्पताल चौपारण ले जाया गया। जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। घटनास्थल का जायजा लेने एसपी अरविंद कुमार सिंह, डीएसपी अजीत कुमार विमल एवं चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश पहुंचे। शहीद जवान को प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिसकर्मियों ने गॉड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी।

बरही विस चुनाव में भाजपा के मनोज यादव की प्रचंड जीत, बाकी सभी की जमानत जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही विधानसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के पक्ष में गए, जहां पार्टी के प्रत्याशी मनोज कुमार यादव ने शानदार जीत दर्ज की। कुल 2,23,201 मतदाताओं ने इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 17 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला हुआ, लेकिन असल टक्कर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच ही सिमट कर रह गई। भाजपा के मनोज कुमार यादव ने 1,13,274 वोट हासिल किए और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के अरुण साहू को बड़े अंतर से हराया। अरुण साहू को 63,983 मत मिले, जिससे वे दूसरे स्थान पर रहे। मनोज यादव की यह जीत न केवल उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता बल्कि भाजपा के मजबूत जनाधार को भी दशार्ती है। चुनाव में प्रत्याशियों को जमानत बचाने के लिए कुल मतदान का 1/6 (16.66 प्रतिशत) यानी 37,051 मत हासिल करना आवश्यक था। हालांकि, भाजपा और कांग्रेस के अलावा किसी भी प्रत्याशी को यह आंकड़ा पार करने में सफलता नहीं मिली। परिणामस्वरूप, 15 अन्य प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। जिन प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई, उनमें समाजवादी पार्टी के उमाशंकर अकेला, कृष्णा कुमार यादव, रामाशीष सिंह, अविनाश कुमार, बिरजू पासवान, संतोष रविदास, मोहम्मद सेराज, बद्री यादव, डॉ. बालेश्वर राम, पुरुषोत्तम कुमार पाण्डेय, शिव कुमार राम, महेश ठाकुर, अर्जुन प्रसाद केशरी, दिलीप कुमार चंद्रवंशी और केदार प्रसाद यादव शामिल हैं। चुनाव परिणामों ने यह साफ कर दिया कि भाजपा का जनाधार बरही क्षेत्र में मजबूत है। हालांकि, कांग्रेस ने मुकाबला करने का प्रयास किया, लेकिन भाजपा के व्यापक समर्थन के सामने टिक नहीं पाई। अन्य दल और निर्दलीय उम्मीदवार जनता को प्रभावित करने में पूरी तरह असफल रहे। इस परिणाम ने भाजपा को आगामी चुनावों के लिए और आत्मविश्वास दिया है। मनोज यादव की जीत को भाजपा की विकास योजनाओं और क्षेत्र में किए गए कार्यों का परिणाम माना जा रहा है।

शंकरपुर में हुए दर्दनाक सड़क हादसे पर कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने जताया शोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शंकरपुर में सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 8 वर्षीय अमन कुमार और उनकी मां लीला देवी की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब लीला देवी अपने बेटे अमन, जो डीपीएस स्कूल में कक्षा 4 का छात्र था, को स्कूटी से घर ले जा रही थीं। स्कूल से महज 200 गज की दूरी पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को कुचल दिया। वहीं मृतका लीला देवी के पति कोडरमा में एक सरकारी विभाग में कार्यरत हैं। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की लापरवाही और सड़क पर तेज रफ्तार ट्रकों की आवाजाही के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। घटना की जानकारी मिलते ही कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह हादसा अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए मैं हर संभव प्रयास करूंगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की नो-एंट्री लागू कराई जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उनकी मांग थी कि सड़क पर स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेत लगाए जाएं और ट्रकों की तेज रफ्तार पर सख्त कार्रवाई की जाए। मुन्ना सिंह ने अपने प्रतिनिधियों को मौके पर भेजकर प्रदर्शनकारियों से शांत रहने की अपील की और भरोसा दिया कि दोषी वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं राजधानी रांची में मुन्ना सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मैं इस वक्त बहुत गहरे शोक में हूं मेरे परिवार के सदस्य की मौत हो जाने के कारण अभी अपने विधानसभा क्षेत्र से बाहर आया हुआ हूं। वापस लौटते ही इस क्षेत्र में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की प्रशासन से करूंगा।

व्यवसाईयों से रंगदारी मांगने और मैनेज करने के आरोप में दो अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): व्यवसायियों से रंगदारी मांगने तथा मैनेज करने के नाम पर रुपये वसूलने वाले दो अपराधियों को छतरपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी छतरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अवध कुमार यादव ने सोमवार को छतरपुर थाने में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि छतरपुर थाना कांड संख्या 203/24 के अनुसार छतरपुर थाना अंतर्गत भी व्यवसाईयों से धमकी भरा मैसेज कर रुपए मांगे गए थे। जिस पर कार्रवाई करते हुए छतरपुर पुलिस ने टीम गठित कर धमकी देने वाले तथा रंगदारी वसुलने वाले दो युवकों को पलामू जिले के मेदिनीनगर से गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान राजा बाबू केसरी उर्फ राजा बाबू तथा कार्तिकेय उर्फ सचिन ग्राम मांडा थाना मांडा खास जिला प्रयागराज के रूप में हुआ है। जिसमें पूछताछ के दौरान दोनों अपराधियों ने अपराध कबूल करते हुए बताया कि वे दोनों कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के लिए काम करते हैं। गिरफ्तार अपराधियों द्वारा पलामू जिला अंतर्गत विभिन्न क्रशर मालिको, ट्रांसपोर्टर, ईट भट्ठा एवं अन्य व्यवसायों से रंगदारी की मांग की गई थी। गिरफ्तार अपराधियों के पास से धमकी देने में प्रयुक्त किया गया मोबाइल की बरामद किया गया है।

हैवी ब्लास्टिंग से देश के भविष्य के साथ एनटीपीसी कोल माइंस कर रही है भारी खिलवाड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : प्रखंड अंतर्गत जोरदाग गांव के मध्य विधलाय में एक से लेकर 8वीं कक्षा तक के छात्र छात्रएं,खतरनाक परिस्थितियों में पढ़ने को विवश हैं,कारण यह है कि महज 100 मीटर के दूरी पर एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोल माइंस चल रहा है,जिसमे हैवी बलास्टिंग किया जाता है।हालकि इसकी जानकारी एनटीपीसी के अधिकारी व जिला अधिकारियों को भी है जिसके अलावा विभिन्न अखबारों में लगातार खबरे भी प्रकाशित किया जा रहा है,लेकिन इसे सुध लेने वाला कोई नही है।विधलाय के बच्चे डर के साये में पढ़ने को विवश हैं।जोरदाग उत्क्रमित मध्य विद्यालय में कुल नामांकित बच्चों की संख्या 242 है, जहां विद्यालय से महज एक सौ मीटर की दूरी पर ही एनटीपीसी चट्टीबारियातु कोल माइंस है, जहां माइंस में प्रतिदिन ब्लास्टिंग की जाती है, ब्लास्टिंग के वक्त विद्यालय के भवन में पूरी तरह कम्पन होने लगती है इस दौरान बच्चे में एक भय का माहौल व्याप्त हो जाता है बच्चे पूरी तरह से डर जाते हैं और अपनी कान बंद कर लेते हैं ऐसे वक्त में भय के कारण सभी बच्चों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। बच्चे प्रतिदिन डर के साए में अध्ययन करने विद्यालय आते हैं, इस दौरान बच्चों से बात करने वे करते जहाँ बच्चे पढ़ाई छोड़ बलास्टिंग होने पर विद्यालय छोड़ कमरे से बाहर दौड़ने व लगते चिल्लाने लगते हैं। कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, एनटीपीसी के अधिकारी बच्चे की भविष्य व जीवन के साथ कर रहा खिलवाड़, विद्यालय से महज 100 मीटर की दूरी में चट्टीबारियातु कोल माइंस में होता है हेवी बलास्टिंग, इस पर स्थानीय अधिकारी व जिला अधिकारी ने नही ली सुध इस दौरान उपस्थित बच्चे ने बताया कि बलास्टिंग होने से हम सभी डर जाते हैं ऐसा लगता है कि बिल्डिंग कभी भी गिर जाएगा।वहीं बच्चे ने आगे बताया कि बलास्टिंग होने से प्रदूषण व गंध विधलाय में ऐसी आते हैं जैसे नाक भी नही दिया जाता है।वही विधालय सचिव भुनेश्वर राम ने बताया कि चट्टी बारीयातु कोयला खनन परियोजना से विधलाय महज 100 मीटर की दूरी पर चल रहा है।हैवी बलास्टिंग होने से बच्चे डर जाते हैं,कुछ दिनों के अंदर विधालय स्थानरण नही जाएगा तो बडी घटना घट सकती है। इस संदर्भ में अंचलाधिकारी रामरतन वर्णवाल ने बताया कि फिलहाल विधालय आगर टोला में स्थानांतरित किया जायेगा, विधलाय के लिए स्थल चयनित किया गया है। विधलाय एनटीपीसी द्वारा बनाया जाएगा।

एक नजर

चीफ सेक्रेट्री ने की शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों की समीक्षा

रांची : चीफ सेक्रेट्री अलका तिवारी ने सोमवार को प्रोजेक्ट भवन में 28 नवंबर को होने वाले हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण को लेकर तैयारियों की समीक्षा की। इसे लेकर कई दिशा-निर्देश भी दिए। शपथ ग्रहण समारोह के आयोजन का जिम्मा रांची जिला प्रशासन को सौंपा गया है। इसके लिए रांची डीसी वरूण रंजन को कई दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। कैबिनेट कोर्डिनेशन डिपार्टमेंट इस पूरे आयोजन की मॉनिटिरिंग करेगा। चीफ सेक्रेट्री के साथ हुई बैठक के बाद रांची डीसी और एसएसपी ने आयोजन स्थल मोरहाबादी मैदान का जायजा भी लिया।

महिला ने की खुदकुशी

रांची : शहर के लोअर बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत पत्थरकुदवा में किराये के मकान में रहने वाली एक महिला ने फंदे से लटकर खुदकुशी कर ली। महिला का शिनाख्त सीमा परवीन के रूप की गई है। पुलिस ने सोमवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। बताया जा रहा है कि महिला का सोहराम के साथ विवाह हुआ था। उसके दो बच्चे भी हुए। बाद में महिला ने सोहराम को तलाक दे दिया। इसके बाद महिला तीन साल से अजीम के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी। अजीम ने शादी से इनकार किया, तो महिला ने धोखा देकर यौन संबंध बनाने को लेकर अजीम के खिलाफ वर्ष 2022 केस दर्ज कराई थी, जिसमें अजीम बेल पर था। आशंका जताई जा रही है कि प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने खुदकुशी कर ली है। थाना प्रभारी दयानंद कुमार ने बताया कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

कैथोलिक पारिश का क्रिसमस मेला 18 को, लक्की ड्रा में मिलेगा उपहार

रांची : एक दिसंबर से ईसाई समुदाय का आगमन काल शुरू हो रहा है। क्रिसमस मेला की तैयारी भी जोर शोर से शुरू हो चुका है। मेला की तैयारी और आयोजन को लेकर पल्ली खेल समिति और कैथोलिक पारिश ने सोमवार को संत जोसेफ क्लब पुरुलिया रोड में संवाददाता सम्मेलन किया। जिसमें संत मरिया महागिरजाचर्च के पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो, सहायक पुरोहित दीपक बाड़ा, फादर सुनिल लकड़ा, कैथोलिक सचिव सुनिल खलखो, मधु कच्छप, कैथोलिक महिला संघ सचिव फ्रांसिसिका खलखो, अनिमा एक्का, जोन लकड़ा, कुलवंत टोप्पो और खेल समिति अध्यक्ष अजय जोसेफ टोप्पो उपस्थित हुए। मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को एक प्लेटफार्म में लाने और समाज के प्रति कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से पांच दिवसीय क्रिसमस गैदरिंग सह मेला का शुभारंभ किया जाएगा। यह मेला 18-22 दिसम्बर तक लोयला ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। इसमें झारखंड के कलाकार रीतेश कच्छप मेला का उत्साह बढ़ायेंगे। यहां पर बच्चों के छोटे-छोटे मनोरंजन के विभिन्न प्रकार के झुले लगाये जायेंगे। खेल समिति के अध्यक्ष संत जोसेफ एक्का ने कहा कि मेला में एक सौ स्टॉल लगाया जाएगा। जिसमें झारखंडी खान पान और विभिन्न तरह के क्रिसमस पर्व की सामग्री स्टॉल में लगायी जाएगी। मेला का आनंद उठाने के लिए प्रति टिकट 50 रुपया इंट्री फी देना होगा। इसके साथ ही मेला में लकी ड्रा का भी व्यवस्था किया गया है। इसमें पहला, दूसरा और तीसरा स्थान लकी ड्रा में नम्बर प्राइज लिखा होगा। दस हजार से अधिक लोगों की क्षमता वाले लोयला ग्राउंड में 100 स्टॉल लगाये जायेंगे। मेला में शामिल लोगों की वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी।

राष्ट्रीय खेल घोटाले में प्रोटेस्ट पिटीशन के बाद शिकायतकर्ताओं से सीबीआई की पूछताछ शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 34वें राष्ट्रीय खेल घोटाले में सीबीआई ने शिकायतकर्ता से पूछताछ शुरू कर दी है। इस मामले के शिकायतकर्ता पंकज यादव के अलावा सुशील सिंह मंटू और सूर्य सिंह बेसरा से सीबीआई उनका पक्ष जान रही है। सीबीआई विधानसभा जांच कमेटी के अध्यक्ष सरयू राय से भी मामले में पूछताछ कर तथ्यों की जानकारी ले सकती है। शिकायतकर्ता पंकज यादव ने यह जानकारी सोमवार को दी।

नेशनल गेम्स घोटाले की सीबीआई जांच का आदेश हाई कोर्ट ने दिया था। इसके बाद सीबीआई ने जांच कर इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट जमा कर दी थी। स्पोर्ट कॉप्लेक्स के निर्माण में और स्पोर्ट्स उपकरण की खरीदारी को लेकर तीन अलग-अलग जनहित याचिकाओं पर झारखंड हाई कोर्ट ने फरवरी, 2022 में जांच के आदेश दिए थे। कसल्टेंसी के चयन से लेकर उपकरण की खरीदारी में अनियमितता का आरोप लगाया गया था।

सीबीआई जांच में आरोपियों को क्लीनचिट दे दी गयी थी और केस को बंद करने से पहले सीबीआई कोर्ट ने याचिकाकर्ता पंकज यादव सहित दो अन्य शिकायतकताओं को समन भेजकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया था। शिकायतकर्ता पंकज यादव ने सीबीआई कोर्ट में प्रोटेस्ट पिटीशन दायर कर सीबीआई के क्लोजर रिपोर्ट को चैलेंज किया था। उन्होंने सीबीआई कोर्ट को बताया कि सीबीआई ने अपने जांच रिपोर्ट में लापरवाही बरती है और जिस विधानसभा जांच कमिटी ने मेगा स्पोर्ट्स कॉप्लेक्स के निर्माण में अनियमितता की बात कही है, उस जांच कमिटी से ना तो बात की है और ना ही उस पहलू पर जांच की है। याचिकाकर्ता का यह भी आरोप था कि सीबीआई ने उनसे भी पूछताछ नहीं की है। सीबीआई कोर्ट ने शिकायतकर्ता पंकज यादव की मांग पर गत 13 सितंबर को दोबारा से सीबीआई को सभी बिंदुओं पर जांच के आदेश दिए थे।

उल्लेखनीय है कि 34वां राष्ट्रीय खेल साल 2011 में रांची में हुआ था। इसके आयोजन के बाद कई तरह की वित्तीय अनियमितता और करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के मामला सामने आये थे। यह मामला 457 करोड़ के घोटाले से जुड़ा है। इस संबंध में आरसी 2/2022 के तहत सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की थी। मामले में सीबीआई ने गत 08 फरवरी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी।

राजद के प्रदेश महासचिव ने पार्टी नेताओं को किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजद के प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने पार्टी कार्यालय में मौजूद पूर्व केंद्रीय मंत्री सह झारखण्ड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, नवनिर्वाचित विधायक सह प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव, विधायक सुरेश पासवान एवं वरिष्ठ नेता गौतम सागर राणा पूर्व मंत्री विजय प्रकाश को सम्मानित कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

यादव ने कहा कि पार्टी कार्यालय और कार्यकताओं में उत्सव का माहौल बना हुआ है। राजद और लालू प्रसाद एवं तेजस्वी यादव को चाहने वालों लोगों का आए दिन चहल-पहल बढ़ा हुआ है, जिसे आगामी राजनीति और प्रदेश के लिए शुभ संकेत माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजद का संगठन में प्रतिदिन मजबूती और बहुसंख्यक जनाधार को अधिक से अधिक बढ़ाने के लिए सभी साथीगण एक विकसित लक्ष्य के साथ कार्य करने का संकल्प ले रहे हैं। क्योंकि, सामूहिक मेहनत का नतीजा सफल परिणाम है। 28 को मोराबादी मैदान में शपथ ग्रहण के दौरान राज्यभर से भारी संख्या में राजद के लोग शामिल होंगे।

सांसद निशिकांत ने झामुमो कार्यकर्ताओं पर लगाया हमला करने का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गोड्डा से भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने झामुमो पर भाजपा कार्यकर्ता के घर पर हमला करने का आरोप लगाया है। सांसद ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर ट्वीट कर कहा है कि देवघर जिले के मधुपुर विधानसभा सीट पर परिणाम आने के बाद जेएमएम कार्यकर्ता रैली निकालकर जश्न मना रहे थे। इसी बीच रैली में मौजूद कुछ कार्यकर्ताओं के जरिये मधुपुर के मदनकट्टा स्थित संजय गुप्ता नाम के भाजपा कार्यकर्ता के घर पर हमला किया गया।

घटना को लेकर मधुपुर के भाजपा प्रत्याशी गंगा नारायण सिंह ने कहा कि जिस तरह से 24 नवंबर को जश्न मनाने के दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ता संजय गुप्ता के घर पर हंगामा किया, यह निंदनीय है। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायक हफीजुल हसन और उनके कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि रविवार को झामुमो के कार्यकताओं ने भाजपा कार्यकर्ता संजय गुप्ता के घर पर हमला किया और उनके घर पर लगे भाजपा के झंडे को तोड़ने का प्रयास किया।

गंगा नारायण सिंह ने कहा कि हफीजुल हसन अपनी ताकत और बल का इस्तेमाल करके मधुपुर की जनता को परेशान करना चाह रहे हैं। जिस तरह से यह घटना हुई है, इससे स्पष्ट पता चल रहा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं को टारगेट कर उन्हें तंग करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस मामले में करौ थाना के प्रभारी अमर कुमार ने कहा कि थोड़ी देर के लिए माहौल खराब जरूर हुई थी, जिसके चलते थोड़ी देर के लिए सड़क भी जाम कर दिया गया था। मौके पर पुलिस पहुंचकर दोनों पक्षों के लोगों को समझाकर शांत कराया गया।

झामुमो के जिला अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि निशिकांत दुबे के द्वारा लगाए गए सारे आरोप निराधार हैं। वह सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए इस तरह की बातों को लिखते हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान चलाने का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी जिला अध्यक्षों को 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान पांच विषयों को लक्षित कर चलाने का निर्देश दिया है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि संविधान और समानता की लड़ाई, संविधान द्वारा गारंटीकृत आरक्षण की सुरक्षा, भेदभाव का उन्मूलन, गरीबों के संविधान विरुद्ध पूंजीवादी सरकार के पक्षपात को उजागर करना, संविधान द्वारा गारंटीकृत लोकतंत्र और स्वतंत्रता पर भाजपा के हमलों को लेकर यह अभियान चलाया जाएगा। 26 नवंबर से 26 जनवरी, 2025 तक यह अभियान चलेगा। इस पूरे अभियान के दौरान एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, महिला, युवा, किसान समुदायों की स्थिति को खराब करने और इन्हें लक्ष्य करने वाली विभाजनकारी नीतियों को उजागर किया जाएगा।

सोनाल ने कहा कि अभियान के जरिए भाजपा द्वारा भेदभाव को प्रदर्शित करने वाले आंकड़े, पूंजीपतियों के प्रति पक्षपातपूर्ण नीतियों, केंद्र सरकार के शासनकाल में उत्पन्न आर्थिक असमानता, सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग से जनता को अवगत कराया जाएगा। जातिगत जनगणना की वकालत और आरक्षण प्रणाली पर भाजपा के भेदभाव पूर्ण विचारधारा को जनता के सामने लाना इस अभियान का अहम हिस्सा होगा। संविधान रक्षक अभियान के तहत रैलियां, जनसंपर्क, जमीनी स्तर पर जनसंवाद कर सभी मुद्दों को जनता के सामने लाया जाएगा। अभियान के द्वारा संविधान प्रदत अधिकारों, स्वतंत्रता और समानता की रक्षा को प्रतिबद्धता का प्रमाण बनाया जाएगा।

पत्थरबाजों की गिरफ्त में आ चुका है झारखंड : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि आंखों को बंद करने से खतरा नहीं जाएगा, अरे वो देखना पड़ेगा, जो देखा नहीं जाएगा। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि झारखंड लवजिहाद-लैंडजिहाद के बाद अब पत्थरबाजों की गिरफ्त में आ चुका है। हाल यह है कि पत्थर चलाए जा रहे हैं, लाठी मारी जा रही है, घर तोड़े जा रहे हैं, वोट देने के आधार पर जनता को पीटा जा रहा है।

बाबूलाल ने साहेबगंज की घटना का जिक्र करते हुए लिखा है कि ऐसी ही घटना साहेबगंज के ग्राम मोहम्मदपुर में सामने आई है, जहां ईमाम मिर्जा को सिर्फ इसलिए पीटा गया, धमकाया गया, मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, क्योंकि उसने अपना विश्वास भारतीय जनता पार्टी पर जताया था, वोट कमल के फूल पर दिया था। परिणाम आते ही जेएमएम पार्टी के गुंडे भाजपा समर्थित कार्यकताओं और वोटरों को पीट रहे हैं, गांव से बेदखल करने की धमकी दे रहे हैं और कह रहे हैं कि उनके हाथ में मुख्यमंत्री से लेकर थाना प्रभारी सभी हैं, इसलिए उनके कुकृत्यों के लिए कोई उनका बाल भी बांका नहीं कर सकता है। बाबूलाल ने साहिबगंज डीसी से अनुरोध किया है कि मामले की जांच करके दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएं एवं निष्पक्ष कार्यवाही करते हुए ईमाम मिर्जा को सुरक्षा मुहैया कराएं।

राज्य की आदिवासी और हरिजन आरक्षित सीटों को खत्म करना चाहती है भाजपा : सुप्रियो भट्टाचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने सोमवार को पीसी कर कहा कि 28 नवंबर को झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में नई सरकार का गठन कर लिया जायेगा और ये सरकार किये गये वादों को पूरा करने में लग जायेगी। जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में लग जायेगी। जेएमएम नेता ने कहा कि लेकिन विपक्ष यानी बीजेपी के नेता जनता से मिले जनादेश और इंडिया गठबंधन की जीत को पचा नहीं पा रहे हैं। कहा कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने यहां के आदिवासियों और मूलवासियों पर जो अपना नेतृत्व थोपा था, उनको भी ये जनादेश हजम नहीं हो रहा है।

कहा कि परिणाम के बाद भी बीजेपी के नेताओं के मुंह से जो घृणा की भाषा निकल रही है, वो चिंताजनक है। कहा, जबकि हम शुरू से शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव और मुद्दों पर चुनाव की बात करते रहे हैं। अभी बीजेपी की बैठक भी होगी। उसमें विधायक दल का नेता भी चुना जायेगा। कहा कि जिन क्षेत्रों में विष फैलाया गया था, जिन क्षेत्रों में जहर फैलाया गया था, इन इलाकों से भी उनका सुपड़ा साफ हो गया। कहा पूरे संथाल की 18 सीटों में से सिर्फ एक सीट उनको मिली है। कहा कि राजमहल से जो उनके विधायक थे, वे भी घुसपैठ मामले को, अपनी सरकार रहते हुए भी सदन में उठाते थे। लेकिन उनकी सरकार मानती थी कि यहां कोई घुसपैठ नहीं है। लेकिन इस बार उनकी जिद के कारण बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व भी कथित घुसपैठ की बातें करने लगा।

कहा कि 2025 में जनगणना होने की संभावना है। इसके बाद परिसीमन भी होगी। हमलोगों ने पहले भी ये आशंका जाहिर की है कि जो यहां की आरक्षित सीटें है, आदिवासी और हरिजन के लिए, उन पर इनका प्रहार होने जा रहा है। क्योंकि इन इलाकों के आदिवासी और हरिजन इनको भाते नहीं हैं। कहा कि इनको न दलित भाता है, न आदिवासी भाता है, न अल्पसंख्यक इनको भाता है और न युवा वर्ग को ये लोग पसंद करते हैं। कहा कि इनको किसान और महिलाएं भी नहीं भाती हैं। कहा कि आज से संसद का सत्र भी शुरू हो गया है। इसमें भी झारखंड की आरक्षित सीटों पर बात हो सकती है। कहा, संबंधित अधिकारियों को तय करना होगा कि परिसीमन के नाम पर आरक्षित सीटों की संख्या अगर घटाई गई तो, ये सही नहीं होगा।

सुप्रियो ने कहा कि बीजेपी की कोशिश है कि झारखंड की आरक्षित सीटों की संख्या कम की जाये। कहा, ये आशंका हम कई बार जाहिर कर चुके हैं। जेएमएम नेता ने कहा, हमने जब-जब जो भी आशंका जाहिर की है, वो सही साबित हुई है। हमलोग इनकी मनुवादी सोच को समझते हैं। कहा, इनका हमला इन सीटों पर या इन इलाकों में फिर से शुरू होगा। बीजेपी ये जानती है कि मूलवासी-आदिवासी में जब तक न दरार पैदा करो, धर्म के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, इनकी साजिश नहीं सफल होने वाली है। इनकी दुकान नहीं चलने वाली है। ये गंभीर विषय है। संसद का सत्र आज से शुरू है। इसमें आरक्षित सीटों को कैसे खत्म किया जाये, इस दिशा में चर्चा बीजेपी करेगी, ऐसी आशंका है। साथ ही उन्होंने विपक्ष से कहा कि हमारे जो भी प्रस्ताव राज्यपाल के पास लंबित हैं, उनको केंद्र तक पहुंचाने में विपक्ष सकारात्मक भूमिका निभाये ये उम्मीद हम करते हैं। कहा कि जेकेएलएम, जिसके प्रति जनता ने विश्वास जताया है, वो सरकार के साथ सकारात्मक दिशा में चलेंगे, ये आशा भी है। सुप्रियो ने आगे आजसू के नव निर्वाचित मांडू विधायक को संबोधित करते हुए कहा कि आपके नेता रोजगार की सरकार बनाने वाले थे, लेकिन वे खुद बेरोजगार हो गये।

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा चुनाव संपन्न होने के साथ आचार संहिता समाप्त

रांची : झारखंड में आदर्श चुनाव आचार संहिता सोमवार को खत्म हो गयी है। चुनाव आयोग ने आचार संहिता समाप्त करने की सोमवार को घोषणा कर दी है। इस संदर्भ में सभी कैबिनेट सेक्रेटरी, चीफ सेक्रेटरी, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को लेटर जारी कर दिया गया है। विधानसभा चुनाव को देखते हुए राज्य में 15 अक्टूबर से आचार संहिता लागू था। ऐसे में कोई नया काम नहीं हो रहा। अब सभी काम हो सकेंगे। झारखंड में चुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के तहत 200 करोड़ से अधिक मूल्य के कैश, नशीली पदार्थ और लीकर जब्त की गयी थी। वहीं, एमसीसी के मामले में 100 से अधिक एफआईआर दर्ज किये गये हैं।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव के घर को चोरों ने खंगाला

रांची : भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव के घर पर रविवार की देर रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया है। यह घटना अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हरमू कॉलोनी के सहजानंद चौक पर स्थित भाजपा प्रवक्ता के घर में हुई है। चोरों ने अलमीरा तोड़कर सारा सामान बिखेर दिया। प्रतुल शाहदेव ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है कि चोर ने मेरे घर के ऊपर वाले कमरे में जमकर उत्पात मचाया। ऐसा लग रहा था कि घर में घुसने वालों को मेरे सीसीटीवी का पोजीशन अच्छे से पता था। यानी उन्होंने मेरे घर की रेकी की थी। प्रतुल शाहदेव ने बताया कि सीसीटीवी में एक चोर की तस्वीर भी कैद हुई है। उन्होंने इस संबंध में रांची पुलिस को सूचना दे दी है। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि पुलिस शीघ्र इस घटना का उद्भेदन करेगी। भाजपा प्रवक्ता ने सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर के मध्य में राजपथ पर स्थित मेरे घर में जब ऐसी वारदात हो सकती तो बाकी लोग कितने महफूज है? मुख्यमंत्री से कड़ी कार्रवाई की अपेक्षा है। अरगोड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही एफएसएल की टीम के साथ जांच पड़ताल की जा रही है।

पूर्व मंत्री आलमगीर और उनके पीए संजीव की डिस्चार्ज पिटीशन पर फैसला आज

रांची : टेंडर घोटाले में करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पीए संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम की डिस्चार्ज पिटीशन पर सोमवार को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में सुनवाई हुई। ईडी, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पीए संजीव लाल और उसके नौकर जहांगीर आलम की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट 26 नंवबर को फैसला सुनाएगा।

रांची ग्रामीण एसपी ने की क्राइम मीटिंग, दिए दिशा-निर्देश

रांची : ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने सोमवार को वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभा कक्ष में क्राइम मीटिंग की। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र के सभी डीएसपी, थाना प्रभारी और ओपी प्रभारी मौजूद थे। एसपी ने विगत माह में दिए गए निदेर्शों की समीक्षा बारी-बारी से सभी थाना प्रभारियों से की। साथ ही लंबित मामलों, मामलों की समीक्षा के दौरान तकनीकी शाखा से टेक्निकल सहयोग लेना, एनबीडब्ल्यू वारंट का ससमय निष्पादन करते हुए न्यायालय को सूचित करने, लंबित पासपोर्ट का सत्यापन, यूडी कांडों का समीक्षा करने, विगत एक वर्षों में जेल से छूटे आरोपितों का सत्यापन, संपत्तिमूलक कांडों के उद्भेदन, जुआ-शराब के अड्डेबाजी पर छापेमारी करने का निर्देश दिया। इसके अलावा अनुसंधान नियंत्रण में प्रॉपर्टी ऑफेंस कांड, छिनैती, रेप, पॉक्सो, चोरी, लूट की समीक्षा करते हुए उसके निष्पादन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। एसपी ने इस दौरान झारखंड विधानसभा चुनाव निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

रांची : स्वास्थ्य विभाग रांची के तत्वावधान में शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षात्मक बैठक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में आयोजित की गयी। इस मीटिंग का उद्देश्य शहरी क्षेत्र में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा एवं आगामी माह की योजना के ऊपर विस्तार से चर्चा करना था। बैठक में परिवार नियोजन सेवाओं की समीक्षा, एनसीडी रिपोर्टिंग, एचएमआईएस पोर्टल पर सटीक डेटा प्रविष्टि और गुणवत्ता मूल्यांकन पर प्रमुख रूप से चर्चा की गई। इस बैठक का उद्देश्य शहरी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और उन्हें और अधिक प्रभावी बनाना था। बैठक की अध्यक्षता डॉ असीम माझी जिला प्रजनन और बाल स्वास्थ्य अधिकारी (डीआरसीएचओ) रांची ने किया। डॉ माझी ने सभी केंद्र के पीएचएम को सहिया-एएनएम मासिक बैठक को माहवार करना सुनिश्चित करें साथ ही इस बैठक में सभी सहिया, एएनएम का भाग लेना अनिवार्य है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को क्यूआईसी कमेटी सह डाटा कमेटी की बैठक में मासिक डाटा की समीक्षा करने के उपरांत ही पोर्टल पर डाटा एंट्री करना सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही उन्होने टीसीआई कार्यक्रम के द्वारा दिये जा रहे परिवार नियोजन एवं अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रम सहयोग की सराहना की। बैठक में कुलभूषण ने सभी एएनएम को मासिक प्रपत्र टिकाकरण एवं क्षेत्र संबन्धित जानकारी माहवार अपने केंद्र पर जमा करना सुनिश्चित करें। बैठक में परिवार नियोजन सेवाओं की मौजूदा स्थिति और उनकी गुणवत्ता में सुधार के उपायों पर जोर दिया गया। यह भी चर्चा की गई कि परिवार नियोजन सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने के लिए किस प्रकार की रणनीतियों को लागू किया जा सकता है। साथ ही, इन सेवाओं के प्रति समुदाय की जागरूकता को भी बढ़ाने के उपायों पर विचार किया गया। बैठक में रांची शहरी क्षेत्र से लोक स्वास्थ्य प्रबन्धक, एएनएम के साथ साथ पीएसआई इंडिया से प्रणव कुमार झा, संतोष कुमार पाण्डेय एवं अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एक नजर

बीएसएल में अधिशासी निदेशक ने संभाला पदभार

बोकारो : सेल में हाल ही में जारी अधिशासी निदेशक पद के पदोन्नति आदेश के आलोक में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन)राजश्री बनर्जी ने बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी की उपस्थिति में अपना पदभार ग्रहण किया। सुश्री राजश्री बनर्जी ने अपने करियर की शुरूआत दुगार्पुर स्टील प्लांट में बतौर प्रबंध प्रशिक्षु (प्रशासन) के रूप में की थी। उन्होंने दुगार्पुर स्टील प्लांट के विपणन विभाग, प्रबंध निदेशक सचिवालय, और कार्मिक विभाग में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई। वर्ष 2019 में उनका स्थानांतरण राउरकेला स्टील प्लांट में हुआ, जहां उन्होंने मानव संसाधन विभाग की जिम्मेदारी संभाली। इस दौरान उन्होंने कार्यबल विकास, प्रशिक्षण प्रथाओं और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया। उनकी कुशल नेतृत्व और नवाचार ने उन्हें राउरकेला स्टील प्लांट में मुख्य महाप्रबंधक (एचआर झ लर्निंग एंड डेवलपमेंट) के पद तक पहुंचाया। अब बी एस एल की पहली महिला अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) के तौर पर उनके व्यापक अनुभव का लाभ संहठन को मिलेगा।

अनियंत्रित कार की चपेट में आने से पिता-पुत्री घायल

बोकारो : पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के चौबा टांड़ के समीप के अज्ञात कार के चपेट मे आने से पिता व पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गया। जिस कार से घटना हुई उसका नंबर जेएच 09 ऐएच 7192 है इस गाड़ी का नाम रूपेश मिश्र बताया जा रहा है दोनों परीक्षा सेंटर से वापस पश्चिम बंगाल के पुरुलिया लौट रहे थे। जख्मी युवती सोमा मंडल ने बताया कि वे परीक्षा देकर अपने पिता के साथ वापस पश्चिम बंगाल के पुरुलिया लौट रहे थे। तभी एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी, सोमा के पैर मे गंभीर चोटे आई है। जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई पुलिस मौके से पहुंच घायल को सदर अस्पताल भेज कार को अपने कब्जे में थाने ले गई।

आजीवन लोगों के जनमुद्दों को उठाता रहूंगा : डॉ. आरसी

हजारीबाग : हजारीबाग कांग्रेस के नेता डॉ आरसी प्रसाद मेहता ने कहा कि मैं 2019 के विधानसभा चुनाव जरूर हारा था पर मैदान नहीं हारा था। कांग्रेस पार्टी ने 2014 में 11 हजार वोट ला कर चौथे स्थान में थी तत्पश्चात कांग्रेस ने मुझे हजारीबाग विधानसभा का टिकट दे कर ज़िले का कमान सौंपा,पंद्रह दिन की अवधि में मै 2019 विधानसभा एवं 24 लोकसभा में दूसरा स्थान पर लाकर खड़ा किया था परन्तु दुर्भाग्यवश विधानसभा का टिकट हमें नहीं मिला जिससे मैं हतोत्साहित नहीं हूँ। जिद और जुनून के साथ आने वाले चुनावों का मैं तैयारी में जुट गया हूँ । अब मैं आजीवन जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सैकड़ों चिन्हित जनमुदो उठाता रहूँगा। मैं टोल प्लाजा सिमसन पार्क ट्रैक्टर आंदोलन पत्थर आंदोलन इत्यादि दर्जनों आंदोलन किया और जीता। आज हजारीबाग वासियों को मैं आश्वस्त करता हूँ आजीवन जिले के सर्वांगीण विकास हेतु जनता के साथ रहूंगा।

झारखंड विधानसभा चुनाव में राजनीतिक ताकत के रूप में उभरा जेएलकेएम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस बार झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) एक महत्वपूर्ण राजनीतिक ताकत के रूप में उभरा है। जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम महतो ने छात्र आंदोलन से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की और इस बार डुमरी सीट से जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। जयराम महतो अपनी चुनावी रैलियों में भीड़ को आकर्षित करने में सफल रहे और विधानसभा चुनाव में अपने पहले प्रयास में डुमरी निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। उन्होंने दिग्गज राजनेता जगरनाथ महतो की विधवा और जेएमएम उम्मीदवार बेबी देवी को हराया। जेएलकेएम ने बेरमो, चंदनकियारी, गोमिया, बोकारो, सिल्ली, रामगढ़, मांडू और गोमिया सहित कई निर्वाचन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया है और स्थापित राजनीतिक दलों को कड़ी टक्कर दी है। जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम ने 2021 में झारखंड राज्य छात्र संघ (जेएसएसयू) के रूप में जिला स्तर की नियुक्तियों में माघी, अंगिका और भोजपुरी जैसी स्थानीय भाषाओं को मान्यता देने के खिलाफ बोकारो और धनबाद जिले में विरोध प्रदर्शन किया था।तीसरे और चौथे दर्जे की सरकारी नौकरियों में 40% सामान्य श्रेणी कोटे का विरोध करते हुए उन्होंने 60:40 नई चालो का नारा बुलंद किया था। बाद में जेएसएसयू झारखंडी भाषा-खातिन बचाओ संघर्ष समिति (जेबीकेबीएसएस) में बदल गई, जिसका ध्यान स्थानीय भाषाओं की रक्षा और स्थानीय जनसंख्या सर्वेक्षणों के आधार पर रोजगार आरक्षण की वकालत पर था। बाद में जेबीकेबीएसएस ने जून 2023 में अपनी राजनीतिक इकाई जेएलकेएम का गठन कर चुनाव लड़ने का फैसला किया। शुरूआत में पिछले लोकसभा चुनाव में जेएलकेएम ने राज्य की आठ लोकसभा सीटों पर निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। पार्टी के उम्मीदवारों ने हजारीबाग व गिरिडीह सीट पर एक लाख से अधिक वोट हासिल कर अपनी ताकत का अहसास कराया था। जेएलकेएम ने इस विधानसभा चुनाव में राज्य की 71 सीटों पर उम्मीदवार उतारे। डुमरी को छोड़ बाकी किसी सीट पर इसके उम्मीदवारों ने जीत तो दर्ज नहीं की, लेकिन चुनाव को प्रभावित करते हुए भाजपा व आजसू समेत अन्य प्रमुख राजनीतिक दलों की हार का प्रमुख कारण बने। विधानसभा चुनाव में जेएलकेएम तीसरे फ्रंट के रूप में उभरा है।

पंख एक नई दिशा ने मंदबुद्धि बच्ची को दिलाया आश्रय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : सोमवार को पंख एक नई दिशा ने मंदबुद्धि और अब्नॉर्मल बच्ची को मिशनरीस में अपने प्रयासों से आश्रय दिलवाया। पंख एक नई दिशा चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा पिंकी गुप्ता की अध्यक्षता मे पंख संस्था के सभी सदस्य लगातार चार महीनो से इस मंद बुद्धि और अबनॉर्मल लड़की उम्र 29 वर्ष जो टुंडी, धनबाद की रहने वाली हैं उसे मिशनरीस में आश्रय दिलवाने की कोशिश में थे। संस्था को आज ये कामयाबी मिली। इस लड़की को रखवाने की सारी कागजी प्रकिया पुरी हो गई है। संस्था की प्रेसिडेंट ने कहा आज हम लोग बहुत खुश है कि हमलोगो की मेहनत रंग लाई और अब इस मंद बुद्धि, अबनॉर्मल लड़की को रहने के लिए छत और तीनों वक़्त का खाना मिलेगा और वहां पर अच्छे से रहेगी। इस मौके पर संस्था की सुषमा प्रसाद, नम्रता गुप्ता, गायत्री गुप्ता, कल्पना रंजन, मनीष गुप्ता, शशि शेखर गुप्ता आदि मौजूद थे।

कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन में तत्काल टिकट पर गुडों का राज, रेल प्रशासन मौन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : कतरासगढ़ स्टेशन पर टिकट काउंटर में तत्काल टिकट बनाने वाले आम यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। तत्काल टिकट के दलाल टिकट काउंटर पर आकर मानमाने ढंग से टांगे लिस्ट को फाड़ देते हैं। जिसे देखने वाले कोई नहीं होते हैं।आम यात्री 15 दिनों तक तत्काल टिकट कटवाने के लिए तरसते रहते हैं। घटना रविवार की रात 11:10 बजे की है। जहां युवक खुलेआम लिस्ट को फाड़ रहे हैं। वहीं गुंडा तत्व के लोग टिकट काउंटर पर हावी होकर तत्काल टिकट पर अपना कब्जा जमा कर अवैध कमाई कर रहे हैं। स्टेशन परिसर पर तैनात आरपीएफ तथा जीआरपी पुलिस ऐसे सामाजिक तत्वों के ऊपर लगाम लगाने में असफल दिख रही है। अगर यही स्थिति बनी रही तो यहां तत्काल टिकट को लेकर कभी भी खून खराबा हो सकती है।कोई भी आम यात्री की जान जा सकती है। गुंडागर्दी करने वाले लोग 10 से 15 के संख्या में आते हैं और लाइन में लगे लोगों को हतापाई कर हेलो दबंगई दिखाते हैं और भय दिखाकर भगा देते हैं। इस तरह की घटना रोजाना यहां देखने को मिलती है। रेल प्रशासन से आम यात्रियों ने आग्रह किया है कि ऐसे गुंडा तत्वों पर अंकुश लगाने की मांग की है। इसकी जानकारी डीआरएम को भी ट्वीट करके दें दी गई हैं। धनबाद डीआरएम ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए आरपीएफ को कार्रवाई हेतु अग्रसारित कर दिया हैं।

नवनिर्वाचित विधायक श्वेता सिंह ने बोकारो की जनता को दिया धन्यवाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो विधानसभा से नवनिर्वाचित विधायक श्वेता सिंह के आवासीय कार्यालय पर प्रेस वार्ता आयोजित की गई । इस प्रेस वार्ता में श्वेता सिंह ने पत्रकार बंधुओं से कहा कि जिस तरह से पूरे चुनाव में आप सभी ने आम जनता को पूरे पारदर्शी तरीके से और बिना किसी पक्ष पात के जो समाचार संकलन कर के दिया है उसके लिए मैं धन्यवाद ज्ञापित करती हूं वहीं श्वेता सिंह ने कहा कि यह जीत बोकारो के परिवार की जीत है और यह जीत मुझे इच्छा शक्ति देती है विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि 2014 के चुनाव में पूर्व विधायक को जनता लोगों ने बहुत उम्मीद से चुना था कि इस 10 साल में बोकारो का कुछ स्वर्णिम विकास होगा पर यहां के जनता को सिर्फ मायूसी ही हाथ लगी आप जो जनता ने बदलाव किया है कुछ बेहतरीन और अच्छे के लिए किया है मैं पूरे विधानसभा क्षेत्र में लगातार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का स्वय प्रवास कर ज्वलंत समस्याओं को निष्पादित करने का कार्य करूंगी। बोकारो विधानसभा में पहली महिला के रूप में विधायक चुनी गई है इसको लेकर उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बेटियों के लिए हर तरह के रोजगार एवं सरकार की हर योजनाओं को उन तक पहुंचाने का काम करेंगी। बोकारो से पलायन हो रहे मजदूरों के बारे में कहा कि यहां से काफी पढ़े लिखे लोग बी टेक डिप्लोमा करके भी रोजगार नहीं होने के चलते बाहर जाने को मजबूर है इसको लेकर हम लोग यहां पर पलायन हो रहे मजदूरों के लिए रोजगार की व्यवस्था करने का काम करेंगे। बोकारो परिवार ने जिस तरह पूर्व में मेरे पिता तुल्य ससुर स्व समरेश सिंह जी को अपना स्नेह दिया था और आज मुझे दिया है वह अविस्मरणीय है निजी तौर पर मै आभार व्यक्त करती हूं और जीवन भर ऋणी रहूंगी। मैं हमेशा निष्पक्ष होकर समाज को एक सूत्र में बंध कर चलने का प्रयास करूंगी।

उत्पाद विभाग ने तलाशी अभियान में भारी मात्रा में स्पिरिट किया बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त बोकारो के निदेर्शानुसार सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन में जिला उत्पाद बल ने चास मुफस्सिल थाना अंतर्गत तेलमच्चो टोल प्लाजा के पास गश्ती के दौरान सोमवार सुबह 3:30 बजे के आसपास एक नीले रंग के इंट्रा पिकअप जेएच 09-बीएच-2016 की तलाशी लेने पर उस पर सब्जी के कैरेट के नीचे 41 नीले रंग के जरकीन में अवैध सुशव (स्पिरिट) बरामद किया। संलिप्त अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया जा रहा है। टीम ने इंट्रा पीक-अप जेएच 09 बीएच 2016 वाहन एवं 2050 लीटर स्पिरिट जब्त किया है। छापामारी दल में निरीक्षक उत्पाद बिजय कुमार पाल, अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट, सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा महेश दास आदि उपस्थित थे।

कामकाजी महिलाओं की घर वापसी तक उनकी सुरक्षा का इंतजाम संबंधित संस्थान करे : संगीता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में सेक्टर 2 ए के आवासीय कार्यालय पर अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर तिरुपति संस्था की सचिव सह एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ वर्ल्ड झारखंड की निर्देशक संगीता तिवारी की अध्यक्षता में एक बैठक हुई । महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ समाज में अंतिम व्यक्ति और महिलाओं के बीच कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर श्रीमती तिवारी ने कहा कि हमारी संस्था हर वक्त समाज के अंतिम व्यक्ति से लेकर हर तबके की महिलाओं चाहे वह कामकाजी हो चाहे सरकारी संस्था से, या निजी संस्था की महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर समय तत्पर रहती है। आजकल महिलाएं घर से बाहर निकल रही हैं कामकाज के लिए चाहे रेस्टोरेंट हो, पेट्रोल पंप हो, मॉल हो, पार्लर हो, बड़े से बड़े शोरूम, इत्यादि सभी जगह महिलाओं को रखा जाता है परंतु उनकी सुरक्षा, सेक्सुअल हरासमेंट और हिंसा पर ध्यान नहीं दिया जाता हमारी संस्था प्रशासन से मांग करती है कि पहले संस्थाओं को दिशा निर्देश दिया जाए की जो महिलाएं घर से निकाल कर आती है उन्हें घर से आने से लेकर घर जाने तक उनकी सुरक्षा का इंतजाम संस्थान को करना है। हमारी तिरुपति संस्था कन्यादान विवाह और विकास सोसायटी की मदद से गरीब महिलाओं की बच्चियों की शादी के लिए जिनका उम्र 18 वर्ष हो गया है उसका रजिस्ट्रेशन कर शादी करवाने जा रही है ठीकहै। मौके पर एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ वर्ल्ड झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष पी एन तिवारी, उपाध्यक्ष जय शर्मा, रमना जिला गढ़वा की प्रमुख करुणा सोनी, आभा सिन्हा, कुमार राजा, सुरेश बोथरा, सुरेश केडिया उपस्थित की उपस्थिति में समाज की अंतिम महिलाओं के बीच कंबल, राशन और ऊनी वस्त्र का वितरण किया गया।

संक्षिप्त खबरें

एनएसयूआई बीएससी मैथन टीम ने अरूप चटर्जी को विधायक बनने पर दी बधाई

धनबाद : एनएसयूआई बीएससी मैथन टीम ने अरूप चटर्जी को निरसा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बनने के लिए शुभकामनाएं देने के साथ-साथ बीएसके कॉलेज इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के लिए आवेदन भी दिया। बीएसके कॉलेज एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष रितिक चटर्जी, उपाध्यक्ष रवि कुमार, शिवम भगत, सचिव राकेश गोराई वहां मौजूद हैं।

जनता के विश्वास पर खरा उतरूंगा : शत्रुघ्न

धनबाद : जनता के विश्वास पर खरा उतरूंगा उक्त बातें बाघमारा के नव निर्वाचित विधायक शत्रुघ्न महतो ने अपने चीटाही स्थित आवास में कार्यकर्ताओं के आभार प्रकट करते हुये व सभी के द्वारा लाये गये मिठाई, गुलदस्ता को स्वीकार करते हुये लोगो का आभार जताया, उन्होंने अपनी जीत का श्रेय बाघमारा की जनता व मतदाताओं को दिया,रविवार को दिनभर कार्यकर्ताओ द्वारा अपने विधायक को बधाई देने के लिये पहुच रहे थे।

देवग्राम-बैद्धनवाडीह में ग्रामीणों के बीच बंटा पांच हजार गुड़ का रसगुल्ला

धनबाद : बाघमारा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी शत्रुघ्न महतो के ऐतिहासिक जीत की खुशी में यूवा भाजपा नेता टिलू माजि द्वारा बंगाल के बने गुड़ की 5 हजार रसगुल्ले देवग्राम-बैद्धनवाडीह में बांटा गया। माजि के दिशा निर्देश पर समर्थको ने घर घर जाकर मिठाई की पैकेट वितरण की गई। उन्होने कहा कि यह जीत बाघमारा के एक एक मतदाताओ की है। इस जीत के लिए सांसद ढुलू महतो बधाई के पात्र है। कहा कि बाघमारा में अब विकास का कार्य डबल गति से होगी। गरीब दलित मजदूर शोषित लोगो को उनका हक अधिकार मिलेगा।

उमाकांत रजक की जीत पर निकला विजय जुलुस, मिठाई बांटी गई

बोकारो : चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन के झामुमो प्रत्याशी उमाकांत रजक के जीत पर शहीद सुदर्शन भगत जोन बिजुलिया में झामुमो व कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बिजय जुलुस निकाल कर खुशी जाहिर किया। कार्यकर्ताओं ने एक दुसरे को अबीर गुलाल लगाकर व मिठाई खिलाकर एक दुसरे को बधाई दिया। कार्यकताओं ने उमाकांत रजक जिंदाबाद, सोनिया गाँधी हेमंत सोरेन जिंदाबाद का नारा कर बधाई दिया। मौके पर डा० विकास रजक, रोहित दास, अमृत सिंह, जयतौष तिवारी, काजल सिंह, सीन कुमार, भगवान महथा, दुर्योधन रजक, रंजीत कुमार सहीत झामुमो व कांग्रेस के सैकड़ों लोग शामिल थे।

गांजा तस्करी के मामले में तीन अभियुक्तों को मिली सजा

बोकारो : अपर सत्र न्यायाधीश देवेश कुमार त्रिपाठी की अदालत ने रणधीर कुमार उर्फ सोनू, श्याम साहा, पंकज साहू को 15 एवं 17 साल की सजा सुनाई है, अदालत ने 10 लाख रुपए की जुमार्ना लगाया है यह सजा गांजा के तस्करी को लेकर दोषी पाए जाने के बाद सुनाई गई है। मालूम हो एनसीबी टीम को सूचना मिली थी कि बोलेरो पिकअप वैन से गांजा धनबाद ले जाया जा रहा है, जिसके बाद मुफसिल चास थाना के समीप नारकोटिक्स टीम ने करवाई की थी। जिसमे लगभग साढ़े 5 क्विंटल गांजा बरामद हुई थी। इसी मामले मे न्यायालय ने सजा सुनाई है।

फाइनेंशियल लिटरेसी पर डॉ राजेंद्र प्रसाद स्कूल में सेमिनार का हुआ आयोजन

बोकारो : सीबीएसई की ओर से रानी पोखर स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल में फाइनेंशियल लिटरेसी पर शिक्षकों के लिए एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस टीचर ट्रेनिंग का विषय फाइनेंशियल लिटरेसी पर आधारित था। जिसमें सीबीएसई की ओर से नियुक्त रिसोर्स पर्सन निशा कुमारी की ओर से दिया गया यह ट्रेनिंग विशेष कर महिला शिक्षिकाओं के लिए आयोजित किया गया था। उन्होंने सभी महिला व पुरुष शिक्षकों को बताया कि जो पैसे वह अर्जित करती हैं उसे कहां और किसमें किस प्रकार इन्वेस्ट किया जाए। जिसका उन्हें ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके। क्योंकि बैंक की ओर से जारी किए गए कई योजनाओं की सही जानकारी महिला शिक्षकों को नहीं होने के कारण भी उन्हें इनका फायदा नहीं मिल पाता। इस संबंध में स्कूल के शिक्षकों ने रिसोर्स पर्सन से कई तरह के प्रश्न पूछकर लाभान्वित हुए। इससे निशा कुमार की ओर से दी गई ट्रेनिंग में विद्यालय की सभी शिक्षिकाओं को बहुत सी बातों की जानकारी मिली और वे काफी लभांनवित महसूस कर रही थी। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य मुकेश कुमार, उपप्राचार्य आलोक चतुवेर्दी,एसके सिंह, प्रभारी, विभा रानी, बिंदु सिंह, सरिता सिन्हा, गीता सिंह, राखी कुमारी, वीणा कुमारी समेत अन्य सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं शामिल रहे।

एक नजर

मोहम्मद रिजवान के जनाजे में उमड़ी भीड़

अनगड़ा : हटिया विधानसभा क्षेत्र नयासराय नयाटोली निवासी रिजवान अंसारी (सिग्नल रेजिमेंट) का दिल्ली में आर आर हॉस्पिटल मे ईलाज के दौरान मृत्यु हो गया उसके बाद ' उनका पार्थिव शरीर को २५ नवंबर शाम रांची एयरपोर्ट से 7:00 बजे घर शरीर लाया गया है, उनकी पार्थिव शरीर को लेने के लिए नयासराय के सभी पूर्व सैनिक और सैकड़ो की संख्या मे ग्रामीण पहुँचे, और सम्मान के साथ उनके शव को घर तक लाया गया,आज सुबह 10 बजे सेना के जवानो के द्वारा गार्ड ऑफ वोनर कर नम आँखों से अंतिम सलामी दी गई और हाफिज सफीउल्लाह ने जनाजे की नमाज पढ़ाई, आगे बता दे की रिजवान अंसारी अपने पीछे दो मासूम बच्चा बीवी मां भाई को छोड़ आज दुनिया से चले गए।

वन विभाग की टीम ने मारा छापा, लकड़ी लदा ट्रक जब्त

साहिबगंज: जिला में वन विभाग अवैध लकड़ी माफिया पर शिकंजा कसने में तत्पर है। वन विभाग की टीम ने शनिवार की रात लगभग 3 बजे उधवा के पहाड़गांव स्थित इलाके में गश्त कर रही थी। तभी एक आरा मिल के पास टीम ने लकड़ी लदे एक ट्रक नंबर यूपी 44 ए टी 8198 को खड़ा देखा। वन विभाग की टीम ने ट्रक कि छानबीन की। ट्रक में 92 बोटा लकड़ी लोड था। ट्रक वाले से लकड़ी का दस्तावेज मांगा गया और कोई दस्तावेज नहीं रहने की बिना पर लकड़ी सहित ट्रक को जब्त कर तालझारी वन परिसर कार्यालय लाया गया। वहीं विभाग अग्रतर कार्यवाही की जा रही है। छापामारी टीम में वन परिसर पदाधिकारी राणा रंजीत चौधरी, उप वन परिसर पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार, पप्पू कुमार, अमित कुमार, प्रेम कुमार, राजेश टुडू एवं अन्य वनकर्मी शामिल थे।

बरहेट से झामुमो कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचेंगे रांची

साहिबगंज: जिला के बरहेट प्रखंड में झामुमो कार्यालय परिसर में सोमवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड के सभी पंचायत की झामुमो कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता झामुमो प्रखंड मंडली संयोजक सुनिराम हांसदा ने की। जानकारी देते हुए बताया कि 28 नवंबर को मोराबादी मैदान रांची में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित की गई है। इंडिया गठबंधन के नेतृत्व वाली सरकार पुनः मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। जहां सभी लोग अधिक से अधिक संख्या में रांची पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। वही विधानसभा चुनाव में आए परिणाम को लेकर भी कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

जिला क्रिकेट अंडर -16 टूर्नामेंट में माही स्पोर्ट्स ब्लू ने 78 रनों से जीत दर्ज की

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर -16 क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत सोमवार को महतो बगान बनाम माही स्पोर्ट्स ब्लू के बीच मैच खेला गया। माही स्पोर्ट्स ब्लू ने टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए 25 ओवर में 9 विकेट पर 180 रन बनाया। हजरत शेख ने 89, आनंद ने 22 व मयंक ने 13 रनों की पारी खेली। महतो बागान के गेंदबाज विशाल व राहुल ने 2-2, रोहित ने 3 जबकि जयराम महतो ने 1 विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी महतो बागान की टीम 14.3 ओवर में 102 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। रोहित महतो ने 29 व राहुल मंडल ने 22 रनों की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स ब्लू के गेंदबाज मयंक ने 3, मो चांद, अंशुमन दूबे व आनंद कुमार ने 2-2 विकेट लिए। माही स्पोर्ट्स ब्लू ने 78 रनों से मैच जीत लिया।

जीत के बाद अमित महतो ने निकाला विजय जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली झामुमो प्रखंड कमेटी की नेतृत्व में सिल्ली के नवनिर्वाचित विधायक अमित कुमार महतो ने कार्यकर्ताओं संग अनगड़ा, जोन्हा और सिल्ली प्रखंड में विजय जुलुस निकाला। साथ में नवनिर्वाचित विधायक की धर्मपत्नी पूर्व विधायक सीमा महतो भी शामिल हुई। सिल्ली विधानसभा से दूसरी बार जीतने के लिए लोगों को आभार जताया और कहा कि यह जीत मेरी नहीं बल्कि जनता की जीत है। विजय जुलुस अनगड़ा से जोन्हा, बिरसा चौक स्कूल मोड़ जोन्हा, बाजारटांड़ बरवादाग, बुढ़ाम होते हुए सिल्ली पहुंची जुलूस के सिल्ली पहुंचते ही महागठबंधन के कार्यकताओं द्वारा नवनिर्वाचित विधायक को फूल माला पहनाकर और पारंपरिक तरीके से स्वागत और अभिनंदन किया गया। अपने संबोधन में अमित महतो ने कहा कि यह जीत हमारी माताओं,बहनों और सिल्ली के युवाओ की है। इस जीत में बड़े भाई हेमंत सोरेन ने निर्णायक भूमिका निभाई है जिसके बदौलत यह संभव हुआ है। सिल्लीवासियों का आशा हमारे ऊपर है उस आशा पर हम खरा उतरने का काम करेंगे `सिल्ली विधानसभा अंतर्गत सभी सरकारी कार्यालय को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना ही मेरी पहली प्राथमिकता होगी। पूर्व विधायक सीमा महतो ने अपने संबोधन ने कहा कि यह जीत सिल्ली विधानसभा की जीत है। एक-एक युवा, बुजुर्ग और महिलाओं के समर्थन से यह जीत संभव हुआ है और आगे बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं हमलोग सब साथ मिलकर जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। इस मौके पर सिल्ली पूर्वी जिला परिषद सदस्य लक्ष्मी कुमारी, सिल्ली झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राधिका महतो, सिल्ली कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष कार्तिक चंद्र महतो, अभय कुमार, नौशाद आलम, अशरफ अली, संतोष महली, अखिलेश कुमार, मोहम्मद इमाम, शुभम सोनार, रजिया खातून, अनवरी बेगम, जोबा सेन, देवाशीष दत्ता समेत बहुत सारे सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक मंगल कालिंदी ने आभार यात्रा निकालकर जताया जानता का आभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : जुगसलाई विधायक मंगल कालिन्दी ने सोमवार को पटमदा में आभार यात्रा निकाली। इस दौरान उन्होंने पटमदा के धुसरा, बामनी, कुन्दरूकोचा एवं लावा में लोगों के साथ मिलकर उनका आशीर्वाद लिया और उन्हें करीब 43 हजार वोटों के अंतर के साथ दूसरी बार विधायक बनाने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने बेलटांड़ चैक से पटमदा बाजार तक पदयात्रा करते हुए अपने हाथों से लड्डू का वितरण किया। इस दौरान बेलटांड़ में भगवान बिरसा मुंडा व पटमदा में सिदो-कान्हू की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए नमन किया। इसके बाद पटमदा बाजार स्थित श्री श्री दौड़ासिनी मंदिर व दुर्गा मंदिर में मत्था टेका व आशीर्वाद लिया। माचा, बिड़रा, काटिन बाजार व बांगुड़दा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में छात्राओं एवं आमलोगों के बीच लड्डू का वितरण किया।काटिन में वीर शहीद निर्मल महतो, बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि दी। मौके पर उनके साथ झामुमो नेता सुभाष कर्मकार, चंद्रशेखर टुडू, कालीपद महतो, अश्विनी महतो, समीर महतो, सनत बेसरा, अमर सिंह सरदार, आनंदमय महतो, यामिनी प्रमाणिक, सिजेन हेम्ब्रम, सुधीर हांसदा, राधेश्याम दास, विश्वजीत महतो, अबोध कालिंदी, बाबलू रूहिदास, विश्वनाथ माझी आदि उपस्थित थे।

लोगाईं में ऑटो पलटने से पांच घायल, एक की मौत, दो रेफर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के बरहेट प्रखंद में सोमवार को देर शाम थाना क्षेत्र के साहेबगंज बरहेट मुख्य मार्ग स्तिथ लोगाईं में एक ऑटो पलटने से पांच आदमी गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी सवारी अरगौरी बुरू टोला के रहने वाला है, जो सोमवार को उक्त सभी रांगा के एक ऑटो (जे एच 18 एन 8455) किराया कर साहेबगंज कोर्ट केस के सिलसिला में गया हुआ था। वहीं वापस घर लौटने के दौरान लोगाई गांव के समीप अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गया जिसमे छकू मुर्मू (45), सुकुरमुनी देवी (38), चुड़की हांसदा (50), रगदा मुर्मू (37), धूमा कर्मकार (37) जख्मी हो गए। वहीं घटना की सूचना मिलते ही बरहेट थाना एएसआई महानंद ओझा घटनास्थल पर पहुंचे तथा सभी घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट पहुंचाया। जहां डॉक्टर संतोष टुडू ने प्राथमिक उपचार किया। वही रेफर करने से पूर्व छकु मुर्मू का मौत स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में ही हो गया और चूड़की हांसदा और सुकुरमुनि देवी का स्तिथि गंभीर होने के कारण बेहतर इलाज हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इधर बरहेट थाना एएसआई महानंद ओझा ने ऑटो को जब्त कर थाना ले आया एवं आगे की कार्रवाई हेतु जुट गया।

संक्षिप्त खबरें

झामुमो की ऐतिहासिक जीत पर चैनपुर में जश्न का माहौल

चैनपुर: विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की प्रचंड बहुमत से हुई जीत पर चैनपुर में जश्न का माहौल है। समर्थक अपने-अपने अंदाज में जश्न मना रहे हैं। कहीं अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को मिठाई खिलाई जा रही है तो कहीं जमकर आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया जा रहा है। गुमला विधायक भूषण तिर्की के जीत पर चैनपुर में भी उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। झामुमो के जिला उपाध्यक्ष सुशील दीपक मिंज ने गुमला विधायक भूषण तिर्की को जीत की शुभकामनाएं और बधाई दी है। सुशील दीपक मिंज के साथ सैकड़ो कार्यकता इस जीत को ऐतिहासिक जीत बता रहे हैं। और जमकर आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार भी कर रहे हैं।

खिजरी की जनता की मांग विधायक राजेश कच्छप को मंत्री मंडल में रखा जाये

अनगड़ा : रांची जिला मोमिन कांफ्रेंस सह कांग्रेसी नेता अब्दुल ईमाम अंसारी ने खिजरी विधनसभा कि ओर से कहा की राजेश कच्छप दूसरी विधायक बने जनता ने दुबारा विश्वास जताया है। हमेशा से खिजरी विधनसभा हॉट सीट बना रहता है कांटे की टकर होती हैं लेकिन इस विधायक ने २९ हजार वोटो से भाजपा प्रत्याशी रामकुमार पहान को हराया इस बार खिजरी विधनसभा की जनता का मांग है राजेश कच्छप को मंत्री मंडल में रखा जाय। विकास की गति को तेज करने में ऊर्जा मिलेगी।

बुद्धा पब्लिक स्कूल में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

सिल्ली/मुरी: सोमवार के दिन बुद्धा पब्लिक स्कूल टुटकी सिल्ली में शिक्षिका शालिनी कुमारी की विदाई को लेकर एक समारोह का आयोजन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक ने कहा कि विद्यालय के प्रति आपका समर्पण, आपका जुनून और उत्कृष्टता के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। आपने विद्यालय और हम सभी के लिए उच्च मानक स्थापित किए हैं। मैं पूरे विद्यालय परिवार की ओर से आपके भविष्य की सफलता के लिए शुभकामनाओं के साथ उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। प्राचार्य वी सुधीर राव ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आपको अपनी नई यात्रा में सफलता जरूर मिलेगी। जीवन आपको जिस भी स्थान पर ले जाए आप वहां खुश रहें। समारोह के दौरान शिक्षिका शालिनी काफी भावुक हो गई और कहा कि मुझे आप सभी को छोड़कर जाने का काफी दुख है। हमने विद्यालय में सभी के साथ मिलकर काम किया उस पर मुझे बहुत गर्व है। इस समारोह में राहुल भद्रा,नकुल बड़ाईक, गोविंदर सिंह, लंकेश्वर, हर्षा कुमारी, अंजली कुमारी, आशा चौधरी, प्रेमचंद, सुजाता, शालिनी, जितेंद्र महतो, राकेश समेत विद्यालय के सभी बच्चे उपस्थित रहे।

बीस फीट नीचे खाई में गिरी कार, बाल-बाल बचे दंपती

गुमला : बसिया-कोलेबीरा मार्ग स्थित अघरमा गांव के पास सोमवार को एक ब्रेजा कार एक तेज रफ्तार ट्रक से बचने के लिए अनियंत्रित हो गई और बीस फीट नीचे खाई में जा गिरी और पलट गई। जिसमें एक दम्पत्ति बाल बाल बच गए। इस हादसे के बाद घना कोहरा और आसपास से मदद मिलने की कोई संभावना नहीं थी। कार के चारों चक्के आसमान की ओर था मानों ऊपर वाले से दुआ कर रहा हो। संयोग से कार का एक दरवाजा थोड़ी सा खुला हुआ था। लिहाजा बाहर निकलने की गुंजाइश बनी हुई थी। कार में फंसे पति-पत्नी दरवाजे से किसी तरह बाहर निकलने में कामयाब हो गये। ईश्वरीय कृपा से इन दोनों को कहीं कोई खरोंच तक नहीं आई। दंपति ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि ईश्वरीय कृपा से ही उनकी जान बच पाई है। अन्यथा इतनी बड़ी दुर्घटना में सकुशल बच जाना, किसी चमत्कार से कम नहीं है।

राजमहल सांसद विजय हांसदा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : राजमहल संसदीय क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसद विजय कुमार हांसदा ने सोमवार को राज्य के वर्तमान कार्यवाहक मुख्यमंत्री से मुलाकात कर पूरे प्रदेश में जनता का प्रचंड बहुमत मिलने के कारण फिर से एक बार सरकार बनाने को लेकर उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दी। मिली जानकारी के अनुसार महागठबंधन को प्रचंड जीत मिलने की खुशी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी सांसद विजय कुमार हांसदा का हार्दिक अभिनंदन किया तथा उनके मेहनत एवं लगन की सराहना की। जानकारी देते हुए सांसद प्रतिनिधि अब्दुल कादिर तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा के बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार ने बताया कि मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच झारखंड प्रदेश के वर्तमान राजनीतिक घटना कर्म के बारे में भी दोनों नेताओं ने आपस में लंबी बातचीत की। मालूम हो कि पूरे झारखंड प्रदेश में आम जनता ने गुजरात लॉबी को पटकनी देकर फिर से एक बार हेमंत सरकार को दोबारा सरकार बनाने के लिए प्रचंड बहुमत देकर यह साफ कर दिया है कि आज भी राज्य की अधिकांश जनता हेमंत सोरेन की नीतियों को पसंद करता है और फिर से एक बार उसी का सरकार देखना चाहता है। मालूम हो विधानसभा चुनाव के दौरान महागठबंधन प्रत्याशियों को मिली भारी जीत के बाद रांची में हुई बैठक में हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुन लिया गया है और उन्होंने इस्तीफा देकर फिर से एक बार नई सरकार का गठन करने को लेकर महा महिम राज्यपाल के पास अपना दावा पेश कर दिया है। बताया जाता है कि राज्यपाल ने उन्हें 28 नवंबर को सरकार बनाने का न्योता दिया है बताया जाता है कि 28 नवंबर को शपथ समारोह होगी जिसमें महागठबंधन के झारखंड मुक्ति मोर्चा के कोटे से 6 मंत्री कांग्रेस कोटे से चार तथा राजद को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। यहां यह बता दें कि संथाल परगना क्षेत्र में महागठबंधन के सभी प्रत्याशियों को इस चुनाव में भारी जीत प्राप्त हुई है इसे लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा खेमे में उल्लास का माहौल है।

सिल्ली में एक दिवसीय मानव संसाधन विकास कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में एक दिवसीय मानव संसाधन विकाश कार्यक्रम (एच आर डी) आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि श्री निशि कांत नीरज डीपीएम,जेएस एलपीएस रांची उपस्थित हुए और दस हजार प्रशिक्षु के प्रशिक्षण का लक्ष्य पूरा होने के शुभ अवसर पर केक काट कर सभी को बधाई दिए और प्रोग्राम की शुरूआत किए। इस कार्यक्रम में रांची जिला के सभी प्रखंड से आए बीपीएम ने भाग लिया मुख्य अतिथि ने यह संदेश दिए कि रुडसेट संस्थान में हो रहे प्रशिक्षण को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है और वित्तीय वर्ष के टारगेट को कैसे पूरा किया जाए इस पर विशेष चर्चा किए । इस कार्यक्रम में शिव कुमार रमन जिला प्रबंधक स्किल्स रांची, प्रमोद कुमार जिला प्रबंधक उद्यमिता विकास रांची,दीपक कुमार जिला प्रबंधक वित्तीय समावेश रांची, सचिन प्रकाश जिला प्रबंधक टकर रांची उपस्थित रहे और सभी लोग ने प्रशिक्षण से संबंधित अपनी विचार को रखे। रुडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने रुडसेट संस्थान के सभी कार्यक्रम को पीपीटी के माध्यम से दिखाये और साथ मिलकर कार्य करने की बात कही । मौके पर वरिष्ट संकाय अनिल कुमार,वरिष्ठ जगदीश चंद्र महतो, दशरथ महतो,महेश रुहिदास, सुनील मुंडा उपस्थिति रहे।

हेमन्त सोरेन की ताजपोशी की तैयारी, तो दूसरी तरफ उनके विस क्षेत्र में दुष्कर्मियों का आतंक जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के गृह विधानसभा क्षेत्र में आने वाले साहिबगंज जिले में आखिर ऐसा क्या हुआ कि बरहेट में गाँव के बाहर सड़क किनारे बकरी चरा रही जनजातीय समुदाय के युवती अचानक दरिंदो के शिकार हो गई,इतना ही नहीं बल्कि बीते रात्रि तालझारी में तो एक मोहम्मद ईरशाद अंसारी नामक मानव तस्कर को तो बास्को पहाड़ के दर्जनों पहाड़िया ग्रामीणों ने एक जनजातीय समुदाय की युवती के साथ जंगल में आपत्तिजनक स्तिथि में दबोच लिया, जिसने भी इस हैवानियत को शर्मशार करने वाली घटना को सुना या फिर देखा,उनके रोंगटे खड़े हो गए। जहां 2024 के विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद एक तरफ राज्य के जनताओं के द्वारा हेमंत सोरेन को झारखंड के राजगद्दी में पुनः बैठाने के लिए तैयारी की जा रही है, तो दूसरी तरफ हेमंत सोरेन के गृह विधानसभा क्षेत्र में आनेवाली साहिबगंज जिले में बलात्कारियों के हौसले बुलंदी के चौथे आसमान पर है,चलिए आगे आपको 20 नवंबर घटी पहली घटना के कहानी को बताते है,घटना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के गृहनगरी बरहेट की है, जहाँ झारखंड सरकार के संरक्षित जनजातीय समुदाय के एक युवती अपने गांव के बाहर सड़क किनारे बकरी चरा रही थी, इसी कड़ी में दो बाइक सवार युवक आते है और प्रेम प्रसंग का हवाला देकर उक्त युवती को अपहरण कर लिया जाता है,इसके बाद दरिंदो के द्वारा युवती के साथ जंगल के रास्ते पर यानी सुनसान जगह पर गाड़ी रोककर घंटो तक जबरन दुष्कर्म किया जाता है,इसके बाद पीड़ित युवती के मुँह पर कपड़ा बांधकर दरिंदो के द्वारा तीनपहाड़ व राधानगर थाना क्षेत्र से होकर शायद पश्चिम बंगाल ले जाने के फिराक में थे। लेकिन पीड़ित युवती ने पेशाब करने का बहाना बनाकर डंगा टोक नामक गाँव में जाकर घुस गई,और मुँह पर बांधे कपड़े को खोल चिल्लाने लगी, जिसके बाद डंगा टॉक गाँव में दर्जनों ग्रामीण एकजुट होकर युवक को खदेड़कर दबोचा, ग्रामीण आरोपी युवक को सलाखों के पीछे भेजना चाहते थे,लेकिन तीनपहाड़ थाना पुलिस ने आरोपी युवक को ग्रामीणों के चुंगल से छुड़ा कर छोड़ दिया गया,हालांकि पीड़ित महिला ने जिले के पुलिस अधीक्षक को लिखित आवेदन देकर मामले में अविलंब कारवाई करने की मांग की है। वही घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक साहिबगंज अमित कुमार सिंह ने उचित जांच कर, कार्रवाई करने की बात कही है।

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर निगम हजारीबाग क्षेत्रांतर्गत आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि स्वच्छ भारत मिशन् के तहत् हजारीबाग शहर ODF+ प्रमाण पत्र हेतु घोषित कर रहा है। यदि किसी को आपत्ति अथवा सुझाव हो तो कार्यालय आवधि में दो दिनों के भीत्तर संपर्क कर सकते है।

नगर आयुक्त
नगर निगम हजारीबाग

PR 340306 Urban Development and Housing(24-25)#D

कार्यालय, जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, सिमडेगा। (व्यय अनुश्रवण प्रबंधन कोषांग)

प्रेस विज्ञप्ति

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर अनुदेशों के सार-संग्रह अध्याय 'ग' के अन्तर्गत पृष्ठ संख्या- 96 एवं 97 में निहित अनुदेशों के आलोक में 70-सिमडेगा (अ0ज0जा0) एवं 71-कोलेबिरा (अ0ज0जा0) के सभी प्रत्याशियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निर्वाचन से संबंधित व्यय लेखापंजी के संधारण प्रशिक्षण, लेखा समाधान बैठक एवं निर्वाचन व्यय पंजी की अंतिम जाँच से संबंधित कार्यक्रम की तिथि निम्नवत निर्धारित की जाती है :-

क्रमांक	निर्वाचन व्यय लेखापंजी संधारण प्रशिक्षण एवं लेखा समाधान	प्रशिक्षण एवंबैठक की तिथि	प्रशिक्षण/बैठकस्थल एवं समय	अभ्युक्ति
1	निर्वाचन व्यय लेखापंजी संधारण प्रशिक्षण	दिनांक- 16.12.2024 (सोमवार)	डी0आर0डी0ए0 सभागार, समाहरणालय, सिमडेगा। (पूर्वाहन 11.30 बजे से)	
2	लेखा समाधान बैठक (Account Reconciliation Meeting)	दिनांक- 19.12.2024 (गुरूवार)		

क्रमांक	निर्वाचन व्यय लेखाजाँच	विधानसभा क्षेत्र	निर्वाचन व्यय लेखाजाँच की तिथि	जाँचस्थल एवं समय	अभ्युक्ति
1	चतुर्थ एवं अंतिम लेखा जाँच	70-सिमडेगा (अ0ज0जा0) एवं 71-कोलेबिरा (अ0ज0जा0)	दिनांक 21.12.2024 (शनिवार)	डी0आर0डी0ए0 सभागार, समाहरणालय, सिमडेगा। (10.00 बजेपूर्वाह्न से 05.00 बजेअपराह्न तक)	

70-सिमडेगा (अ0ज0जा0) एवं 71-कोलेबिरा (अ0ज0जा0) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी प्रत्याशी स्वयं अथवा अपने निर्वाचन अभिकर्त्ता के माध्यम से निर्धारित तिथि पर आयोजित प्रशिक्षण एवं "लेखा समाधान बैठक" में ससमय उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही साथ निर्वाचन व्यय लेखा जाँच की चतुर्थ एवं अंतिम तिथि को उपस्थित हो कर संपूरित निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की जाँच करवाना सुनिश्चित करेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
-सह- उपायुक्त, सिमडेगा।

PR 340301 (Election) 24-25 (D)

विश्व में भारत की साख बढ़ाने की मोदी प्रतिबद्धता

ललित गर्ग

आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है।

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विश्व नेता बनकर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा लगातार बढ़ा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लम्बी श्रृंखला इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनकी सोच, नीतियों एवं कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता मिल रही है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। इसी श्रृंखला में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में ब्राजील में जी 20 समिट की बैठक के लिए पहुंचे थे और इसके बाद 3 कैरेबियन देशों की यात्रा पर है। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' और गुयाना ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा।

भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से देश का समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया, इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा है।

अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को संबोधित करने का रिकॉर्ड भी मोदी के नाम ही है। मोदी आश्चर्यों की वर्णमाला से गूंथित ऐसा व्यक्तित्व है जिसने अपने हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा किया है। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पार्लियामेंट को भी प्रधानमंत्री मोदी संबोधित कर चुके हैं। मोदी ने 14 बार विदेशी संसद में वहां के सांसदों को संबोधित किया। अमेरिका में मोदी ने दो बार संसद को संबोधित किया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव की संसद को भी प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने 7 बार, इंदिरा गांधी ने 4 बार, जवाहरलाल नेहरू ने 3 बार, जबकि मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव ने 1-1 बार विदेशी संसदों में संबोधन दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे तो सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हो।

भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। मोदी की हर देश की यात्रा ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनी है। बात चाहे अमेरिका यात्रा की हो, वहां राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि 'आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए।' आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। दुनिया के बडे.नेता जहां मोदी को सर आंखों पर बैठा रहे हैं, वहीं भारत में मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गई, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी है। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है।

आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है। मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन गया है। उनके व्यक्तित्व के कई अनूठे आयाम हम देख चुके हैं, जो हमें आश्चर्यचकित कर देते हैं। उनकी सबसे बड़ी और असाधारण बात है उनके वक्तव्य और भाषण। जितनी स्पष्टता और प्रभावी तरीके से वे अपनी बात रखते हैं वह विलक्षण है। उनकी दूरदृष्टि या विजन बिल्कुल स्पष्ट होता है। उन्होंने लोगों में विश्वास जगाया है कि भारत में आर्थिक विकास करने और दुनिया में अपना प्रभुत्व कायम करने की क्षमता है। कठोर परिश्रम एवं अनुशासित जीवन के प्रति उनके अनुराग ने दुनिया को प्रभावित और प्रेरित किया है। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ में एक बाल स्वयं सेवक बनने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक उनका जीवन अनुशासित रहा है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए, हर पल उत्साह से बिताना और नियमित योग करना उनकी दिनचर्या है। कई अवसर ऐसे आये जब श्री मोदी ने यह सिखाया और प्रयोग करके दिखाया कि कैसे धैर्य और विनम्रता सबसे भरोसेमंद साथी है। इनके सहारे कठिन चुनौतियों से निपटा जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी में समय के साथ चलने और समय के पार देखने की अद्भुत क्षमता है। इसीलिए उन्होंने अपने नेतृत्व में जितनी योजनाएं बनाई वे सब वर्तमान को मजबूत बनाते हुए भविष्य को सुरक्षित करने वाली योजनाएं हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत समृद्ध भारत का मिशन पूरा करने और भारत को विश्व की प्रथम 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के महान लक्ष्य को पूरा करते हुए भारत एक महाशक्ति के रूप में उभरते हुए विश्व नेतृत्व की क्षमताओं को उजागर कर रहा है। मोदी की सभी योजनाओं का उद्देश्य देश को विकसित बनाना और आर्थिक अर्थव्यवस्था को सुधारना है। नागरिकों को अच्छी सुविधाएं, आत्मनिर्भर जीवनयापन के अच्छे विकल्प, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं, अच्छा रोजगार, बेहतर वातावरण आदि उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्किल इंडिया मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आत्मनिर्भर भारत ने वर्तमान भारत की तस्वीर बदल दी है। भारतीय लोकतंत्र में एक स्वर्णिम अध्याय शुरू हुआ है और उसमें निरंतर नये-नये आयाम जुड़ते जा रहे हैं जिसे समूची दुनिया आश्चर्य से देख रही है। 'सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र अब हर नागरिक का सूत्र वाक्य है। मोदी के नेतृत्व में कई परिवर्तनकारी पहल की गई हैं, जिनका भारत पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। उनके 'स्वच्छ भारत' अभियान ने पूरे देश में स्वच्छता और सफाई के बारे में जागरूकता बढ़ाई है, जबकि 'मेक इन इंडिया' पहल का लक्ष्य भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलना है। इसके अतिरिक्त, मोदी के 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम ने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में काफी सुधार किया है, जिससे प्रौद्योगिकी सभी के लिए अधिक सुलभ हो गई है। दस वर्ष का कुशल देश संचालन, विकास की नयी इबारत लिखना, विश्वमंचों पर भारत की साख को बढ़ाना आदि घटनाओं के साक्षी रहे लोगों का अनुभव है कि इस अवधि में जितना एवं जैसा भारत बना है, उसमंर विश्व को नयी दिशा देने की क्षमता है। भारत की जनता उन्हें एक नए भारत के अभ्युदय के आधारस्तंभ के रूप में देख रही है।

संपादकीय

परिणाम के मायने

दो राज्यों- महाराष्ट्र और झारखंड- के परिणाम भाजपा और कांग्रेस के लिए कमोबेश मिले-जुले रहे। एक तरफ जहां महाराष्ट्र में भाजपा-नीत महायुति गठबंधन ने प्रचंड बहुमत के साथसत्ता में वापसी करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा की 230 सीटों पर जीत दर्ज की; वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम)-नीत गठबंधन ने 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में 56 सीटें जीत कर भाजपा-नीत राजग गठबंधन को करारी शिकस्त दी। उधर, उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 9 सीटों के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा ने 7 और सपा ने दो सीटें जीतीं। राजस्थान में 7 सीटों के लिए हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने पांच सीटें जीतीं जबकि कांग्रेस और बीएपीपी को एक-एक सीट मिली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल में वायनाड़ लोक सभा सीट के उपचुनाव में 4.1 लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीत दर्ज की। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव परिणामों को लेकर करीब-करीब सभी एक्जिट पोल्स ने इसी प्रकार के परिणाम आने की बात कही थी। भाजपा का कहना है कि महाराष्ट्र में जीत के एकता का संकेत मिला है कि हम ह्यएक हैंङ्क तो सेफ हैं।' महाराष्ट्र में अपनी करारी हार पर कांग्रेस ने 'हारे को हरि नाम' अंदाज में झारखंड में जेएमएम-नीत की जीत को भुलाने का उपक्रम किया है। चुनाव परिणामों को लेकर शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने यह कहकर जनादेश का अपमान ही तो किया है कि परिणाम में साजिश नजर आ रही है.यह मराठी 'मानुष' और किसानों का जनादेश नहीं है। चुनाव नतीजों में कुछ तो गड़बड़. है। बेशक, चुनाव परिणाम के नतीजे सभी पक्षों खासकर चुनाव में पराजित होने वाले पक्ष के लिए मौका होते हैं कि वे अपनी हार का आकलन करें और कमियों को जानें। हाल के चुनावों खासकर केंद्र में नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद यानी 2014 के बाद देश में एक नया मतदाता वर्ग उभरा है। यह ऐसा वर्ग है, जो जाति-धर्म से ऊपर उठकर जनादेश देता है। यह वर्ग सरकार की नीतियों और पहल से प्रभावित होकर वोट करता है। हालांकि इस वर्ग को रेवड़ी बांटकर तैयार किया गया वर्ग करार दिया जाता रहा है, लेकिन मानना ही होगा कि मतदाताओं का बड़ा हिस्से के वोट देने के फैसले को सरकार की ओर से मिलने वाले लाभ निर्णायक साबित हो रहे हैं। महाराष्ट्र में भी एकनाथ शिंदे 'लाड़ली बहीण योजना' ने मतदाताओं को उनके पक्ष में लामबंद कर दिया। झारखंड में इसी तर्ज पर 'मइया योजना' के अलावा आदिवासी अस्मिता का मुद्दा भारी पड़ा।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ऐसे ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

संविधानः हम भारत के लोग

हेमेन्द्र क्षीरसागर

भारत रत्न, भारतीय बहुज्ञ, डां भीम राव रामजी अंबेडकर भारतीय संविधान के रचयिता थे। उन्हें 1947 में संविधान मसौदा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं 1946 में देश के पूर्व राष्ट्रपति डां राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया। अतुलनीय, भारतीय संविधान यानी विश्व के महान लोकतंत्र का धर्मग्रंथ और आत्मा है। जिसे संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बयर 1949 को ग्रहण किया गया। विश्व में भारत का संविधान सबसे बड़ा लिखित संविधान है। संविधान लागू होने के समय इसमें 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियां और 22 भाग थे, जो वर्तमान में बढ़कर 448 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियां और 25 भाग हो गए हैं। साथ ही इसमें पांच परिशिष्ठ भी जोड़ दिए गए हैं, जो कि प्रारंभ में नहीं थे। संविधान सभा के सभी 284 सदस्यों ने 24 जनवरी 1950 को दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए, जिनमें 15 महिलाएं भी शामिल थीं। इसके पश्चात 26 जनवरी को भारत का संविधान अस्तित्व में आया। इसे पारित करने में अभूतपूर्व 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिन का समय लगा।

अभिभूत, भारतीय संविधान की प्रस्तावना विश्व में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। उद्देशिका के माध्यम से भारतीय संविधान का सार, अपेक्षाएं, उद्देश्य उसका लक्ष्य तथा दर्शन प्रकट होता है। प्रस्तावना यह घोषणा करती है कि संविधान अपनी शक्ति सीधे जनता से प्राप्त करता है। इसी कारण यह हम भारत के लोग इस वाक्य से प्रारम्भ होती है। संविधान भाग 3 व 4 नीति निर्देशक तत्त्व मिलकर संविधान हृदय, चेतना और रीढ कहलाते है। क्योंकि किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र के लिए मौलिक अधिकार तथा नीति-निर्देश देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यथार्थ प्रदत्त अधिकार हमारे राष्ट्र के परम वैभव और जनकल्याण के लिए सारगर्भित हैं।

विशेष, संविधान विधान भर नहीं है। यह भारतीय संस्कृति है। संविधान की देह भारतीय है। इसलिए कि भारतीय, सभ्यता, संस्कृति से जुड़ा जो दर्शन है। हमारी जो उदात्त जीवन परम्पराएं हैं। संविधान उसे एक तरह से व्याख्यायित करता है। संविधान की नियमावली पर गूढ़ नजर डालें तो पाएंगे कि हमारे संविधान का आधार भगवान श्रीराम के आदर्शों का भी पालन करता है। उनके आदर्श समाज के प्रारूप को ही नहीं अपितु देश के संविधान को तय करने और देश का बेहतर संचालन करने में भी प्रासंगिक हैं। ऐसा ही कुछ विचार आया होगा भारतीय संविधान की मूल हस्तलिखित पांडुलिपि पर चित्र बनाने वाले महान चित्रकार नंदलाल बोस के दिमाग में। 'सर्वधर्म समभाव' की विचारमाला को अपने मानकों में पिरोने वाले भारतीय संविधान की रिक्तता को पूर्ण करने के लिए उन्होंने ऐसे चित्र बनाए। जो भारत की गौरवगाथा के अहम अध्याय हैं। जिनका हमारी अलौकिक जीवन शैली में विशेष योगदान रहा है।

स्तुत्य, भारतीय संविधान हम भारत के लोगों के लिए हमारी अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत जनित स्वतंत्रता एवं समानता के आदर्श मूल्यों के प्रति एक राष्ट्र के रूप में हमारी प्रतिबद्धता का परिचायक है। संविधान की मूल प्रति पर नटराज भी हैं और श्रीकृष्ण भी। वहां शांति का उपदेश देते भगवान बुद्ध, महावीर?, गुरु गोबिंद सिंह भी हैं। हिंदू धर्म के एक और अहम प्रतीक शतदल कमल भी संविधान की मूल प्रति पर मौजूद है। स्वतंत्रता वीर शिवाजी महाराज, रानी लक्ष्मीबाई, महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस का ओज है। महाराजा विक्रमादित्य का दरबार, नालंदा विश्वविद्यालय की मुहर और पृथ्वी पर गंगावतरण आलोकित है। हालांकि ये तस्वीरें संविधान का हिस्सा नहीं हैं, फिर भी ये संविधान की मूल प्रति के अभिन्न अंग हैं। जो मूलतः भारतीय संविधान के भारतीय चैतन्य को ही परिभाषित करते हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में निर्मित भारतीय संविधान भारत की ऋषि परम्परा का धर्मशास्त्र है। भारतीय जीवन दर्शन का ग्रंथ है। वस्तुतः भारत का संविधान देश को संप्रभु, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी, लोकतांत्रिक गणतंत्र घोषित करता है और अपने नागरिकों के लिए समानता, स्वतंत्रता और न्याय की प्रत्याभूति देता है। अनुकरणीय, हमें असीम गर्व और गौरव सार्थक अनुभूति होती है। सत्यमेव जयते!

(हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार, बालाघाट, मप्र)

दादी-नानी के जमाने से रू-ब-रू होने के लिए पधारो देवमाली : सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गांव

दीप्ति अंगरीश

आज मेरे यहां अचानक त्योहार का सा माहौल बन गया है। मेरे आंगन में खासी चहल-पहल दिख रही है। राजघराने से ताल्लुक रखने वाली एक बेहद प्रभावशाली महिला भारी-भरकम लवाजमे के साथ यहां पधारी हैं। उनके आगे-पीछे पळका मारते कैमरा वालों की टीम बीच-बीच में मेरी ओर भी फोकस मारती चल रही है। मेरे बेटे-बहुएं और बच्चे फूलमालाओं व पारंपरिक लोकगीतों से उनके स्वागत एवं आवभगत के लिए पलक-पांवड़े बिछाए खड़े हैं। अचानक हुई इस चहल-पहल ने मेरे मन में भी उत्सुकता जगा दी। मेरी फोटू खींचते एक कैमरामैन से माजरा जानना चाहा तो उसने बताया कि राजस्थान के पर्यटन को दुनिया के नक्शे पर उभारने के लिए दिन-रात पसीना बहाने वाली प्रदेश की उपमुख्यमंत्री और जयपुर के पूर्व राजघराने की राजकुमारी दिया कुमारी आपके आंगन में आई हैं। यह सुनकर बरसों उपेक्षा का दर्द सह रहा मेरा सीना गवार्नुभूति से भर गया। और मैं आश्चर्यचकित होकर उन्हें देखने लगा।

उपमुख्यमंत्री दिया मेरे घर-आंगन व गलियों में बड़ी उत्सुकता से घूमने लगी। जैसे वह कुछ खोज रही हों। उनके मुंह से मैंने मारवलस, ऑसम, ग्रेट, ब्यूटीफुल जैसे शब्द पहली बार सुने। इनका अर्थ तो नहीं समझा लेकिन राजकुमारी की भाव-भंगिमा से लग रहा था जैसे वे मेरे यहां आकर बेहद खुश हैं। सदियों पहले की याद दिलाते मेरे घास-फूस, लकड़ी और कच्ची मिट्टी से बने कच्चे मकान उन्हें आठवां आश्चर्य लग रहे थे। पीली मिट्टी और गाय के गोबर से लिपी मेरे घर की दीवारों से आती महक मानो उन्हें मोहित कर रही थी। मेरी बहुओं के द्वारा मिट्टी के चूल्हों पर पकाए जा रहे साग, मक्के की रोटी और लोढ़ी-सिलवटे पर पिसी जा रही चटनी की खुश्बू ने तो उनके मुंह में लार ही ला दी। वे अपने आप का रोक नहीं पाई तथा मेरी एक बहू के पास जाकर धरती पर बैठ गई और बड़े चाव से उसके हाथों की बनी मक्के की रोटी, लहसुन की चटनी एवं छाछ का छिक कर आनंद लिया। मेरे बेटे-बहुओं व बच्चों के आपसी प्रेम और सौहार्द से भी वे अभिभूत नजर आईं। वे डूंगरी पहाड़ी पर पहुंची और हमारे आराध्य देव भगवान देवनारायण के दर्शन किए। वे उनकी भक्ति में डूब गईं। इतना ही नहीं, लौटते समय मेरे एक चैराहे पर लिखे आई लव देवमाली के पास खड़े होकर एक यादगारी फोटो भी क्लिक कराया। अब आप समझ ही गए होंगे कि मैं कौन बोल रहा हूं। जी हां, आप बिल्कुल ठीक पहचाने, मैं राजस्थान के ब्यावर में बसा भारत का सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गांव देवमाली ही बोल रहा हूं।

बता दूं, बीते सितम्बर महीने में ही मुझे यानी देवमाली गांव को भारत का सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गांव घोषित किया गया है। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक विरासत को सहेजे रहने के कारण मेरा चयन बेस्ट ट्यूरिस्ट विलेज के रूप में किया गया है। जब से मुझे बेस्ट ट्यूरिस्ट विलेज घोषित किया गया है तब से हजारों देसी-विदेशी पर्यटक मुझे देखने आ रहे हैं। देश-प्रदेश की राजधानियों सहित कई जगह के पत्रकार भी मेरा अनूठा सौंदर्य दुनिया को दिखाने के लिए आ रहे हैं।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी जब बीते 16 नवंबर को विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेले में आई तो वे मेरे यहां आना नहीं भूलीं। पूर्व में अजमेर जिले में रहे और वर्तमान में ब्यावर जिले के मसूदा उपखंड में स्थित देवमाली गांव यानी मेरा दौरा किया। मुझे खुशी है कि राजस्थान पर्यटन विभाग मेरा संरक्षक बन गया है। अब मेरे यहां भी पर्यटन को पंख लग जाएंगे।

देवमाली आई उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि सदियों पुरानी सामाजिक- सांस्कृतिक विरासत सहेजे यह गांव अनूठा है। यहां आने पर यादगार अनुभव हुआ है। उन्होंने देवमाली को विश्व के पर्यटन मानचित्र पर उभारने का संकल्प किया। उन्होंने ने कहा कि राजस्थान पर्यटन विभाग इसमें कोई कसर बाकी नहीं रखेगा। पर्यटकों के आने से देवमाली की माली हालत भी सुधरेगी। उन्होंने देसी-विदेशी पर्यटकों को देवमाली गांव आने का न्योता भी दिया।

इतना ही नहीं, दिया कुमारी ने ग्रामीणों की मांग पर देवनारायण मंदिर तक जाने के लिए रोप-वे निर्माण, ब्यावर से मसूदा तक फोरलेन सड़क और गांव में मोबाइल टॉवर लगवाने की हामी भर कर देवमाली के विकास को नई दिशा देने का प्रयास किया।

अपनी करीब दसियों सदियों पुरानी परंपराओं को मैं संजोए हुए हूं। गुर्जर बहुल करीब 350 घरों वाली मेरी बस्ती में लगभग 2000 लोग एक ही दादा की औलाद हैं। सभी एक ही गोत्र के लोग यहां निवास करते हैं। मेरी खासियत यह भी है कि यहां सभी घर कच्चे हैं। इन पर केलू (लाल टाइल) की छत डाली गई है। यहां एक भी परिवार पक्के मकान में नहीं रहता। इसका कारण मेरे वाशिंदों के पूर्वजों का भगवान देवनारायण को दिया गया वचन है। मान्यता है कि एक बार भगवान देवनारायण यहां आए तो उन्होंने कुछ दिन रहने के लिए जगह मांगी। इस पर यहां के बाशिंदों ने उन्हें कहा कि आप पक्के घर में रहिए और हम कच्चे घर में रहेंगे। लोग अपने घरों में सीमेंट-बजरी का इस्तेमाल नहीं करते। ऐसा नहीं है कि लोगों के पास पैसा नहीं है। यहां कई धनवान परिवार रहते हैं, लेकिन वे पक्के मकान नहीं बनाते। मकान भले ही कच्चे हैं लेकिन इनमें सभी सुविधाएं मौजूद हैं। इन मकानों की खास बात ये है कि ये हर मौसम के अनुकूल हैं। ये सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडे रहते हैं।

बीजेपी कार्यालय में खाट बिछाकर दिव्यांगों का प्रदर्शन

लेखपाल पद पर नियुक्ति की कर रहे मांग, बोले- सीएम योगी से मिले बिना हिलेंगे नहीं

लखनऊ । दिव्यांगों ने सोमवार को इखढ कार्यालय का घेराव किया। दिव्यांगों ने कहा- लेखपाल पद पर चयनित है। नियुक्ति पत्र की मांग को लेकर 10 महीने से संघर्ष कर रहे हैं। सरकार नियुक्ति पत्र देने के बजाय अन्याय कर रही है। इस दौरान पुलिस जवानों ने दिव्यांगों को बीजेपी कार्यालय हटकर ईको गार्डन में प्रदर्शन करने का दबाव बनाया। इस पर पुलिस के जवानों और प्रदर्शनकारी युवकों में बहस हो गई। दिव्यांगों ने कहा- हमारी उट-मुख्य सचिव से मुलाकात कराए नहीं तो हम 27 नवंबर तक यही बैठे रहेंगे। बीजेपी कार्यालय के गेट के सामने बैठे दिव्यांग लगातार अपनी मांग को लेकर गुहार लगा रहे हैं। 188 सीटों पर नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। दिव्यांगों ने सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन कर रहे दिव्यागों पर पुलिस बीजेपी कार्यालय से हटने का दबाव बना रही थी। इस दौरान दिव्यांग संगठन के महासचिव वीरेंद्र सिंह ने महिला पुलिसकर्मी से कहा-मैडम हम यहां बैठे हैं।

हमको सीएम या मुख्य सचिव से मिला दें। अगर नहीं मिला सकते तो हम यहीं बीजेपी कार्यालय के बाहर 27 नवंबर तक धरने पर बैठे रहेंगे। वीरेंद्र सिंह ने कहा- 10 महीने से लेखपाल चयनित दिव्यांगों का आंदोलन चल रहा है। नियुक्ति पत्र देने के बजाय सरकार और प्रशासन के लोग परेशान कर रहे हैं। सभी दिव्यांग जनों को आज न्याय दिलाना है। सड़क पर उतरकर अंतिम दम तक लड़ाई लड़ेंगे। सभी दिव्यांग साथियों से अपील है कि लड़ाई को मजबूत बनाएं। वीरेंद्र सिंह ने कहा- रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा की 100% गारंटी चाहिए। सरकार हमारी सुनवाई नहीं कर रही है। इसलिए हम भाजपा संगठन के पास आए हैं। अगर संगठन भी नहीं सुनेगा तो हम लोग सड़क पर उतरेंगे। अनुशासित तरीके से महा आंदोलन करेंगे। दिव्यांग स्वास्थ्य, शिक्षा में सुधार और सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा पेंशन राशि में 5000 बढ़ाने की मांग को लेकर लंबे समय से संघर्ष जारी है। दिव्यांग अशोक ने कहा-10 महीने पहले 188 लेखपाल पद पर दिव्यांग कोटे का विज्ञापन जारी किया गया। उसके बाद हम लोगों ने परीक्षा दी। उसमें सफल होने के बाद दस्तावेज सत्यापन हुआ। सब कुछ होने के बाद हमें नियुक्ति पत्र नहीं दिया जा रहा है। यह सीधे तौर पर हमारे साथ अन्याय हो रहा है। महासचिव ने कहा - राजस्व परिषद के अधिकारी भ्रष्टाचार के चलते ओएच श्रेणी के दिव्यांगजन के साथ अन्याय कर रहे हैं। सामान्य कोटे में चयनित ओएच श्रेणी के दिव्यांगजन को नियुक्ति पत्र दे दिया है। दिव्यांग कोटे के दिव्यांगजन को अक्षम बता कर नियुक्ति पत्र देने से मना कर दिया है।

निर्वाण सेवा संस्थान: संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर विचार गोष्ठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका कुशीनगर क्षेत्र के श्री राधा कृष्ण इंटर कालेज में निर्वाण सेवा संस्थान कुशीनगर द्वारा संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर विचार गोष्ठी आयोजित गया। सोमवार को आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता किसान नेता गोबर्द्धन प्रसाद गोंड़ ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा और अनूठा संविधान है। संविधान में प्रदत्त शक्तियां हमें स्वतंत्रता, बंधुता, न्याय, अभिव्यक्ति और जीने का अधिकार देता है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए हम संविधान का संरक्षण करें। इसी क्रम में बुद्धा पीजी कुशीनगर के छात्र संघ के पूर्व महामन्त्री अशोक सिंह, दिनेश सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये। शिक्षक सत्येन्द्र मिश्रा ने सभी को संविधान की रक्षा की शपथ दिलाई। अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य राम प्रवेश यादव ने भारतीय न्याय संहिता की चर्चा करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेदों और धराओं को जानना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जब हम जानेंगे तभी अपने अधिकारों की रक्षा कर पाएंगे। निर्वाण सेवा संस्थान के प्रबन्धक/वरिष्ठ अधिवक्ता विजेंदर कुमार राय के निर्देशन में संस्था द्वारा विविध जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। छात्राएँ खुशबू सिंह, करिश्मा गोंड़, मनीषा सिंह, अन्नू सिंह, काजल गोंड़, अमृता ने स्वागत व राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम संयोजक हृदया नन्द शर्मा ने संचालन करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान राम नक्षत्र यादव, अवधेश सिंह, उदय सिंह, बाबू नंदन सिंह, विनायक यादव, सूर्य नरायण सिंह, फूल बदन यादव, नन्दलाल, दिनेश कुमार सिंह, मनीष कुमार सिंह सहित छात्र व छात्राएँ मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान मोहनलाल गुप्ता के पिता के निधन पर शोक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम बटेसरा के ग्रामप्रधान मोहनलाल गुप्ता के पिता और कोआओरेटिव बैंक के अवकाश प्राप्त कर्मी जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता पुत्र स्व. भोला गुप्ता (74 वर्ष) का निधन हो गया। उनके निधन की जानकारी होते परिजनों व शुभ चिंतकों में शोक की लहर दौड़ गयी। मिली जानकारी के अनुसार श्री गुप्ता काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। आज सोमवार को भोर में तीन बजे करीब डॉ राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल, लखनऊ में निधन हो गया। वह अपने पिछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार हिरण्ड्यवती नदी के सेमरी घाट पर हुआ। जहां बड़े पुत्र ग्रामप्रधान मोहनलाल गुप्ता ने पिता को मुखग्नि दी। इस दौरान पुत्र राजेश गुप्ता, पुत्र अवधेश गुप्ता पूर्व प्रधान जनार्दन यादव, नरेंद्र सिंह, गंगा दयाल यादव, बलराम यादव, रिश्तेदार व ग्रामीण मौजूद रहे। प्रधानसंघ जिलाध्यक्ष अकबर अंसारी, ब्लाक अध्यक्ष प्रधान संघ विजय बहादुर राय, राजेश कुमार शर्मा, संदीप कुमार सिंह, सुनील राजभर, एडीओ पंचायत चंद्रिका प्रसाद, सुनील गोंड़, लल्लन यादव, अशोक कुमार सिंह, हसमुद्दीन आजाद, संतोष कुमार गुप्ता सहित सैकड़ों लोगों ने शोक व्यक्त किया।

सीएम योगी ने सुनीं 300 लोगों की फरियाद

गोरखपुर। पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार लगाा। सीएम ने यहां आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से बात करते हुए कहा कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर सीएम योगी ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे।

जीजा-साले ने की थी स्टेशनरी व्यापारी की हत्या

बैग देख लूट के इरादे से ले गए थे कठौता झील, निकले सिर्फ 125 रुपए

लखनऊ । स्टेशनरी व्यापारी फरीद अनवर (52) की हत्या जीजा-साले ने लूट के इरादे से की थी। उन्होंने व्यापारी को अपनी बातों में फंसाकर पहले शराब पिलाई। उसके बाद कठौता झील के पास ले गए। जहां व्यापारी से बैग छीनने को लेकर विवाद हुआ। जिसमें दोनों ने उसकी बेल्ट से गला कसकर हत्या कर दी। एडीसीपी पूर्वी पंकज कुमार ने बताया कि आरोपियों ने व्यापारी के बैग में ज्यादा नकदी होने की आशंका पर घटना को अंजाम दिया, लेकिन उसमें मात्र 125 रुपए निकले। चिनहट इंस्पेक्टर भरत पाठक ने बताया कि पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर राष्ट्रीय ग्राम उद्योग विद्यालय देवा रोड के पास से सोमवार दोपहर बाराबंकी सफदरगंज के रहने वाले सूरज उर्फ अर्जुन और बाराबंकी बदोसराय के उदेश्य कुमार उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया। दोनों विभूतिखंड विजयपुर अंडर पास के पास झुग्गी झोपड़ी में रह रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पॉलिटेक्निक के पास व्यापारी मिला था। जहां बातों बातों में दोस्ती की और शराब पिलाने के बहाने साथ ले गए। जहां लूट के विरोध में हत्या कर दी। आरोपियों के पास से मृतक का मोबाइल फोन और लूट के 125 रूपए भी बरामद हुए हैं। फरीद अनवर का शव पिछले हफ्ते कठौता झील के पास मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण गला दबाकर हत्या की बात सामने आई थी। साथ ही सिर और शरीर पर कई जगह चोट के निशान भी मिले थे। पुलिस को घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर दो संदिग्ध नजर आए थे। फरीद के भाई मोईद अनवर ने बताया, 12 नवंबर को फरीद दोपहर करीब 12.30 बजे लोहिया अस्पताल जाने की बात कहकर निकले थे। शाम 6 बजे फोन पर बात हुई तो बताया कि अभी आ रहे हैं। काफी देर तक नहीं पहुंचे तो 9.30 बजे कॉल की गई, तो बोले कि बस आ रहे हैं, लेकिन रात 12 बजे मोबाइल नॉट रिचेबल हो गया। बुधवार को मोईद को पुलिस ने जानकारी दी कि कठौता झील के पास एक शव मिला है। परिजनों ने पहुंचकर शव देखा तो गले में फंदे था। शरीर के पीछे और पेट पर चोट के निशान थे। आंख के नीचे चोट का निशान था। मौके से परिवार को मोबाइल फोन नहीं मिला। इन चोटों को देखते हुए अज्ञात कारणों से हत्या लग रही है।

विश्व धरोहर सप्ताह: चित्रकला प्रतियोगिता में फैज प्रथम

संवाददाता

कुशीनगर। विश्व धरोहर सप्ताह (19 नवंबर से 25 नवंबर 2024) के अंतर्गत सोमवार को बुद्ध महापरिनिर्वाण मुख्य मंदिर परिसर में रोटरी क्लब कुशीनगर एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक चित्रकला प्रतियोगिता में फैज रजा को प्रथम स्थान मिला। इस प्रतियोगिता में बुद्ध इंटर कॉलेज, कुशीनगर के 50 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें द्वितीय स्थान कुमारी कुंदन गौतम एवं तृतीय स्थान कुमारी तनु सिंह ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में कला के प्रति रुचि जागृत करना एवं धरोहर संरक्षण का संदेश फैलाना था। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व नोटबुक देकर प्रोत्साहित किया गया।

साथ ही प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार व उपहार दिया गया। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा, ₹कला और धरोहर का संरक्षण हमारी संस्कृति की पहचान को संजोए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।₹ वहीं, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के संरक्षण सहायक शादाब खान ने प्रतियोगिता की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं। इस अवसर पर उद्यान प्रभारी वीरेंद्र प्रकाश, रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष साहिल अहमद, उपाध्यक्ष दिनेश यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव अखिलेश शर्मा, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, निदेशक डॉ सुनील सिंह, महेंद्र तिवारी मोनू, विशाल शर्मा, अरूण कुमार मौर्य, आनन्द जायसवाल, सरवरे आलम (छोटे), सत्येन्द्र राय, बुद्ध इंटरमीडिएट के प्रवक्ता शिवानंद दुबे, कौशल प्रजापति एवं आदिल खान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

बाल श्रम उन्मूलन समिति की बैठक हुई सम्पन्न

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में बाल श्रम उन्मूलन समिति, बंधुआ श्रम उन्मूलन सतर्कता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि बंधुआ मजदूरी , बाल श्रम नहीं होना चाहिए। इसके नियमित तौर से प्रवर्तनीय कार्यवाही की जाय। नियमित तौर से निजी व्यावसायिक संस्थानों ,दुकानों में छापेमारी की जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि बाल श्रम से जुड़े बच्चों को गोद लेकर उन्हें शिक्षा से जोड़ा जाय, साथ ही उन्हें सरकार की योजनाओं सहित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से लाभान्वित कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने के लिये, पूरी कोशिश की जाय साथ ही ऐसे बच्चों को शिक्षा एवं कौशल विकास से जोड़कर अप्रेंटिस से जोड़कर मुख्य धारा में लाया जाए ।जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण श्रमिकों का श्रम विभाग में शत प्रतिशत पंजीयन कराया जाए। जनपद में श्रम योगी मानधन योजना में पंजीयन बढ़ाने के लिये श्रम विभाग की तरफ से श्रमिकों के बीच योजना का प्रभावी ढंग से प्रचार प्रसार करने के साथ ही कैंप लगाकर जन जागरूकता अभियान चलाया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि योजना में श्रमिकों को जोड़ने के लिये कार्यदायी विभागों से श्रमिकों का डाटा ले लिया जाय, और उसी के अनुसार संबंधित विभागों को लक्ष्य दिया जाए। इस बारे में ठेकेदारों के साथ भी बैठक कर लिया जाए। गौरतलब है कि श्रम योगी मानधन योजना में 18 से 60 वर्ष के पंजीकृत श्रमिक पात्र हैं। जिन्हें 60 वर्ष के बाद 3000 से 6000 रुपये तक की मासिक पेंशन मिलेगी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी चन्द्र शेखर शुक्ला,अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव, पीडी साधना दीक्षित, बीएसए आलोक सिंह , श्रम प्रवर्तन अधिकारी असद खान सहित अधिकारी मौजूद रहे।

शौचालय की दीवारों पर पेंटिंग कर स्वच्छ व सुंदर परिवेश का दिया संदेश

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। शासन द्वारा दिये गए निर्देश के क्रम में स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगरपालिका परिषद कुशीनगर द्वारा पेंट माई टॉयलेट अभियान के क्रम में सार्वजनिक शौचालय की दीवारों पर पेंटिंग कर स्वच्छ व सुंदर परिवेश का संदेश दिया गया। सोमवार को नगर के वार्ड नम्बर 20 शहीद भगत सिंह नगर (बुद्ध मार्ग) स्थित सार्वजनिक शौचालय की दीवालों पर स्वच्छ सारथी क्लब के सदस्यों ने विभिन्न रंगों से आकर्षक पेंटिंग बनाई। प्रदेश सरकार द्वारा 14 नवम्बर से 24 दिसम्बर तक चल रहे जागरूकता अभियान की चर्चा करते हुए नगर अध्यक्ष किरन जायसवाल ने लोगों को स्वच्छ व सुंदर नगर के लिए जागरूक किया। अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला ने क्लब के बच्चों को पेंट व ब्रश देकर सम्मानित करते हुए कहा कि अपने घर और आस पास को स्वच्छ रखने के लिए खुद पहल करनी होगी तभी सुंदर वातावरण विकसित होगा और बीमारियों से बचाव होगा। पेंट मायी टॉयलेट अभियान से शौचाल संरक्षित होंगे और सुंदर दिखेंगे। कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन के नगर प्रभारी श्रवण कुमार तिवारी, जिला समन्वयक नीरज गोविन्द राव, एमआईएस एक्सपर्ट साकेत गोविन्द राव, अमन श्रीवास्तव, नवनीत श्रीवास्तव, फारूक सिद्दकी, विजय यादव, स्कूल के बच्चे साहित्या शर्मा, आयुष कुशवाहा, अंशिका कुशवाहा, आदित्य प्रताप सिंह, स्वाती सिंह, सना खातून, सरस्वती चिल्ड्रन स्कूल के प्रबन्धक सुमित मद्धेशिया उपस्थित रहे।

लखनऊ में इको टूरिज्म हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने इको टूरिज्म के तहत हवाई सेवा की शुरूआत की है। इससे मात्र 5 हजार में दुधवा नेशनल पार्क, चूका बीच, पीलीभीत और तराई क्षेत्र के अन्य इको-टूरिज्म स्थलों में घूमने जा सकेंगे। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी जल्द हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जाएगी। लखनऊ से दुधवा सड़क मार्ग से जाने वाले पर्यटकों को साढ़े चार घंटे का समय लगता था। अब हेलीकॉप्टर से मात्र 1 घंटे लगेंगे। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस सेवा के लिए जेट सर्व एविएशन पर्यटन लिमिटेड के साथ एमओयू किया गया है। हेलीकॉप्टर सुविधा के शुरू होने से दुधवा राष्ट्रीय उद्यान जाने के लिए पर्यटक आकर्षित होंगे। आस-पास के पर्यटन स्थलों पर भी पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। साथ ही रोजगार के भी अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में दूसरा गैंडा पुनर्वास केंद्र शुरू कराया गया है।

गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया हर शेयर पर देगी 35 रुपए का डिविडेंड

- बीते एक साल में कंपनी का शेयर 173 फीसदी का रिटर्न दे चुका है

नई दिल्ली ।

विश्व की जानी मानी सिगरेट बनाने वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया रेड स्क्वायर, रेड एंड व्हाइट, कैवेंडर्स, स्टेलर और फोकस जैसे ब्रांड नाम से सिगरेट बनाती है। अब कंपनी ने बड़ा ऐलान किया है। सिगरेट और तंबाकू प्रोडक्ट्स बेचने वाली यह कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 35 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देने वाली है। डिविडेंड का ऐलान कंपनी के बोर्ड की हाल ही में हुई मीटिंग के बाद किया था। अंतरिम डिविडेंड को लेकर शेयरहोल्डर्स की पात्रता तय करने के लिए रिकॉर्ड डेट 29 नवंबर है। इस तारीख तक जिन शेयरधारकों के नाम शेयरों के लाभार्थी मालिकों के तौर पर रजिस्टर ऑफ मेंबर्स ऑफ द कंपनी या डिपॉजिटरीज के रिकॉर्ड्स में होंगे, वे डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया का कहना है कि वह पात्र शेयरहोल्डर्स को डिविडेंड का भुगतान 19 नवंबर की तारीख से शुरू होने वाली 30 दिन की अवधि में कर देगी। यह कंपनी मोदी एंटरप्राइजेज-केके मोदी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है। यह भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में शामिल है। गॉडफ्रे शेयर एक मल्टीबैगर स्टॉक है। एक साल में इस शेयर ने निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है। बीते एक साल में शेयर 173 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। वहीं एक सप्ताह

में कीमत 8 फीसदी गिरावट आई है। कंपनी के शेयर की कीमत पिछले शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 5,623 रुपये पर बंद हुई। कंपनी का मार्केट कैप 29200 करोड़ रुपये है।

सीएनजी के दाम 4 रुपए प्रति किलो तक बढ़े

- एनसीआर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में सीएनजी की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली ।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। सीएनजी की कीमतों में 1.5 रुपये से 4 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की घोषणा कंपनी ने की है। आईजीएल ने इस मूल्य वृद्धि से दिल्ली को दूर रखा है, वहीं एनसीआर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में सीएनजी की कीमत में इजाफा किया है।

कीमतों में हुई इस बढ़ोतरी से आईजीएल के ऑपरेशन वाले लगभग 30 फीसदी क्षेत्रों पर असर पड़ने की उम्मीद है। कंपनी की कुल सीएनजी खपत का 70 फीसदी हिस्सा दिल्ली से आता है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुड़गांव, करनाल और कैथल में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। राजस्थान के अजमेर, पाली और राजसमंद में 1.5 रुपये प्रति किलो की वृद्धि की है। मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली, महोबा, बांदा और चित्रकूट में आईजीएल ने सीएनती का भाव 3 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाया है। मुंबई में पहले ही सीएनजी की कीमतें बढ़ चुकी हैं। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मुंबई में सीएनजी की कीमतें 2 रुपये प्रतिकिलोग्राम बढ़ाकर 75 रुपये प्रति किलो से 77 रुपये कर दिया है। आईजीएल और एमजीएल ने सीएनजी के भाव सरकार के 16 नवंबर से पुरानी गैस फील्ड से मिलने वाली सस्ती प्राकृतिक गैस की सप्लाई में 20 फीसदी की कटौती करने के बाद की है।

इससे पहले 16 अक्टूबर को भी सप्लाई में 21 फीसदी की कटौती की गई थी। इन कटौतियों के बाद आईजीएल, एमजीएल और अडानी टोटल गैस जैसी गैस कंपनियों ने अपनी प्रॉफिटेबिलिटी पर असर पड़ने की आशंका जताई थी।

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ीं

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 75.14 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से सोमवार को देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी दिख रही है। सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को सुबह जारी रेट में बदलाव किया है और दिल्ली के आसपास के शहरों में भी भाव बदल गए हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में जहां तेल के दाम बढ़े हैं तो पास के गाजियाबाद और गुरुग्राम जिले में तेल सस्ता हो गया है। हालांकि, दिल्ली सहित देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 11 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 12 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे गिरकर 94.53 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 14 पैसे टूटकर 87.61 रुपये लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 15 पैसे सस्ता हो गया और 95.02 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 14 पैसे फिसलकर 87.88 रुपये लीटर हो गया है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी मामूली बदलाव हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 75.14 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यू यूटीआई भी थोड़ा चढ़कर 71.23 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.98 रुपये और डीजल 88.13 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.02 रुपये और डीजल 87.88 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

इतिहास में अब तक के सबसे अमीर शख्स हुए एलन मस्क

-334.3 अरब डॉलर की संपत्ति के हो गए हैं मालिक

सैन फ्रांसिस्को।

राजा-महाराजाओं को पीछे छोड़ते हुए मशहूर उद्योगपति एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर शख्स हो गए है। अमेरिका की टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक और कीर्तिमान रच दिया है। एलन मस्क इतिहास में अब तक के सबसे अमीर शख्स हो गए हैं।

फोर्ब्स के अनुसार, वह अब 334.3 अरब डॉलर की संपत्ति के मालिक हो गए हैं। एलन मस्क की नेटवर्थ में तेजी का कारण टेस्ला के शेयरों में आया तगड़ा उछाल है। माना जा रहा है कि यूएस के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई ऐसी नीतियां लागू करेंगे जो व्यवसायियों को समर्थन देंगी। यह बात जगजाहिर है कि ट्रंप और मस्क के बीच काफी अच्छे संबंध हैं।

इसलिए बाजार को उम्मीद है कि उन नीतियों का सीधा प्रभाव टेस्ला पर सकारात्मक रूप से पड़ेगा। इसी उम्मीद में टेस्ला के शेयरों में रैली देखी जा रही है। टेस्ला के शेयर यूएस में राष्ट्रपति चुनाव की शुरुआत से अब तक 40 फीसदी तक चढ़ चुके हैं। इसमें शुक्रवार को शेयरों में आया 3.8 फीसदी का उछाल भी शामिल है। शुक्रवार को टेस्ला के शेयर 352.56 डॉलर पर पहुंच गए। यह टेस्ला के स्टॉक्स की 3 साल की सर्वाधिक वैल्यू है। नतीजतन, मस्क की वेल्थ में 7 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और उनकी नेटवर्थ 320.3 अरब डॉलर से आगे निकल गई। नवंबर 2021 में उनकी नेटवर्थ 320 अरब डॉलर हुई थी जो इससे पहले तक उनकी सर्वाधिक नेटवर्थ थी। मस्क की नेटवर्थ का एक बड़ा हिस्सा टेस्ला में उनकी 13 फीसदी हिस्सेदारी और 9 फीसदी इक्विटी अवॉर्ड की वजह से आता है।एलन मस्क ने राष्ट्रपति चुनाव में खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया।

उन्होंने ट्रंप के कैंपेन में 10 करोड़ डॉलर का योगदान भी दिया।

अदाणी समूह ने अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के वित्तीय और ऋण विवरण जारी किए

- अदाणी समूह की कंपनियों ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार में निवेश को बढ़ावा दिया

नई दिल्ली ।

गौतम अदाणी के समूह ने निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने सोमवार को अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के वित्तीय और ऋण विवरण जारी किए। इस घोषणा के माध्यम से कंपनी ने अपने मजबूत मुनाफे और नकदी प्रवाह की बढ़त को दर्शाया। अदाणी समूह के कंपनियों ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार में निवेश को बढ़ावा दिया है। कंपनी के अनुसार वे अब अपनी विकास की गति को बनाए रख सकते हैं बिना ऋण पर निर्भर होने की दरकार। हाल ही में गौतम अदाणी और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ अमेरिकी अदालत में सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है। समूह की कुल संपत्ति में इक्विटी का योगदान करीब दो तिहाई है, जो पांच साल पहले की तुलना में काफी अलग है। समूह ने पिछले 12 महीनों में करीब 75,227 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि कुल कर्ज में सिर्फ 16,882 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। अदाणी समूह ने अपने निवेशकों के साथ एक नोट भी साझा किया है, जिसमें कहा गया है कि वे कम से कम 12 महीनों के लिए सभी ऋण सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता रखते हैं। अदाणी समूह की लिक्विडिटी से जुड़े एक नोट में कहा गया है कि उनके पास 53,024 करोड़ रुपये की नकदी है, जो इसके कुल सकल बकाया ऋण का 21 प्रतिशत है।

समूह ने अगले 10 वर्षों में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने की योजना बनाई है और उनकी लाभदायकता में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए धारिता की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है।

नेपाल का व्यापार घाटा 460 अरब के पार

काठमांडू ।

नेपाल का व्यापार घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह में 460 अरब रुपये से अधिक हो गया है। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार नेपाल ने चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान 513.38 अरब रुपये के सामान का आयात किया, जबकि निर्यात केवल 52.67 अरब रुपये तक ही रहा। विभाग के अनुसार नेपाल ने चार महीनों में कुल 566.5 अरब रुपये के विदेशी व्यापार में 460.71 अरब रुपये का व्यापार घाटा देखा। आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आयात 0.17 प्रतिशत बढ़ा, जबकि निर्यात में 4.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में नेपाल का भारत के साथ व्यापार घाटा 281 अरब रुपये को पार कर गया है। इस अवधि के दौरान नेपाल ने भारत से करीब 317 अरब रुपये का सामान आयात किया, जबकि उसने भारत को सिर्फ 36 अरब रुपये का सामान निर्यात किया। इन चार महीनों में नेपाल ने 29.4 अरब रुपये का डीजल, 21.56 अरब रुपये का पेट्रोल और 18.85 अरब रुपये का एलपीजी आयात किया।

भारत और नॉर्वे के बीच टेपा समझौते पर हुई चर्चा

- व्यापारिक संबंधों को और प्रगति देने की योजना बनाई

नई दिल्ली । भारत के वाणिज्य सचिव सुनील भार्थवाल ने हाल ही में नॉर्वे का दौरा किया। उनका यह दौरा भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ईएफटीए देशों के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टेपा) लागू करने में तेजी लाने और 100 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से था। भार्थवाल का नॉर्वे दौरा भारत और ईएफटीए देशों के बीच टेपा समझौते को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए था। इस समझौते के तहत, भारत को ईएफटीए देशों के बाजारों में अपने उत्पादों और सेवाओं के निर्यात के लिए 99.6 प्रतिशत बाजार का अधिकार मिलेगा। इसमें गैर-कृषि उत्पादों और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर महत्वपूर्ण टैक्स छूट दी जाएगी। भारत ने ईएफटीए देशों को 82.7 प्रतिशत अपनी टैक्स लाइनों की पेशकश की है, जो ईएफटीए के निर्यात का 95.3 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। भारत ने ईएफटीए के लिए 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जबकि नॉर्वे ने 114 क्षेत्रों में प्रतिबद्धता की है। भार्थवाल ने नॉर्वे में टॉमस नॉर्वोल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इन बैठकों में मुख्य रूप से व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना भारतीय निर्यात को प्रोत्साहन देना, और टेपा के अनुमोदन में तेजी लाने के मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा वाणिज्य सचिव ने नॉर्वेजियन संसद के सदस्यों से भी मुलाकात की और समझौते के संभावित लाभों पर जोर दिया।

अमेरिकी चुनाव के परिणाम ने बढ़ाई बिटकॉइन की चमक

2011 में जिस निवेशक ने 100 रुपये लगाया आज वह है 1.65 करोड़ का मालिक

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम आने के बाद दुनिया भर में क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की चर्चा में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इलेक्शन रिजल्ट्स के बाद से ही बिटकॉइन की कीमत में जोरदार उछाल देखा जा रहा है। साल 2011 को जब बिटकॉइन की कीमत केवल 1 डॉलर थी, यह क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ने वाले एक निवेशक ने सिर्फ 100 रुपये निवेश किए थे, जिसका वर्तमान मूल्य लगभग 1.65 करोड़ रुपये है. बिटकॉइन का सफर साल 2009 में शुरू हुआ था और आज साल 2024 में इसकी कीमत 1 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच चुकी है। 24 नवंबर को बिटकॉइन की कीमत 97,654.9 डॉलर (लगभग 82.43 लाख रुपये) थी। इस चौंकाने वाली बढ़ोतरी के साथ बिटकॉइन ने महामारी के समय में भी दिखाया कि यह एक सुरक्षित निवेश हो सकता है। साल 2020 में जब दुनिया में महामारी, लॉकडाउन और आर्थिक संकट थे, तब इस क्रिप्टोकरेंसी की कीमत में 400 फीसदी तक की वृद्धि देखने को मिली। साल 2021 में भी बिटकॉइन ने नए उच्चांक स्थापित किए और आई जनवरी में कीमत 40,000 डॉलर पर पहुंची और अप्रैल तक 60,000 डॉलर के पार पहुंच गई। माना जा रहा है कि अमेरिका के नए राष्ट्रपति ने बिटकॉइन के समर्थन में वादा किया था, जिसके बाद से बिटकॉइन की कीमत में 40 फीसदी तक की वृद्धि आई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 992 , निफ्टी 314 अंक ऊपर आया

निवेशकों को 7 लाख करोड़ रुपये का लाभ

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसके अलावा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी भाजपा गठबंधन की जीत से भी निवेशकों का भरोसा बना है जिससे बाजार को बल मिला। इससे एक ही दिन में 7 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस, एचडीएफसी बैंक के शेयर भी ऊपर आये।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 1.25 फीसदी तकरीबन 992.74 अंक बढ़कर 80,109.85 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 1.32 फीसदी तकरीबन 314.65 अंक ऊपर आकर 24,221.90 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 43 के शेयर लाभ पर बंद हुए आज कारोबार के दौरानप सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी का शेयर 4 फीसदी से अधिक ऊपर आया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक, अदानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, मारुति, एशियन पेंट्स और एचसीएल टेक के शेयर फिसलकर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह

बाजार में भारी तेजी देखी गई। बाजार खुलते ही सेंसेक्स 1200 से ज्यादा अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी 24,300 के पार पहुंच गया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत से निवेशकों की धारणा को बढ़ावा मिला है। सेंसेक्स उछाल के साथ 80,193 अंक पर खुला और सुबह के कारोबार में 80,452 के हाईएस्ट लेवल को छू गया। इंट्राडे में सेंसेक्स में 1,355 अंक की बढ़त दर्ज की गई। इसी तरह निफ्टी-50 भी जोरदार उछाल के साथ 24,253.55 अंक पर खुला और ओपनिंग बेल के कुछ ही मिनटों के भीतर 24,330 के इंट्राडे हाई को छू लिया। इस दौरान निफ्टी में 400 से ज्यादा अंक तक उछाल आया।

अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ के शेयरों में तेजी

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में करीब सात प्रतिशत की तेजी आई

नई दिल्ली । अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेजी देखी गई। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में करीब सात प्रतिशत की तेजी आई। बीएसई पर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में 6.89 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 6.42 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस में 5.33 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 4.64 प्रतिशत और अदाणी पावर में 4.17 प्रतिशत की तेजी आई। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर चार प्रतिशत, अदाणी विल्मर के 3.23 प्रतिशत, एसीसी के तीन प्रतिशत और अंबुजा सीमेंट्स के शेयर 2.71 प्रतिशत चढ़े। गौरतलब है कि समूह के संस्थापक अध्यक्ष गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य लोगों के खिलाफ अमेरिका में 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की कथित रिश्वतखोरी की साजिश रचने का हिस्सा होने के आरोप में अभियोग लगाए जाने के बाद विदेशों से धन जुटाने की इसकी क्षमता पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है। कुछ वैश्विक बैंक और वित्तीय संस्थान कथित तौर पर समूह को नए ऋण देने पर अस्थायी रूप से रोक लगाने पर विचार कर रहे हैं।

सोलरवर्ल्ड एनर्जी ने आईपीओ से पहले जुटाए 110 करोड़

नई दिल्ली । सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस ने वैल्यूक्रेस्ट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स सहित कई निवेशकों से आईपीओ से पहले करीब 110 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके साथ ही कंपनी के निर्धारित आईपीओ के नए निर्गम घटक को पहले अनुमानित 550 करोड़ रुपये से घटाकर 440 करोड़ रुपये कर दिया गया है। सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता ने पिछले सप्ताह सार्वजनिक घोषणा में कहा कि उसने हाल ही में निवेशकों को 352.05 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 31.24 लाख शेयर आवंटित किए हैं, जिससे लेनदेन का कुल आकार 109.99 करोड़ रुपये हो गया। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण सेवाओं में विशेषज्ञता रखती है।

सोना और चांदी के भाव में नरमी

- सोने का भाव 76,600 रुपए, चांदी 89,500 रुपए के करीब

नई दिल्ली । इस सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में नरमी देखी जा रही है। सोमवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 76,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सुस्त शुरुआत के बाद सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 616 रुपये की गिरावट के साथ 77,000 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 1,043 रुपये की गिरावट के साथ 76,573 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 435 रुपये की गिरावट के साथ 90,333 रुपये पर खुला। इस समय यह 1,345 रुपये की गिरावट के साथ 89,423 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,716.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,712.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 41.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,671.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.40 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.33 डॉलर था। इस समय यह 0.50 डॉलर की गिरावट के साथ 30.83 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति के खाते से गायब हुए 2.6 लाख वापस करे बैंक: हाईकोर्ट

- हर्जाने के रूप में याचिकाकर्ता को 25,000 रुपये का भुगतान भी करे

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को निर्देश दिया है कि वह साइबर धोखाधड़ी के शिकार 55 वर्षीय व्यक्ति के खाते से गायब हुए 2.6 लाख रुपये वापस करे। यह मामला 2021 में सामने आया था, जब याचिकाकर्ता एक फिशिंग और विशिंग हमले का शिकार हुआ। अदालत ने यह भी आदेश दिया है कि बैंक उक्त राशि पर 9 फीसदी वार्षिक ब्याज और हर्जाने के रूप में याचिकाकर्ता को 25,000 रुपये का भुगतान करे। न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा ने अपने फैसले में भारतीय स्टेट बैंक को स्पष्ट सेवा कमी का दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी की सूचना मिलने के बावजूद बैंक की प्रतिक्रिया ढीली, दोषपूर्ण और समय पर नहीं थी। अदालत ने कहा कि बैंक को ग्राहक के साथ एजेंट की तरह व्यवहार करते हुए उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और धोखाधड़ी का पता लगते ही तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसने अपराधियों के साथ कोई ओटीपी साझा नहीं किया था, फिर भी उसके खाते से राशि निकाल ली गई। न्यायमूर्ति ने कहा कि बैंक ने संदिग्ध खातों को चार्जबैक, पुनर्प्राप्ति या फीज करने जैसे कदम उठाने में लापरवाही बरती। अदालत ने विशेष रूप से एसबीआई की आलोचना करते हुए कहा कि उसने आईडीएफसी बैंक और वन97 कम्युनिकेशन में रखे गए खातों पर भी कोई

कार्रवाई नहीं की। न्यायालय ने कहा कि ग्राहक सेवा किसी भी बैंक के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर धोखाधड़ी के मामलों में। इस मामले में बैंक का रवैया गंभीर रूप से असंतोषजनक और गंभीर सेवा कमी का उदाहरण था। अदालत के इस आदेश से साइबर धोखाधड़ी से पीड़ित लोगों को न्याय पाने की उम्मीद जगी है।

विधानसभा में 3 नए विधायकों ने ली शपथ

सदन में जय श्री राम के नारे लगे, दिलीप जायसवाल बोले- NDA में आ जाएं तेजस्वी

पटना। बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन में सबसे पहले तीन नए विधायकों को शपथ दिलाई गई। इमामगंज में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की बहू दीपा मांझी, बेलागंज से मनोरमा देवी और रामगढ़ से अशोक सिंह ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। तरारी से बाहुबली सुनील पांडे के बेटे विशाल प्रशांत कल शपथ लेंगे। सदन में दीपा मांझी और मनोरमा देवी के शपथ लेने के बाद जय श्री राम के नारे लगे।सदन में रखा गया सप्लीमेंट्री बजट22 हजार 697 करोड़ का सेकेंड सप्लीमेंट्री बजट सदन के पटल पर रखा गया है। सेंट्रल स्कीम के तहत 1714.74 करोड़ रुपए और स्टेट का हिस्सा 3800.90 करोड़ , स्कीम के लिए 5515.65 करोड़, 400 करोड़ रुपए पटना मेट्रो के लिए राशि दी गई है। शीतकालीन सत्र 29 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान कुल पांच बैठकें होंगी। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले सदन के बाहर वक्फ बोर्ड विधेयक को लेकर माले विधायकों ने प्रदर्शन किया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बोले- NDA में आ जाएं तेजस्वी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को एनडीए में आने का न्योता दिया है। सदन के बाहर उन्होंने कहा कि 'भ्रष्टाचार से जुड़े विभाग हम तेजस्वी यादव को दे देंगे। वहां देखेंगे कि वे कैसे डील करते हैं। वे हमारे साथ एनडीए में चले आएं सेफ रहेंगे।'

संक्षिप्त डायरी

आवारा कुत्तों ने बच्चे पर किया हमला, सिर-कान नोचा

मुजफ्फरपुर। में दो आवारा कुत्तों ने 6 साल के बच्चे पर हमला कर दिया। उसके सिर और कान को काट लिया। बच्चे के चिखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और कुत्ते को लाठी-डंडे से हटाया, लेकिन तबतक बच्चे की स्थिति नाजुक हो गई, वो गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ICU में उसका इलाज चल रहा है। घायल बच्चे की पहचान बोचहां थाना के विशनपुर जारंग आथर निवासी उमेश साह के बेटे बबलू के रूप में हुई है। 5 कुत्तों ने बच्चे पर किया हमला बताया जा रहा कि बच्चा खेत में था तभी करीब 5 आवारा कुत्तों ने उसपर हमला कर दिया। सिर के स्किन को पूरी तरह से नोच दिया है, जिससे बाल भी नहीं रहे। बाएं साइड के कान को काट लिया है। डॉक्टर के अनुसार बच्चे की स्थिति खराब है। अगर कुत्तों को समय रहते हटाया नहीं जाता तो उसकी मौत भी हो सकती थी। फिलहाल डॉक्टरों की टीम बच्चे को बेहतर इलाज देने में जुटी है। घटना के बाद गांव और इलाके में दहशत है। कुत्ता लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

आरा। बक्सर नेशनल हाईवे पर बक्सर जिला के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास रविवार को अज्ञात वाहन ने बाइक सवार एक छात्र को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक बक्सर जिला के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के जोगिया गांव निवासी धनजी यादव का 24 वर्षीय बेटा अमरेंद्र कुमार है। वह स्नातक का छात्र था और नौकरी की तैयारी करता था।मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि वह बाइक से अपने गांव से ब्रह्मपुर बाजार किसी काम से जा रहा था। इसी दौरान रामगढ़ गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। रामगढ़ के ही एक व्यक्ति ने फोन कर सूचना परिजनों को दी। परिजन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई में छोटा था।

चचेरे भाइयों को घोंपा चाकू, एक की मौत

बेतिया। बेतिया में बदमाशों ने दो चचेरे भाई को चाकू गोद दिया, जिससे एक की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना चनपटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन से लगभग 200 मीटर दूर स्थित पूर्वी माई स्थान के पास की है। हालांकि घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है। उसका इलाज चल रहा है। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया है। थानाध्यक्ष सम्राट सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान बनकट पुरैना पंचायत के वार्ड नंबर छह निवासी दिनेश सोनी के 22 साल के पुत्र सुजीत कुमार के रूप में की गई है। जबकि घायल की पहचान चंचल सोनी के 17 साल के पुत्र साहिल कुमार के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि साहिल के पेट में चाकू लगा है। उसकी आंत बाहर निकल गई है। जीएमसीएच के आईसीयू वार्ड में उसका इलाज चल रहा है।वहीं, घटनास्थल पर एसडीपीओ विवेक दीप के नेतृत्व में एफएसएल टीम पहुच कर जांच की है। डीएसपी ने बताया कि चाकू मारकर एक युवक की हत्या की गई है, जबकि दूसरा जख्मी है। घटना के कारण का पता अभी तक नहीं चल सका है। दोनों युक्कों के पिता मूंगफली बेचते हैं।

पेट्रोल पंप के मालिक के भतीजे की गोली मारकर हत्या

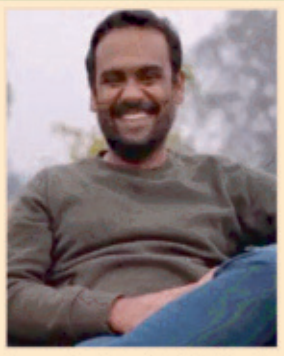

गया। में रविवार देर रात पेट्रोल पंप मालिक के भतीजे की बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या दी। मृतक की पहचान कुंदन कुमार के रूप में हुई है। उसकी 2 दिसंबर को शादी थी। जानकारी के मुताबिक, देर रात बदमाशों का तेल भरवाने को लेकर नोजल मैन से विवाद हुआ था। बदमाश 100 रुपए देकर ज्यादा तेल भरवाने की जिद कर रहे थे। जिसका पंप के कर्मचारी विरोध कर रहे थे। मामला बढ़ने के बाद कुंदन वहां पहुंचा। जिसके बाद बाइक सवार बदमाशों ने अपने और दोस्तों को बुलाकर कुंदन को गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। अस्पताल ले जाने के दौरान कुंदन की मौत हो गई। घटना मुफस्सिल थाना से महज 150 मीटर दूर विशाल पेट्रोल पंप की है। पुलिस ने शव को मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद ने कहा 'अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।'पुलिस के अनुसार, रविवार रात पंप पर बदमाश पेट्रोल लेने पहुंचे थे। पहले उन्होंने 100 रुपए का पेट्रोल लिया। फिर बिना रुपए दिए और पेट्रोल देने की जिद करने लगे। नोजल मैन ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। मामला बढ़ा तो नोजल मैन ने कुंदन को फोन पर जानकारी दी। कुंदन का घर पास में ही है। वो बीच-बचाव के लिए पहुंचा। बदमाशों ने भी अपने चार दोस्तों को बुला लिया और गोली चला दी। वारदात के बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। कुंदन वहीं गिर गया। सूचना मिलने के बाद ASP अनवर जावेद, SDPO सुनील पांडेय जांच के लिए पहुंचे। बदमाशों की पहचान कर ली गई है ये वारदात पंप पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है, लेकिन पासवर्ड नहीं मिलने की वजह से पुलिस उसका फुटेज नहीं निकाल सकी है। पुलिस के अनुसार बदमाशों की पहचान कर ली गई है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए जिले के सभी थाने को वाहन चेकिंग के आदेश दिए गए हैं।पेट्रोल कर्मी इस घटना से इतने दहशत में हैं। वे अपना नाम बताने से डर रहे हैं। पंप के कैशियर का कहना है कि 'मानपुर में काम करना मतलब जान गंवाना है। अगर हम अपना नाम बताएंगे तो बदमाश हमारे साथ भी गलत कर सकते हैं। मानपुर के बदमाशों के लिए गोलीबारी करना आम बात है।' वहीं, दूसरी तरफ स्थानीय लोगों ने कहा कि 'इलाके में पुलिस की गश्ती व्यवस्था पूरी तरह फेल है।'

भागलपुर में सिलेंडर ब्लास्ट, बाप-बेटे की मौत

रेस्टोरेंट में शॉर्ट सर्किट से आग लगी फिर धमाका हुआ, 1 KM दूर तक सुनाई दी आवाज

भागलपुर। में सोमवार की सुबह करीब 5 बजे गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने से बाप-बेटे की मौत हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि पहले घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगती है। आग लगने की जानकारी मिलते ही 2 लोग मदद के लिए रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं, तभी अचानक से ब्लास्ट होता है। कुछ सेकेंड बाद ही आग की लपटों के बीच रेस्टोरेंट से करीब 50 फीट दूर तक मलबा गिरते हुए दिखता है। आसपास के लोगों ने बताया कि इस धमाके की आवाज करीब 1 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी थी। मृतकों की पहचान खरमनचक निवासी किशन कुमार झुनझुनवाला और उसके बेटे कन्हैया कुमार उर्फ प्रसून झुनझुनवाला के रूप में हुई है। एक की मौके पर जबकि दूसरे की मौत मायागंज अस्पताल में हुई। घटना खरमनचक स्थित नागरमल मॉल के सामने एक रेस्टोरेंट की है।स्थानीय निवासी सुधीर कुमार ने बताया कि 'मॉर्निंग वॉक के दौरान पता चला कि 5 बजे यहां आग लगी है। हम लोगों ने देखा आग की लपटें निकल रही थीं। धमाके के बाद एक आदमी रेस्टोरेंट से 20 फीट दूर सड़क पर आकर गिरा। 2 बार आग लगी थी। पहली बार उतनी तेज नहीं थी। दूसरी बार लपटों के साथ थी। धमाके की आवाज बहुत तेज थी।' पटना में खाजा दुकान में आज सुबह आग लग गई। इस दौरान सिलेंडर ब्लास्ट से खाजा दुकान मालिक उपेंद्र कुमार की मौत हो गई। वहीं दो लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के पटेल नगर की है। दरअसल, आज सुबह साढ़े तीन बजे खाजा दुकान के अंदर आग लगी थी। दुकान में 3 सिलेंडर रखा हुआ था। उपेंद्र कुमार के दुकान खोलते ही 2 सिलेंडर में विस्फोट हुआ। ब्लास्ट के बाद कई हिस्सों में सिलेंडर के टुकड़ें हो गए। बिल्डिंग के पिलर में बड़ी दरार आ गई है। घटना की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

पड़ोसी ने की 6 साल के बच्चे की हत्या बोरे में डालकर भूसे में छिपाई बॉडी

भोजपुर में रविवार सुबह 6 साल के बच्चे का अपहरण कर पड़ोसी ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद लाश को बोरे में बांधा और भूसे से भरे कमरे में छिपाकर रख दिया। जानकारी के मुताबिक, आरोपी लाश को ठिकाने लगाने के लिए रात होने का इंतजार कर रहा था। हालांकि, इससे पहले ही ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। मृतक बच्चे का नाम अंकुश कुमार है, जो कोरी गांव के वार्ड नंबर-5 के रहने वाले ओम प्रकाश साव का बेटा है। परिजनों के मुताबिक, रविवार को वह घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान आरोपी सोनू कुमार (26) ने सुबह करीब 11 बजे उसका अपहरण कर लिया। बच्चे के परिजनों का आरोप है कि सोनू अंकुश के गले से सोने की चेन भी काटकर ले गया था। फिलहाल बच्चे की हत्या क्यों की गई है। इसका पता अभी नहीं चल पाया है। वहीं, पिटाई के बाद आरोपी सोनू की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से उसे पटना रेफर कर दिया गया है।मृत बच्चे के चाचा राहुल कुमार ने बताया, 'अंकुश घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान वह गायब हो गया। एक घंटा बीत जाने के बाद जब वह घर में वापस नहीं लौटा तो खोजबीन शुरू की, लेकिन वह नहीं मिला। परिजन और ग्रामीण लगातार उसकी तलाशी करते रहे। इसी बीच गांव के एक व्यक्ति ने कहा कि सोनू के घर में जाकर देखो। शक के आधार पर जब परिजन ग्रामीण के साथ उसके घर पहुंचे तो, भूसे वाले कमरे के में लाश मिली। जिसके बाद परिजनों ने सूचना स्थानीय थाना को दी।' चाचा का कहना है, 'एक साल पहले बच्चे के पिता का पड़ोसी से पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था, लेकिन बाद में मामला सुलझा लिया गया था। हो सकता है, उसी का बदला लेने के लिए बच्चे की हत्या की गई हो।'एसपी मिस्टर राज ने बताया, 'संदिश थाना के कोरी गांव में उसी गांव के निवासी सोनू कुमार ने बच्चे की घर में बंद कर हत्या कर दी। सोनू कुमार के घर को पुलिस ने सील किया है।

कश्मीर पर कोई आंख दिखाएगा तो फोड़ देंगे

कैमूर। के मोहनिया प्रखंड के बघौनी पहुंचे बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष सिंह ने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। यह भारत का था, है और रहेगा। अगर किसी ने हाथ उठाया उसका हाथ तोड़ दिया जाएगा और आंख दिखाई तो आंख फोड़ दी जाएगी।पहले कुछ राजनीतिक दल के लोग पाकिस्तान की भाषा बोलते थे, लेकिन ऐसा होने नहीं दिया जाएगा। कश्मीर में भले ही किसी की सरकार हो, लेकिन भारत का यह अभिन्न अंग है और रहेगा। मंत्री संतोष सिंह ने कहा कि कश्मीर में जो भी हिंदू पंडितों के घर पर बुलडोजर चलाने की बात है, उसमें बहुत ज्यादा पता नहीं है, लेकिन इतना पता चला है कि वह कोर्ट के आदेश पर हुआ है। जबरदस्ती बुलडोजर चलने की बात की जानकारी नहीं मिली है।कहा कि कश्मीर भारत का दिल है, भारत के जिगर का टुकड़ा है। शासन करने वाले कश्मीर में कोई भी हो, उससे मतलब नहीं है। एक लोग थे जो कहते थे कि पाक अधिकृत कश्मीर पाकिस्तान का है, पाकिस्तान के वचन बोलने वाले और बोलने वाले प्रवक्ता में कोई अंतर नहीं लगा, लेकिन हमारे नेता ने कहा कि कश्मीर भारत के जिगर का टुकड़ा है और रहेगा। इसको कोई छूने या आंख दिखाने की हिम्मत करेगा तो उसका हम लोग आंख फोड़ लेंगे। कश्मीर भारत का था भारत का है और भारत का रहेगा।

सहरसा में 7 साल की बच्ची से रेप

सहरसा। जिले के बैजनाथपुर थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर में एक सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना रविवार की देर शाम साढ़े सात बजे के बाद की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ आलोक कुमार, बैजनाथपुर पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बच्ची घर में अकेली थी। माता अपनी बहन के घर पिपरा गई हुई थी। पिता शाम में ठेला चला कर घर आया और खाना खा कर खेत की तरफ चला गया था। इसी का फायदा उठा कर पड़ोस के खेत के मालिक ने घटना को अंजाम दे दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। इधर, मामला सामने आने के बाद बच्ची को इलाज के लिए बैजनाथपुर पुलिस सदर अस्पताल लाया। एसपी के निर्देश पर मुख्यालय डीएसपी धीरेंद्र पांडे, मुख्यालय डीएसपी कमलेश सिंह, महिला थानाध्यक्ष दोली रानी सहित अन्य मौके पर पहुंच कर मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। लड़की के पिता ने बताया कि युवक का खेत उसके घर के बगल में हैं। अक्सर वह घर खाली करने का धमकी देता था।

प्रशांत किशोर बोले- बिहार एक फेल स्टेट है

गृह युद्ध झेल रहे सूडान से की तुलना; जेडीयू ने बताया उपचुनाव में हार की बौखलाहट

पटना। जनसुराज पार्टी के संरक्षक प्रशांत किशोर ने बिहार को फेल स्टेट बताया है। प्रशांत किशोर रविवार को अमेरिका में प्रवासी बिहारी मंच को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, 'बिहार विकास के हर मापदंड पर फेल है। इसलिए यह एक फेल स्टेट है। इतना ही नहीं उन्होंने बिहार की तुलना गृह युद्ध से जूझ रहे सूडान से भी की। पीके ने कहा, 'कभी-कभी मैं सोचता हूं कि सूडान में 20 साल से गृहयुद्ध क्यों छिड़ा है। क्यों वहां लोग लड़ रहे हैं। जब आप असफल राज्य में होते हैं तो लोगों को इस बात की चिंता नहीं होती है कि हमारे बच्चे सूडान में कैसे पढ़ेंगे। उन्हें इस बात की चिंता होती है कि किसे गोली मारनी है और किसे कहां पकड़ना है। बिहार में भी सूडान जैसी ही स्थिति है। यहां विकास की बातें तो होती हैं, लेकिन विकास नहीं हो पाता है।' अपने संबोधन में प्रशांत किशोर ने प्रवासियों से कहा कि 'वे अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को कॉल कर बिहार में जनसुराज को समर्थन करने के लिए कहें।' पीके के इस बयान ने बिहार की सियासत में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। राजद ने पीके पर पलटवार करते हुए कहा कि 'प्रशांत किशोर को बिहार की राजनीति की समझ नहीं है।' वहीं, जेडीयू ने उपचुनाव में हार मिलने के बाद प्रशांत किशोर की बौखलाहट बताया है। जेडीयू ने कहा, 'उपचुनाव में बिहार की जनता ने उन्हें फेल कर दिया है।' डराने के बदले सच्चाई बता रहा हूं अमेरिका में बिहारी प्रवासी को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, 'मैं उन्हें डराने की कोशिश नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें जमीनी हकीकत से रूबरू करा रहा हूं।' पीके ने अपने संबोधन में शराब पर प्रतिबंध को हटाने की भी बातें कहीं। प्रशांत किशोर के बयान पर आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा, 'उपचुनाव में जो नतीजे आए हैं। वह साबित करते हैं कि प्रशांत किशोर को बिहार की राजनीति की समझ नहीं है। बिहार को फेल्ड स्टेट बताकर उन्होंने बिहार के लोगों के सम्मान को ठेस पहुंचाने की कोशिश की है।' 'वे हार और बिहार के लोगों को अपमानित कर रहे हैं। अगर बोलना है तो उस पार्टी के बारे में बोलिए, जिसे केंद्र की सत्ता दिलाने में आपने मदद की थी।' वहीं, जदयू प्रवक्ता अरविंद निषाद ने प्रशांत किशोर पर निशाना साधते हुए कहा, 'बिहार की जनता ने उपचुनाव में पीके को नकारा दिया है। उन्हें फेल साबित किया है। इसके बाद प्रशांत किशोर बौखलाहट में हैं। इस वजह से ऐसे बयान दे रहे हैं। जनता वोट की चोट से वे फेल हो गए हैं, इसलिए बिहार को फेल बता रहे हैं। अरविंद निषाद ने कहा, 'प्रशांत किशोर ने शराबबंदी को खत्म करना चाहते हैं।

ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्के हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, यो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं?

खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।

पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्प्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की-सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करतीं हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करतीं हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करतीं हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंस और जेगिंस, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है। सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-

अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5'3'' है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे। सलवार को बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।

क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपका जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं।

हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है।

ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिलकुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिलकुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टेबल भी नहीं रह सकती हैं।

प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई

आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे है जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कंफर्टेबल हो सकती है हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं.तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें

हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती हैं। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी फ्लेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजीशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजो या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजीशन का ख्याल जरूर रखें।

पर्थ में भारत की ऐतिहासिक जीत पर बुमराह ने कहा हमने जिस तरह से जवाब दिया, उस पर हमें गर्व है

एजेंसी

पर्थ : भारत ने सोमवार को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराकर इतिहास रच दिया, जो एशिया के बाहर उनकी सबसे बड़ी जीतों में से एक है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में 295 रनों से मिली जीत ने भारत को पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त दिला दी है। स्टैंड-इन कप्तान जसप्रीत बुमराह, जिन्हें पहली पारी में महत्वपूर्ण पांच विकेट हासिल करने सहित आठ विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, ने टीम के प्रदर्शन और श्रृंखला की मजबूत शुरूआत पर संतोष व्यक्त किया।

मैच के बाद बुमराह ने कहा, शुरूआत से बहुत खुश हूं। पहली पारी में हम दबाव में थे, लेकिन उसके बाद हमने जिस तरह से जवाब दिया - उस पर बहुत गर्व है। पर्थ में अपने पिछले अनुभव को याद करते हुए बुमराह ने कहा, मुझे याद है कि जब आप यहां शुरूआत करते हैं, तो विकेट थोड़ा नरम होता है और फिर यह तेज और तेज होता जाता है। मैं उस अनुभव पर भरोसा कर रहा था। यह विकेट पिछले वाले की तुलना में थोड़ा कम स्पाइसी था। बुमराह ने तैयारी और अपनी क्षमताओं पर विश्वास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम वास्तव में अच्छी तरह से तैयार थे, इसलिए मैं सभी को अपनी प्रक्रिया और क्षमता पर विश्वास रखने के लिए कह रहा था। किसी भी दिन, अनुभव मायने रखता है, लेकिन अगर आपको विश्वास है तो आप कुछ खास कर सकते हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं मांगा जा सकता।

उन्होंने अपने साथियों, खासकर यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरूआत की है। यह शायद उनकी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी थी। उन्होंने गेंद को अच्छी तरह से छोड़ा - उनका स्वभाव आक्रामक है, लेकिन उन्होंने गेंद को अच्छी तरह से छोड़ा और लंबे समय तक खेला। विराट के बारे में - मैंने उन्हें कभी भी फॉर्म से बाहर नहीं देखा। चुनौतीपूर्ण विकेटों पर, यह तय करना मुश्किल है कि कोई बल्लेबाज फॉर्म में है या नहीं। वह नेट्स में अच्छा दिख रहा था।

बुमराह ने दर्शकों से मिले समर्थन के लिए आभार भी व्यक्त किया, जिसने टीम की प्रेरणा और आनंद को बढ़ाया।

पर्थ में भारत की व्यापक जीत ने श्रृंखला के लिए माहौल तैयार कर दिया है, जिसमें टीम ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सफल होने के लिए अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है।

पर्थ पहुंचते ही पिंक बॉल टेस्ट की तैयारी में जुटे रोहित

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सोमवार को पर्थ स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन टीम से जुड़ गए। रोहित रविवार को वहां पहुंचे और सोमवार को टीम के ड्रेसिंग रूम में कोच गौतम गंभीर के साथ नजर आए।

अपने बेटे के जन्म के कारण पर्थ में पहला टेस्ट मैच मिस करने वाले रोहित भारत की टेस्ट टीम के नियमित कप्तान हैं। रोहित ने दूसरे टेस्ट की तैयारी शुरू कर दी है। वह नेट्स पर जमकर प्रैक्टिस करते हुए दिखाई दिए। फॉक्स स्पोर्ट्स ने यह भी दिखाया कि रोहित लंच ब्रेक के दौरान पर्थ में नेट्स पर गुलाबी गेंद से अभ्यास कर रहे थे, जिसमें रिजर्व खिलाड़ी नवदीप सैनी, यश दयाल और मुकेश कुमार उन्हें गेंदबाजी कर रहे थे। भारत को 30 नवंबर और 1 दिसंबर को कैनबरा के मनुका ओवल में प्रधानमंत्री इलेवन के खिलाफ दो दिवसीय पिंक गेंद अभ्यास मैच खेलना है, जिसके बाद 6-10 दिसंबर तक एडिलेड ओवल में डे-नाइट टेस्ट मैच खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा, 'लंच ब्रेक के दौरान यहां नेट पर हमारे पास भारत के कप्तान रोहित शर्मा हैं, जो अभी-अभी यहां आए हैं। 6 दिसंबर को एडिलेड में शुरू होने वाले पिंक गेंद टेस्ट मैच से पहले हमारे पास कुछ भारतीय तेज गेंदबाज, अपने कप्तान के खिलाफ गेंदबाजी कर रहे हैं। जैसा कि हमने अभी देखा कि मुकेश कुमार एक अच्छी गेंद फेंक रहे हैं। लेकिन कप्तान को यहां देखना बहुत अच्छा है। हम उन्हें अगले कुछ दिनों में ऑस्ट्रेलियाई धरती पर फिर से मैदान पर देखने के लिए उत्सुक हैं।' रोहित की अनुपस्थिति में केएल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत की थी। पर्थ में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में 26 और 77 रनों की पारी खेलते हुए स्ट्रोक-प्ले और डिफेंस में ठोस प्रदर्शन किया। राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ 201 रनों की ओपनिंग साझेदारी भी की, जिन्होंने शानदार 161 रन बनाए, जिससे भारत ने दूसरी पारी में 487/6 पर पारी घोषित की।

कोच गौतम गंभीर के साहसिक निर्णयों से भारतीय खिलाड़ियो में लौटा आत्मविश्वास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखकर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। तीसरे दिन का खेल टीम इंडिया के लिए शानदार रहा, जिसने महज 4.2 ओवर में तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और मेहमान टीम अब पांच मैचों की सीरीज में पहला मैच जीतने की ओर अग्रसर है।

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज के बाद धैर्य और लचीलापन दिखाया है, और रविवार को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बढ़त हासिल की। कुछ दबाव मंर होने के बावजूद, भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ने सीरीज की तैयारी के दौरान अपने खिलाड़ियों का पूरा समर्थन किया है।

विराट कोहली की बल्लेबाजी और सीरीज से पहले उनके फॉर्म पर सवाल उठाए जा रहे थे। हालांकि, गंभीर ने पूरे समय अनुभवी खिलाड़ी का साथ दिया और कोहली ने उन पर दिखाए गए भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने अपने करियर का 30वां टेस्ट शतक जड़ा और भारत को ऑस्ट्रेलिया के सामने एक बड़ा लक्ष्य रखने में मदद की। कोहली ने जैसे ही 143 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, भारत की पारी घोषित कर दी गई। इसके बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जारी किए गए वीडियो में उन्हें पारी के बाद ड्रेसिंग रूम में अपने मुख्य कोच को गले लगाते हुए देखा गया।

गंभीर ने बल्लेबाजी क्रम बदलने और केएल राहुल को जायसवाल के साथ ओपनिंग करने के लिए भेजने का फैसला भी कारगर साबित हुआ। दोनों ने 383 रनों में 201 रनों की साझेदारी की और ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया। केएल राहुल ने अपनी भूमिका निभाई और क्रीज पर डटे रहे, जिससे पारी की शुरुआत से ही लय बनी रही, जबकि जायसवाल ने भी अपना शतक पूरा किया। गंभीर पर सीरीज से पहले हर्षित राणा और नितीश रेड्डी को मौका देने पर भी सवाल उठाए गए थे, लेकिन मैदान पर उनके प्रदर्शन से उन सवालों के भी जवाब मिल गए हैं।

भारतीय टीम एक बार फिर डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले ही टेस्ट में मिली बड़ी जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिक में एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं इससे पहले घरलू सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार के बाद टीम दूसरे नंबर पर खिक गयी थी। अब भारतीय टीम ने बुमराह की कप्तानी में एक बार फिर जबरदस्त वापसी की है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। इसके बाद भी उसे 4 टीमों से टक्कर मिलना तया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट मैच से पहले भारत के अंक तालिका में 58.33 अंक थे। वह न्यूजीलैंड से 0-3 से हारने के बाद पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर फिसल गयी थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया 62.50 अंक के साथ ही पहले नंबर पर आ गया था पर अंक तालिका में भारतीय टीम नंबर एक पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे नंबर पर खिसका दिया है। भातरीय टीम के अब अंक तालिका में 61.11 अंक जबकि ऑस्ट्रेलिया के 57.69 अंक हो गये हैं।

भारत को हालांकि अब ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ श्रीलंका, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से भी खतरा है। इसका कारण ये है कि ऑस्ट्रेलिया की तरह इन तीनों ही टीमों को एक या दो घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है. इस कारण उनके सीरीज जीतने की संभावना बनी रहेगी। अगर न्यूजीलैंड, दक्षिण

अफ्रीका या श्रीलंका अपनी सीरीज में क्लीन स्वीप करें तो वे भारत और ऑस्ट्रेलिया को पहले और दूसरे नंबर से धकेल सकते हैं।

भारत के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने का आसान रास्ता तो यही है कि वह ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट सीरीज में हराए. इससे वह ऑस्ट्रेलिया से बेहतर स्थिति में बना रहेगा। जीत का यह अंतर 3-0, 3-1 या 4-1 रहे तो बहुत अच्छा.।अगर जीत का अंतर 2-1 या 3-2 रहे या सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही तो भारत तीसरे नंबर पर खिसक सकता है। 2-2 से ड्रॉ होने पर भारत के डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 55.26 अंक रहेंगे।भारत अगर दूसरी टीमों के प्रदर्शन के समीकरण में नहीं उलझना चाहता तो उसे ऑस्ट्रेलिया से सीरीज जीतनी होगी। अगर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी बराबरी पर रही तो भारत तभी डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगा, जब इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को टेस्ट सीरीज ना जीतने दे। इसी तरह पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें दक्षिण अफ्रीका में एक-एक मैच जरूर जीते।. इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका में एक मैच जीते।

दिल्ली कैपिटल्स को सफल बनाना रहेगा लक्ष्य : बदानी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स के कोच बने हेमांग बदानी का लक्ष्य अपनी टीम को सफल बनाना है। पूर्व क्रिकेटर बादानी ने कहा कि उनके अंदर कोचिंग को लेकर उत्साह है और वह बिना लाइम लाइट में आये काम करना चाहते हैं। बदानी ने कहा कि कोच के तौर पर मैं टीम का प्रभावित कर सकता हूं। साथ ही कहा कि मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा जीत हासिल करना रहेगा। बदानी ने कहा, '' मैंने यहां आने के लिए अपनी योग्यताएं अर्जित की हैं और मुझे वास्तव में लगता है कि आने वाले वर्षों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छे फैसले लेने के साथ अच्छी चीजें कर सकूंगा।'' उन्होंने कहा, '' आप बहुत अधिक रणनीति बनाते हुए देखेंगे, आप एक बहुत ही शांत कोच देखेंगे, जो पृष्ठभूमि में काम करता है। मैं बोलने की जगह अपने काम से जवाब देने में विश्वास रखता हूं। मुझे टी20 क्रिकेट में कुछ सफलता मिली है, क्योंकि मुझे सच में विश्वास है कि मुझमें कोचिंग के प्रति जुनून है और मुझे लगता है कि मैं प्रभाव डाल सकता हूं।'' साथ ही कहा, ''मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा जीतना रहा है। दिल्ली कैपिटल्स अब नये कोच और कप्तान निकोलस पूरन के साथ आईपीएल सत्र में उतरेगी।

डिविलियर्स ने यशस्वी को भारतीय क्रिकेट का सुपरस्टार बताया

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के स्टार क्रिकेर रहे एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। डिविलियर्स ने कहा कि जिस प्रकार से यशस्वी बल्लेबाजी करते हैं वह क्रिकेट का सुपरस्टार है जो भविष्य में विश्व क्रिकेट में धूम मचा देगा। पर्थ टेस्ट मैच में युवा यशस्वी ने पारी की शुरुआत करते हुए दूसरी पारी मे शानदार शतक लगाया। यशस्वी ने 161 रनों की बड़ी पारी खेली। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर भातरीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। अपनी आक्रामक पारी से जायसवाल ने दिखा दिया है कि क्यों उनसे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज डरते हैं। जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक जमाकर इतिहास रच दिया। यशस्वी का ऑस्ट्रेलिया की धरती पर यह पहला टेस्ट शतक है। डिविलियर्स ने यशस्वी की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा, मैं यशस्वी को काफी समय से देख रहा हूं, मैंने पहले भी कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट का सुपरस्टार है। उसने पर्थ टेस्ट मैच में दिखा दिया है कि वह क्या कर कसता है। डिविलियर्स ने जायसवाल को लेकर आगे कहा कि, जायसवाल में भारतीय क्रिकेट का महान बल्लेबाज बनने की काबिलियत है, उसके अंदर काफी प्रतिभा है और इसे आगे ले जाने और निखारने की जरुरत है। साथ ही कहा कि ऐसे क्रिकेटर को बार-बार अवसर देकर भारतीय क्रिकेट अच्छा कर रहा है। मुझे उनकी बल्लेबाजी को देखकर काफी आनंद आता है। वास्तव में वो भारतीय क्रिकेट के लिए ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट के लिए भी महान बल्लेबाज बनने की ओर अग्रसर है ।साथ ही कहा कि जायसवाल ने दिखा दिया कि उन्हें लोग भविष्य का सुपरस्टार मानते हैं।

नटराजन की भरपाई कोई नहीं कर सकता, सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच का बड़ा बयान

जेद्दा (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी आईपीएल की बड़ी नीलामी के पहले दिन इशान किशन को अपने साथ जोड़कर सबसे ज्यादा उत्साहित थे लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि टी नटराजन का दिल्ली कैपिटल्स के पास जाना उनके लिए नुकसान था। मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले किशन को रविवार को सनराइजर्स ने 11 करोड़ 25 लाख रुपये में खरीदा।

बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए यह साल उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने के बोर्ड के आदेश की अवहेलना करने के कारण भारतीय टीम में अपनी जगह के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का केंद्रीय अनुबंध भी खो दिया। हालांकि उनकी रणजी ट्रॉफी में वापसी हुई है। सनराइजर्स ने नीलामी के पहले दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी (10 करोड़ रुपए) और हर्षल पटेल (आठ करोड़ रुपए) सहित आठ खिलाड़ियों को खरीदा। हालांकि वे टी नटराजन को वापस नहीं खरीद पाए और विटोरी ने कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के नुकसान की भरपाई कोई नहीं कर सकता।

नीलामी से पहले सनराइजर्स ने कप्तान पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और नितीश रेड्डी सहित पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया था। विटोरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'नट्टू (नटराजन) के जाने की भरपाई कोई नहीं कर सकता (मुस्कुराते हुए)। हर टीम इससे गुजरती है, चाहे आप खिलाड़ियों को जल्दी से जल्दी खोजने की कोशिश करें और मौकों पर झपटें या फिर आप आखिरी मौके का इंतजार करें।'

नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा। विटोरी ने कहा, 'हमने आज मौका मिलने पर उसे अपने पक्ष में करने का फैसला किया और मोहम्मद शमी उनमें से एक थे और फिर हर्षल पटेल, वे दो ऐसे खिलाड़ी थे जिनके बारे में हमने सोचा भी नहीं था कि वे इन कीमतों (कम कीमत) पर बिकेंगे। और फिर इशान किशन हमारे लिए बहुत बड़ी डील थी। हम उसे अपने साथ जोड़ना चाहते थे और हमें लगा कि वह अधिक कीमत पर बिकेगा। इसलिए इन तीन खिलाड़ियों और बाकी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने की खुशी है।'

विटोरी भारत के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए कोचिंग की अपनी जिम्मेदारी से समय निकालकर नीलामी के लिए आए हैं। विटोरी ने कहा कि चुने गए खिलाड़ियों से कप्तान कमिंस सहमत हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व स्पिनर ने कहा, 'हां, हां

(कमिंस से सुझाव) मिले थे। आज रात कप्तान दुखी था (पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के पीछे रहने का जिक्र करते हुए), उसके लिए एक कठिन दिन था। मैंने आज (रविवार) सुबह उससे बात की और उसने उन खिलाड़ियों के तर्क को समझा जिन्हें हमने चुना था और फिर उसके पास बाकी टीम को तैयार करने के लिए कुछ विचार थे।'

हाओ रान ने ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस जीती

झुहाई। अगले वर्ष होने वाले 15वें चीनी राष्ट्रीय खेलों के लिए एक परीक्षण कार्यक्रम, 2024 ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस, रविवार को यहां इनर मंगोलिया के हाओ रान के खिताब जीतने के साथ संपन्न हुई। 230 किलोमीटर की यह रोमांचक रेस, जिसमें हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करना भी शामिल था, झुहाई संग्रहालय के बाहर शुरू हुई और यहीं पर आकर समाप्त हुई। 67 एथलीटों ने मकाओ में प्रवेश करने से पहले झुहाई में 17 किलोमीटर की राइड के साथ शुरुआत की। इसके बाद वे हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करके हांगकांग पहुंचे, हांगकांग डिजनीलैंड में वापस लौटे और हेंगकिन द्वीप के चारों ओर तीन चक्कर पूरे करते हुए झुहाई वापस लौटे। अंतिम दो किलोमीटर में, हाओ ने बढ़त हासिल की और 5 घंटे, 15 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ अपनी जीत सुनिश्चित की। शेडोंग के मियाओ चेंगशुओ दूसरे स्थान पर रहे, दोनों राइडर्स ने लगभग समान समय में फिनिश लाइन पार की। तियानजिन के वांग रुइदोंग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। हाओ ने अपनी जीत के बाद कहा, यह पहली बार था जब मैंने समुद्री पुल पर 60 किलोमीटर से अधिक की राइड की। प्रकृति की विशालता का अनुभव करना वास्तव में विस्मयकारी था। पुल पर साइड विंड कठिन थे, लेकिन कई क्षेत्रों को पार करना इसे और भी रोमांचक बनाता है। हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज दुनिया का सबसे लंबा क्रॉस-सी ब्रिज है, जो ग्वांगडोंग प्रांत को हांगकांग और मकाओ से जोड़ता है। हांगकांग और मकाओ दोनों ने ही तीन-तीन एथलीट प्रतियोगिता में भेजे। विन्सेंट वान याउ लाउ हांगकांग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता रहे, जो आठवें स्थान पर रहे। हांगकांग टीम के मुख्य साइकिलिंग कोच हर्वे डागोर्न ने आयोजकों की खूब प्रशंसा की। फ्रांस और कजाकिस्तान की राष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन करने वाले डागोर्न ने कहा, मैंने जो देखा वह एकदम सही था। मैं अगले साल के बारे में बिल्कुल भी चिंतित नहीं हूं। यह निश्चित रूप से एक बेहतरीन संगठन होगा। पुरुषों की रोड साइक्लिंग स्पर्धा एकमात्र प्रतियोगिता है जो अगले वर्ष के राष्ट्रीय खेलों के लिए तीन सह-मेजबानों गुआंग्डोंग, हांगकांग और मकाऊ के बीच होगी, जो 9 से 21 नवंबर, 2025 के बीच आयोजित होंगे।

मुशफिकुर वेस्टइंडीज वनडे के लिए उपलब्ध नहीं, नजमुल का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं हैं, जबकि कप्तान नजमुल हुसैन का खेलना भी संदिग्ध है। दोनों ही खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए थे, क्योंकि वे अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी चोटों से उबर रहे हैं। यूएई में तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान की पारी के अंत में, विकेटकीपिंग करते समय मुशफिकुर को बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी और मैच के बाद एक्स-रे में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके कारण उन्हें चार से छह सप्ताह तक मैदान से बाहर रहना पड़ा। दूसरे वनडे में, नजमुल को फील्डिंग करते समय कमर में चोट लग गई और मैच के बाद उनका स्कैन किया गया, जिसमें पता चला कि उनके बाएं कमर में ग्रेड-2 खिंचाव है। नतीजतन, वे वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा नहीं ले सके। बीसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया, जहां तक मुशफिकुर का सवाल है, मुझे नहीं लगता कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में खेल पाएंगे, क्योंकि उन्हें ठीक होने के लिए और समय चाहिए। उन्होंने कहा, हम अपनी टीम की घोषणा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि हम अपने नियमित कप्तान नजमुल की प्रगति देख रहे हैं और यह देखने के लिए समय ले रहे हैं कि वह खेल पाते हैं या नहीं। उन्होंने कहा, हम उनके साथ कोई जोखिम नहीं ले सकते, क्योंकि यह कमर की चोट है और अगर वह वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे खेलने से इसे और नुकसान पहुंचाते हैं, तो उस स्थिति में उन्हें एक से डेढ़ महीने तक क्रिकेट से बाहर रहना पड़ सकता है और यह काफी विनाशकारी हो सकता है, क्योंकि हमारे पास चैंपियंस ट्रॉफी है, लेकिन मुझे लगता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहे हैं।

भुवनेश्वर कुमार के लिए भिड़ी तीन टीमें, अब विराट कोहली के साथ आरसीबी में खेलेंगे भुवी

मुम्बई। आईपीएल मेगा ऑक्शन के दूसरे दिन गेंदबाजों की काफी डिमांड देखने को मिली। अनुभवी भारतीय गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को आरसीबी ने 10.75 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। दरअसल, भुवी को लेकर तीन टीमों के बीच गहमा-गहमी देखने को मिली। उनके लिए तीन टीमों ने एक के बाद एक बोली लगाई और दो करोड़ की बेस प्राइस देखते ही देखते आठ करोड़ के ऊपर पहुंच गई। आखिर में आरसीबी को कामयाबी मिली और उन्होंने उन्हें अपनी टीम में शामिल कर लिया। भुवनेश्वर कुमार के लिए पहली बोली मुंबई इंडियंस ने लगाई। इसके तुरंत बाद लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम भी नीलामी में कूद पड़ी। लखनऊ सुपर जायंट्स टीम बोली को 10 करोड़ रुपये तक ले गई। इसके बाद मुंबई थोड़ी रुकी, हालांकि, उन्होंने बोली को बढ़ाकर 10.50 कर दिया। इसके बाद आरसीबी की टीम ने 10.75 करोड़ रुपये की बोली लगाई। यही भुवनेश्वर कुमार के लिए बोली रही और वह आरसीबी का हिस्सा बन गए। भुवनेश्वर पिछले साल 2025 तक सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते थे। लेकिन इस बार हैदराबाद ने उन्हें रिलीज कर दिया। वहीं नीलामी में भी हैदराबाद ने उनमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। जिसके बाद वह आरसीबी के खेमे में आ गए। हालांकि, भुवी के हैदराबाद से जाने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के फैंस उन्हें काफी मिस कर रहे हैं।

मैं खुद को मुश्किल परिस्थितियों में रखना चाहता हूं: बुमराह

पर्थ (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह ने सोमवार को कहा कि उन्हें कप्तान और गेंदबाज के रूप में कठिन परिस्थितियों में दबाव झेलने में मजा आता है और इससे टीम के कम अनुभवी खिलाड़ियों का काम काफी आसान हो जाता है। बुमराह ने पर्थ टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। वह इस मैच के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज साबित हुए।

भारत ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से करारी शिकस्त दी। बुमराह ने यहां मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब परिस्थितियां मुश्किल होती है तो मैं इस बारे में सोचता हूं कि मैं किस तरह से योगदान दे सकता हूं। यह तब भी होता है जब मैं टीम का नेतृत्व नहीं कर रहा होता हूं। ऐसे में जब भी मुश्किल परिस्थिति आती है तो मैं उसका जवाब ढूंढने की कोशिश करता हूं। मैं खुद को मुश्किल परिस्थितियों में रखकर सहज रहता हूं।''

हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे युवा खिलाड़ियों में भी बुमराह की इस सोच का प्रभाव दिखा और पदार्पण करने वाले ये इन दोनों युवा ने यहां के ऑप्टस स्टेडियम में अहम मौके पर शानदार योगदान दिये।

बुमराह ने कहा, '' मैं खुद को उस कठिन परिस्थिति में डालने की कोशिश कर रहा था ताकि नये खिलाड़ियों का काम आसान हो सके। आप जानते हैं अपने शुरुआती मैचों अधिक जिम्मेदारी लेना बहुत आसान नहीं है।''

उन्होंने कहा, '' मैं मैच में उनसे दबाव कम करने की कोशिश कर रहा था और मुझे खुशी है कि उनका रवैया सकारात्मक रहा।'' इस ऐतिहासिक जीत के बावजूद बुमराह एडिलेड टेस्ट में टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंच गये है। बुमराह से जब कप्तान छोड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चुटिले अंदाज में कहा, ''मैं उन्हें बताऊंगा कि मैं आसानी से इसे छोड़ने वाला नहीं हूं।''

इस 30 साल के खिलाड़ी ने कहा, '' मैं ने इस मसले पर पहले भी कहा है कि वह (रोहित) शानदार कप्तान है और उनका काम शानदार रहा है। मैं बस उनकी जगह की भरपाई कर रहा था।'' बुमराह ने कहा, '' जब वह भारत में थे तो चर्चा हुई थी। हम ने टीम को लेकर काफी बातचीत की है। मैं उसकी हर संभव मदद करने के लिए तैयार हूं।

ओडिशा के बेरहामपुर में पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी

बेरहामपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कांस्य प्रतिमा स्थापित होगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसकी जानकारी दी। भाजपा विधायक अनिल कुमार ने बेरहामपुर के रामलिंगम पार्क में परियोजना की आधारशिला रखी। प्रतिमा की कुल ऊंचाई 17 फुट होगी, जबकि इसका आधार 6.5 फुट होगा। कुमार ने कहा कि प्रतिमा के लिए करीब 20 लाख रुपये की जरूरत होगी और इस उनके स्थानीय क्षेत्र विकास (एलएडी) कोष से खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर प्रतिमा का अनावरण करने की योजना बना रहे हैं।

गूगल मैप के सहारे अधूरे फ्लाईओवर पर दौड़ा दी कार, नदी में गिरने से तीन लोगों की मौत

बरेली। वर्तमान में यहां फिर कभी भी तकनीक पर विश्वास करना ठीक है, लेकिन अति विश्वास करना ठीक नहीं हैं। इसी अति विश्वास का शिकार बेरली में तीन लोग हो गए। दरअसल बरेली जिले में दुखद घटना घटी, जहां एक अधूरे फ्लाईओवर से एक कार गहरी खाई में गिर गई, इसमें तीन लोगों की मौत हुई। यह घटना शनिवार को हुई, जब दो व्यक्ति, विवेक और अमित और अन्य, गुरुग्राम से शादी के लिए बरेली जा रहे थे। वे दिशा-निर्देशों के लिए गूगल मैप्स का उपयोग कर रहे थे, जो अधूरे फ्लाईओवर से होकर दूरी तक पहुँचने का सबसे तेज मार्ग दिखा रहा था। पुलिस ने बताया कि बरेली जिले में तीन लोगों की मौत हुई, जब गूगल मैप पर उनकी कार गलत तरीके से निर्माणाधीन पुल पर ले गई और कार नदी में गिर गई। पीड़ितों में से दो की पहचान विवेक और अमित के रूप में हुई, जिन्होंने गुरुग्राम से अपनी यात्रा शुरू की और एक शादी में शामिल होने के लिए बरेली जा रहे थे। वे लोग समारोह स्थल तक पहुँचने के लिए गूगल मैप्स पर निर्भर थे, तभी उनका जीपीएस उन्हें अधूरे फ्लाईओवर पर ले गया। लोगों ने अगली सुबह क्षतिग्रस्त कार और तीनों लोगों को मृत पाया। उन्होंने पुलिस को सूचित किया, जो घटनास्थल पर पहुँची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले गई। पुलिस ने बताया, आज सुबह 9:30 बजे रामगंगा नदी पर एक क्षतिग्रस्त कार मिली। पुलिस को सूचना दी गई और वह मौके पर पहुंची। र अधूरे पुल पर जा गिरी और वहां से नदी में गिर गई।

गोरखपुर में भीड़ ने थानेदार और सिपाही को बंधक बनाकर पीटा

गोरखपुर। यहां दो पक्षों के विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने हमला कर दिया। भीड़ ने चौकी इंचार्ज (दारोगा) और सिपाही को बंधक बनाकर पीटा। पिटाई से चौकी इंचार्ज बेहोश हो गए। मौके पर पहुंची थाने की पुलिस ने उन्हें भीड़ के चंगुल से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के कनहौली गांव में रविवार की सुबह दो पट्टीदारों के बीच गाड़ी आगे-पीछे करने को लेकर विवाद हो गया। मामला गाली-गलौज तक पहुंचा तो एक पटीदार श्रवण यादव ने 112 नंबर पर फोन कर पुलिस बुला ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दोनो पक्षों को समझा बुझाकर शांत करा दिया। हालांकि शाम होते होते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने इकट्ठे हो गए। दोनों तरफ से जम कर ईंट-पत्थर चलने लगे तो श्रवण यादव ने इसकी सूचना पुलिस चौकी पर दी गई।आरोप है कि चौकी इंचार्ज (दारोगा) अपने हमराही के साथ जैसे ही उक्त स्थल पर पहुंचे, श्रवण पक्ष के लोगों ने पुलिस पर लेट पहुंचने और लापरवाही का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। भीड़ ने चौकी इंचार्ज सहित कांस्टेबल को जमकर पीट दिया। भीड़ उन्हें एक कमरे में ले गई और बंधक बना लिया। किसी ने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी। मौके पर पहुंची पुलिस फोर्स ने बमुश्किल दोनों पुलिसकर्मियों को हमलावरों के चंगुल से बाहर निकाला।

34 करोड़ की कोकीन तस्करी का संदिग्ध मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने हाल ही में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किए एक कार्रवाई में सिएरा लियोन से आए एक लायबेरियन नागरिक को हिरासत में लिया। बताया गया है कि उक्त यात्री का ट्रॉली बैग असामान्य रूप से भारी पाया गया और डीआरआई अधिकारियों ने बैग का जब गहन निरीक्षण किया तब ट्रॉली बैग के निचले डिब्बे में सफेद पाउडर वाले दो पाउच पाए गए। प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला कि यह कोकीन है। इसका कुल वजन 3496 ग्राम है और बाजार में इसकी कीमत 34.96 करोड़ रुपये है। संबंधित यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

लॉरेंस विश्नोई के नाम पर मांगे 50 लाख, नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

भरतपुर। शहर के कुम्हेर गेट निवासी विवेक शर्मा को लॉरेंस विश्नोई गैंग के द्वारा 50 लाख रुपए की रंगदारी की मांग के बाद धमकी मिलने की घटना चर्चा में है। पीड़ित ने कॉल और मैसेज में अजनबी नंबर से धमकी के साथ मांग प्राप्त की थी। विवेक शर्मा ने इस मामले को लेकर कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला लॉरेंस विश्नोई गैंग के पाठक्रम से भिन्न है, क्योंकि इस घटना में भारतीय नंबर से संपर्क किया गया है। पुलिस ने लोगों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए आश्वासन दिया है कि आरोपी शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना से शहर में दहशत का माहौल है, लेकिन पुलिस ने जनता को सावधान रहने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच कर रहे विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा और पूरे मामले का सच सामने आएगा। इसके बाद, लोगों को फिर से शहर में निर्भीकता की भावना महसूस होगी।

साधू संतो का अभियान ही अब करेगा देश में नव चेतना का जागरण

महोबा (एजेंसी)। हिन्दुओं की एकता के लिए बागेश्वर धाम से ओरछा की पदयात्रा पर निकले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने आज कहा की भारत वर्ष में हिन्दुओ को जाति के आधार पर बांटने वालों की कुत्सित मानसिकता के खिलाफ साधू संतो का अभियान देश में परिवर्तन की नई चेतना का जागरण करेगा.यह अभियान एक सौ पचास करोड़ लोगो को एक सूत्र में बाँधने की कवायद के साथ इस देश को आपस में जोड़ने का मंत्र भी है.

सोमवार को उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के अशोक नगर में प्रवेश पर हजारों लोगो की भीड़ के साथ यात्रा पर पहुंचे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा की उनकी सनातानी हिन्दू यात्रा को लेकर तरह -तरह की बाते लोगो द्वारा भले की जा रही है लेकिन यह सही नहीं है. यह यात्रा तमाम जातियों में बटे हिंदू को एक मंच पर लाने की कवायद है.जिन्हे विभाजित करके कतिपय

लोगो द्वारा लाभ लिया जा रहा है. कुछेक राजनैतिक दल इस दिशा में बीते कई सालो से अपनी योजना को अंजाम दे रहे है. लेकिन उन्हें सफलता नही मिल रही है जिससे वह बैचेन है.

धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा की बागेश्वर धाम से 21 नवम्बर को शुरू होकर 29 नवम्बर को सम्पन्न होने वाली सनातानी हिन्दू यात्रा एक प्रयोग है. जल्द ही पूरे देश में साधू संतो द्वारा इस प्रकार की अन्य कई यात्राएं निकाल कर हिन्दू को एकजुट करने का कार्य किया जाएगा. देश में सनातन बोर्ड की स्थापना की लड़ाई का क्रम जारी रहेगा. पचास हज़ार से ऊपर भीड़ के साथ चल रहे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने पर महोबा जिले के अशोक नगर में भारी संख्या में समर्थको ने जोरदार तरीके से स्वागत किया. मध्य प्रदेश पुलिस ने भी इस दौरान उनकी सुरक्षा व्यवस्था को उत्तर प्रदेश पुलिस को हेंड ओवर किया.

पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के साथ यात्रा में सुप्रसिद्ध कथा वाचक अनिरुद्धाचार्य और अयोध्या की हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास आज मौजूद रहे. धीरेन्द्र शास्त्री ने सवालों के जवाब में यूपी के सम्भल में हुये उपद्रव पर क़ानून तोड़ने वालों के खिलाफ विधिक कार्यवाही और आर एस एस सुप्रीमो मोहन भागवत के बयान की हिन्दुओं को सभी मस्जिदों के भीतर शिव लिंग न देखने की बात पर उनकी निजी टिप्पणी करार देते हुये कुछ भी कहने से इंकार किया.

अडानी समूह से तेलंगाना सरकार नहीं लेगी 100 करोड़ रुपए का दान! सीएम रेवंत रेड्डी ने किया ऐलान

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी के राज्य में स्थापित की जा रही यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के लिए 100 करोड़ का दान पर रोक लगा दी है। रेड्डी ने दान को रोकने के निर्णय के लिए प्रारंभिक घोषणा के बाद

बढ़ती 'अनावश्यक चर्चाओं' का हवाला दिया। रेड्डी के हवाले से कहा गया कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि अडानी की घोषणा ने अनावश्यक चर्चाओं को जन्म दिया कि यदि दान स्वीकार किया गया तो यह राज्य सरकार या सीएम का पक्ष ले सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेलंगाना सरकार ने अदानी समूह सहित किसी भी संगठन से एक भी रुपया अपने खाते में स्वीकार नहीं किया है। रेड्डी ने कहा कि मैं और मेरे मंत्रिमंडल के सहयोगी ऐसी अनावश्यक चर्चाओं और स्थितियों में शामिल नहीं होना चाहते हैं, जिससे राज्य सरकार या मेरी छवि को नुकसान पहुंचे। इसीलिए राज्य सरकार की ओर से हमारे अधिकारी जयेश रंजन ने अदाणी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि पत्र में लिखा है कि (वर्तमान) स्थिति और विवादों के कारण, तेलंगाना सरकार आपके (अदाणी) द्वारा उदारतापूर्वक दिए गए 100 करोड़ रुपये के दान को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। रेड्डी ने बताया कि पत्र में अदाणी फाउंडेशन से स्पष्ट रूप से अनुरोध किया गया है कि वह विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपये हस्तांतरित न करें।

ईवीएम को हैक किया जा सकता है इसलिए मतपत्रों से हो चुनाव: हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की कार्यप्रणाली पर संदेह को दूर करने के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए क्योंकि तकनीक को हैक किया जा सकता है। सुक्खू ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'ईवीएम निर्माताओं ने उत्पादन बंद कर दिया है और अगर उनके कामकाज पर संदेह है तो आम जनता की मांग पर मत पत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए।'

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन ने 288 में से 230 सीट पर जीत हासिल की थी, जिसके कुछ दिनों मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी की। चुनाव में विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के खाते में 46 सीटें आयीं। सुक्खू ने कहा, 'किसी भी तकनीक को हैक किया जा सकता है और यहां तक कि एलन मस्क (सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' के मालिक) ने भी यह बात कही है।' कांग्रेस, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शरदचंद्र पवार के कई नेताओं ने ईवीएम के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि मशीनों के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आई हैं। सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि इस अवधि के दौरान विभिन्न विभागों के कामकाज में बदलाव कर वह राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर ले आए हैं और वह राज्य के लोगों के हित में साहसिक कदम उठाना जारी रखेंगे।

ललन सिंह के बयान से बिहार में सियायी घमासान... तेजस्वी ने कहा उनकी कोई विश्वसनीयता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के बयान को लेकर बिहार में सियासी घमासान मच गया है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए नीतीश सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद, मुसलमान जदयू को वोट नहीं देते हैं। मंत्री सिंह ने सीएम नीतीश के कार्यकाल के दौरान लागू किए गए कई सुधारों पर प्रकाश डाला, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय को लाभ हुआ है, और उनकी तुलना लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सरकार के दौरान की स्थितियों से की गई।

सीएम नीतीश के करीबी माने जाने वाले पूर्व जदयू अध्यक्ष सिंह ने कहा, मुसलमान पहले भी जद-यू को वोट नहीं देते थे, और न ही अब देते हैं। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी युग के दौरान, मदरसा शिक्षक प्रति माह 4,000 रुपये कमाते थे। नीतीश के नेतृत्व में, उनके वेतन को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप किया गया है, जो उनकी वित्तीय स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार को दिखाता है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश ने उन्नत शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं जैसे उपायों के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय के विकास को गति दी है।

हालाँकि, केंद्रीय मंत्री सिंह ने अफसोस जताया कि ये प्रयास नीतीश या जद-यू के लिए वोटों में नहीं बदले हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय की राजनीतिक प्राथमिकताओं की आलोचना कर दावा किया कि जिन पार्टियों का वे समर्थन करते हैं, उन्होंने उनके विकास में योगदान नहीं दिया है। अपनी टिप्पणी में, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनावी गतिशीलता की वास्तविकताओं को पहचानने का आह्वान कर कहा, किसी भी भ्रम में न रहें कि अल्पसंख्यक समुदाय नीतीश को वोट देता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश सभी के लिए काम करते हैं।

हालांकि, जदयू नेता मोहम्मद जमाल ने केंद्रीय मंत्री सिंह के बयान पर पलटवा कर कहा है कि बिहार का अल्पसंख्यक समुदाय नीतीश के साथ मजबूती से खड़ा है। वहीं नीरज कुमार के बाद अब अशोक चौधरी ने कहा कि, सिंह के बयान पर विपक्ष जबरदस्ती का विवाद पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि नीतीश न हिंदू है न मुसलमान है, न वह सिख हैं न इसाई है। नीतीश कुमार एक इंसान हैं, जो एक इक्कसवीं सदी के बिहार के निर्माण का सपना देखा और काम कर रहा है।

ललन के बयान पर राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि छोड़िए ललन सिंह की बात, हम लोगों के साथ थे, तब प्रधानमंत्री और अमित शाह को क्या-क्या बोलते थे। इधर हैं, तब इधर की बात करेंगे, उधर हैं, तब इधर की बात करते है। उनकी अपनी कोई क्रेडिबिलिटी नहीं है। वहीं, बयान के सफाई में ललन सिंह ने कहा कि मुजफ्फरपुर में मैंने कहा कि नीतीश कुमार वोट के लिए काम नहीं करते, वह बिहार की भलाई के लिए काम करते हैं और नीतीश कुमार ने पिछले 19 वर्षों में समाज के हर वर्ग के सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए काम किया है और उसी का परिणाम है कि आज बिहार बदल रहा है।

40 बागी विधायकों में से 5 को मिली हार, सामना के जरिए उद्धव ठाकरे ने शिंदे को राजनीति छोड़ने के वादे की दिलाई याद

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उनके राजनीति छोड़ने के वादे की याद दिलाई, यदि 2022 में अविभाजित शिवसेना के विभाजन के दौरान उनके साथ रहने वाले बागी विधायकों में से कोई भी राज्य में विधानसभा चुनाव हार गया। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में एक लेख में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट ने शिंदे को याद दिलाया कि 40 बागी विधायकों में से पांच विधानसभा चुनाव हार गए हैं। दैनिक ने कहा कि विधायक हैं माहिम से सदा सरवनकर, भायखला से यामिनी जाधव, सांगोला से शाहजी बापू पाटिल, मेहकर से संजय रायमुलकर और उमरगा से ज्ञानराज चौगुले।

शिंदे की सेना की ओर से एकनाथ शिंदने को मुख्यमंत्री बने रहने की मांग बढ़ने के बाद पार्टी की ओर से यह प्रतिक्रिया आई है। शिव सेना (यूबीटी) के प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने शिंदे के समर्थन में बिहार में व्यवस्था का हवाला दिया। म्हास्के ने कहा कि हमें लगता है कि शिंदे को मुख्यमंत्री होना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे बिहार में हुआ था, जहां बीजेपी ने संख्या को नहीं देखा, लेकिन फिर भी जेडीयू नेता नीतीश कुमार को सीएम बनाया। महायुति (महाराष्ट्र में) के वरिष्ठ नेता अंततः निर्णय लेंगे। शिंदे की सेना से महाराष्ट्र के मंत्री दीपक केसरकर ने भी रविवार को कहा कि पार्टी विधायकों का मानना है कि शिंदे को मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए। केसरकर ने

संवाददाताओं से कहा, उनके नेतृत्व में, महायुति ने बहुत अच्छा काम किया और चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि महायुति के साझेदार अंतिम निर्णय लेंगे।

शिंदे, जो उस समय उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन सरकार में मंत्री थे, ने तत्कालीन सीएम के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। शिंदे के साथ कम से कम 39 अन्य विधायक भाजपा के साथ 'बातचीत' शुरू करने के लिए सबसे पहले गुजरात के सूरत और असम के गुवाहाटी, दोनों भाजपा शासित राज्यों के लिए रवाना हुए। बाद में शिंदे भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बने।

रामदास अठावले ने बता दिया, सीएम की रेस में कौन है सबसे आगे, अपनी पार्टी के लिए मांगा मंत्री पद

केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया-अठावले (आरपीआई-ए) के प्रमुख रामदास अठावले ने सोमवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस, राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने की ओर अग्रसर हैं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजित पवार ने उन्हें अपना समर्थन दिया है। फडणवीस से उनके आवास पर मुलाकात के बाद अठावले ने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर फैसले को अगले दो से तीन दिनों के भीतर अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि शपथ ग्रहण समारोह जल्द ही होगा और आश्वासन दिया कि आरपीआई-ए कैबिनेट में जगह सुरक्षित करेगी। केंद्रीय मंत्री ने फडणवीस के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि अगले मुख्यमंत्री के तौर पर देवेन्द्र फडणवीस को चुना जाएगा। बीजेपी को 132 सीटें मिली हैं। अजित पवार ने भी देवेन्द्र फडणवीस को 41 सीटों का समर्थन दिया। एकनाथ शिंदे से चर्चा अभी भी जारी है। अठावले ने यह भी सुझाव दिया कि एकनाथ शिंदे, जिन्होंने शिव सेना को 58 सीटों पर जीत दिलाई, को केंद्रीय पद से सम्मानित किया जाना चाहिए, जबकि शिव सेना को एक उपमुख्यमंत्री की सीट मिलनी चाहिए।

वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध, प्रदर्शनकारियों व पुलिस में झड़प

दुकानदार और पालकीवालों ने कहा, हमारी रोजी-रोटी छिन जाएगी

श्रीनगर (एजेंसी)। कटरा में वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध बढ़ता जा रहा है। सोमवार को लोकल दुकानदार और मजदूरों ने लगातार चौथे दिन प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। झड़प में पुलिस का एक जवान घायल हो गया है।

प्रदर्शनकारियों ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर विरोध रैली निकाली और शालीमार पार्क के बाहर धरना दिया। बता दें कि शालीमार पार्क में ही वैष्णोदेवी दर्शन के लिए जाने वाले लोगों के लिए बेस कैंप शिविर बनाया गया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचाने वाले रोपवे प्रोजेक्ट से मौजूदा रूट के लोकल दुकानदार का व्यापार ठप हो जाएगा। पालकी और घोड़े से श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचाने वाले स्थानीय लोगों ने कहा कि नया प्रोजेक्ट 250 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा है। इसके बनने के बाद श्रद्धालु रोपवे से जाएंगे। हमारी रोजी-रोटी छिन जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दुकानदारों और घोड़े-पालकीवालों ने तीन दिन हड़ताल का भी ऐलान किया था। 22 नवंबर से शुरू हुई यह हड़ताल अब एक दिन और बढ़ाई गई है। प्रदर्शन में मजदूर संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह जामवाल और शिवसेना (यूबीटी) के प्रदेश अध्यक्ष मनीष साहनी भी शामिल हुए। उन्होंने रोपवे प्रोजेक्ट से प्रभावित होने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए 20 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही प्रभावितों के लिए पुनर्वास प्लान बनाने के लिए कहा है।

रोपवे से सात घंटे का सफर मात्र एक घंटे में होगा

श्री वैष्णो देवी मंदिर श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने बताया कि 250 करोड़ रुपए की लागत से नए रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण हो रहा है। इसके तहत कटरा से सांझीछत जाने में महज छह मिनट का समय लगेगा। इसके बाद 45 से 50 मिनट में वैष्णो देवी भवन तक पहुंचा जा सकता है। अभि भक्तों को मंदिर तक पहुंचने में चढ़ाई करके 6-7 घंटे लगते हैं। प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद श्रद्धालु को सिर्फ एक घंटा लगेगा। इससे श्रद्धालुओं को आसानी होगी।

निज्जर कांड में न सबूत-न सुनवाई, अब 4 भारतीयों को फंसाने पर तुला कनाडा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने खालिस्तानी प्रेम से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। इसी प्रेम के चलते कनाडा में उनका जबरदस्त विरोध हो रहा है,इसके बाद भी ट्रूडो खालिस्तानियों के चंगुल में फंसे हुए हैं। निज्जर हत्याकांड में उसके पास सबूत है नहीं और अब वह प्रारंभिक सुनवाई का भी मौका नहीं दे रहा। जी हां, अब खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में कनाडा सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड के कथित आरोपी चार भारतीय नागरिकों के खिलाफ सीधे अभियोग अथवा मुकदमे चलाने का ऐलान है।

आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में चार भारतीय नागरिक हैं- करण बरार, अमनदीप सिंह, कमलप्रीत सिंह और करणप्रीत सिंह। इन चारों आरोपी भारतीय नागरिकों को 21 नवंबर को सरे की प्रांतीय अदालत में पेशी के लिए हाजिर होना था, मगर ऐन वक्त पर कार्यवाही को रद्द कर दिया गया और वे पेश नहीं हो सके। अब वे 11 फरवरी, 2025 को पेश होंगे। कनाडा के अफसरों की मानें तो अभी सुनवाई शुरू होने की कोई संभावित तारीख तय नहीं है। 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के परिसर में निज्जर की हत्या के मामले में इस साल मई में गिरफ्तार किए गए चार लोगों के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद से मामले की सुनवाई पांच बार टाली जा चुकी है। चारों पर निज्जर की हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

बिना शुरुआती सुनवाई के ही यह ट्रायल चलेगा। बीसी प्रॉसिक्यूशन सर्विस की मानें तो इसके चलते सरे प्रोविंसियल कोर्ट में सुनवाई से पहले की कार्यवाही रोक दी गई है और मामला अब सीधे सुप्रीम कोर्ट में जाएगा। जस्टिन ट्रूडो निज्जर हत्याकांड को दिल से लगा बैठे हैं। वह इस मसले के वोट बैंक के रूप में देख रहे हैं। वह इसके सहारे अपनी राजनीति चमकाने में लगे हैं।खबर के मुताबिक, निज्जर हत्याकांड के कथित चारों आरोपियों पर सीधे अभियोग चलाने का मतलब है कि मामला बिना किसी प्रारंभिक सुनवाई के सीधे ट्रायल के लिए जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण चरण को दरकिनार कर देता है, जहां आरोपी के बचाव पक्ष के वकील को अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने और वास्तविक मुकदमे शुरू होने से पहले अपने मुवक्किल के खिलाफ मामले का पता लगाने का अवसर मिलेगा। मगर अब यह मामला सीधे ट्रायल में जाएगा। कनाडा के क्रिमिनल कोड के तहत, डायरेक्ट इंडिक्टमेंट यानी प्रत्यक्ष अभियोग एक स्पेशल पावर है, जिसका इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर किया जाता है। यह अटॉर्नी जनरल की संवैधानिक जिम्मेदारी पर निर्भर करता है कि जो लोग मुकदमे के लायक हैं, उन पर वाकई मुकदमा चलाया जाए। इसे आम तौर पर जनहित के कुछ खास मामलों में ही लागू किया जाता है, जैसे कि जब गवाहों, उनके परिवारों, या मुखबिरों की सुरक्षा को लेकर उचित चिंता हो।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**